TELANGANA RISING GLOBAL SUMMIT
COME, JOIN THE RISE!

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

TELANGANA RISING GLOBAL SUMMIT
COME, JOIN THE RISE!

वर्ष-30 अंक : 253 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.5 2082 मंगलवार, 9 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना का मतलब व्यापार है

पूरे भारत में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और तेलंगाना इसके केंद्र में है। जैसे-जैसे देश आर्थिक विकास की अपनी अगली लहर को तेज़ कर रहा है, राज्य एक अहम ताकत, निवेश और नवोन्मेष का केंद्र बनकर उभर रहा है। स्पष्टता, सुधार और प्रतिस्पर्धा पर फोकस करने वाली सरकार के साथ, तेलंगाना अपनी नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के माहौल को नया आकार दे रहा है, और सबसे आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

एक बेहतरीन शासन व्यवस्था वाला राज्य

2047 तक $3-ट्रिलियन इकॉनमी बनने के साफ़ रास्ते के साथ, सरकार का नजरिया व्यवसाय करने में आसानी, पारदर्शी मंज़ूरी और वैश्विक उम्मीदों के हिसाब से रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को प्राथमिकता देता है। नीति की दिशा औद्योगिक भूमि फ्रेमवर्क को मजबूत करने, निवेशक की सुविधा में सुधार करने और तेजी से बढ़ने वाले सेक्टर में लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा बनाने पर फ़ोकस करती है।

भविष्य के लिए डिज़ाइन किया गया बुनियादी ढांचा

हैदराबाद, बना इलास्टिसिटी शहर तेजी और स्थायी रूप से से बढ़ रहा है। A 3-टियर ग्रोथ विज़न इसे आगे बढ़ा रहा है।

कोर
(मुख्य शहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था), शहर और ORR के बीच, हाई-टेक सेवाओं और उन्नत शहरी प्रणाली पर आधारित है।

शुद्ध
(पेरी- शहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था), औद्योगिक और MSME उत्पादन के लिए ORR और RRR के बीच एक बेल्ट

दुर्लभ
(ग्रामीण कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था), RRR से आगे, स्मार्ट कृषि वानिकी, खाद्य प्रणाली और हैंडलूम पर फोकस किया गया

इस योजना का एक बड़ा ड्राइवर फ्यूचर सिटी है। वैश्विक व्यापार, शोध संस्था, इनोवेशन क्लस्टर और सतत जीवन स्थान के लिए 30,000 एकड़ का शहरी और एंटरप्राइज़ हब। रेल, रोड और लॉजिस्टिक्स विस्तार के साथ, राज्य मल्टी-सेक्टोरल ग्रोथ के लिए ज़रूरी बैकबोन बना रहा है।

एक पूर्णत : तैयार औद्योगिक भूमि

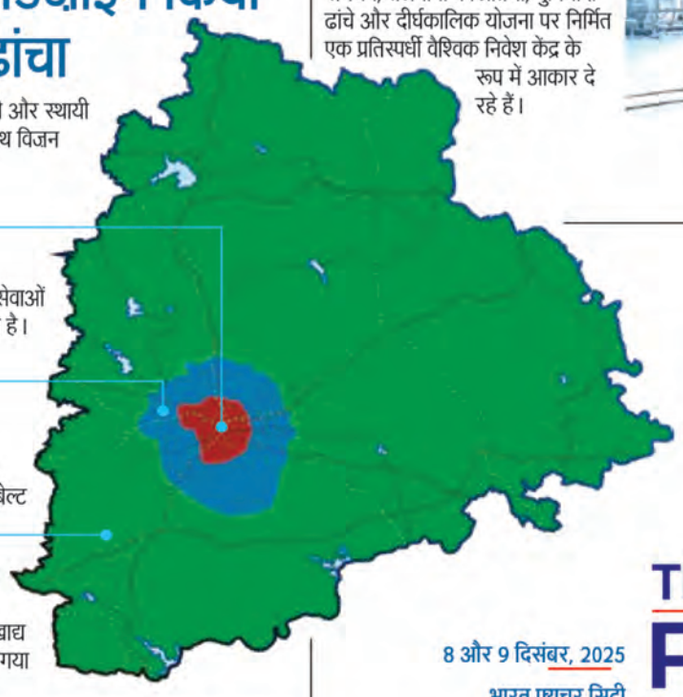

तेलंगाना के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में फार्मा, जीवन विज्ञान, एयरोस्पेस, रक्षा, आईटी/आईटीईएस, एआई, खाद्य प्रसंस्करण .और भी बहुत कुछ शामिल हैं। राज्य की दिशा में वैश्विक फर्मों के विश्वास का प्रतिबिंब है। फार्मा सिटी, आगामी अल और इनोवेशन हब, और जीसीसी और स्टार्ट-अप के लिए समर्थन, तेलंगाना को प्रतिभा, बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक योजना पर निर्मित एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में आकार दे रहे हैं।

8 और 9 दिसंबर, 2025
भारत फ्यूचर सिटी
हैदराबाद
TELANGANARISING2047.ORG

TELANGANA RISING GLOBAL SUMMIT

पहले दिन से वृद्धि की शुरूआत

"हम 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। हम भारत की आबादी का लगभग 2.9% हिस्सा हैं, लेकिन राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 5% का योगदान करते हैं। 2047 तक, मैं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 10% का योगदान करना चाहता हूँ। यह लक्ष्य कठिन लग सकता है, लेकिन हम इसे हासिल कर सकते हैं।

आज, मैं कल से ज्यादा आश्वस्त हूँ। कल एक सपना था, एक योजना थी। आज, आप सभी हमारे साथ जुड़े हैं। तेलंगाना का उदय अजेय है। आइए, इस उत्थान में शामिल हों।"

ए. रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

तेलंगाना के लिए, यह केवल शुरुआत है।

विजन 2047 अगला कदम आगे बढ़ाता है।

सरकार की 8 सूत्री योजना विकास और समावेश पर आधारित परिवर्तन को रेखांकित करती है।

1	3 -जोन राज्य	कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) हाई-टेक हब के लिए हैदराबाद; एमएसएमई और उद्योग के लिए ओआरआर और आरआरआर के बीच पेरी-अर्बन रीजन इकोनॉमी (पीयूआरई); स्मार्ट कृषि, वन और हथकरघा के लिए आरआरआर से परे ग्रामीण कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था (दुर्लभ)।
2	3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था	नवाचार, उद्यमिता, विनिर्माण, पर्यटन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का 5 गुना अधिक बढ़त ड्राइविंग 10%
3	निवेश आकर्षण	मजबूत बुनियादी ढांचा, प्रगतिशील नीति, प्रतिभा और रसद, नवाचार और उच्च विकास समूहों को सक्षम करना।
4	युवा विकास एवं सशक्तिकरण	शिक्षा को कौशल विकास के साथ एकीकृत करना, उन्हें तकनीक, उद्योग और उन्नत विनिर्माण, वैश्विक अवसरों और स्टार्ट-अप के लिए तैयार करना।
5	महिलाओं का नेतृत्वीय विकास एवं सामाजिक समावेश	नीतियों और उद्यमिता के जीवन-चक्र समर्थन के माध्यम से 1 करोड़ महिला करोड़पति बनाएँ।
6	किसानों का सशक्तिकरण	आय दोगुनी करना, फसल विविधीकरण, कृषि तकनीक, सिंचाई, एफपीओ, बाजार पहुंच को बढ़ावा देना।
7	स्वास्थ्य और मानव विकास	प्राथमिक और निवारक स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल स्वास्थ्य, बायोबैंक, कुशल श्रमिकों और किफायती और बुजुर्ग देखभाल को मजबूत करना।
8	शुद्ध-शून्य विकास लक्ष्य	नवीकरणीय ऊर्जा, हरित बुनियादी ढांचे, चक्रीय अर्थव्यवस्था, प्रकृति आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करें।

मुख्य समर्थन

तकनीक एवं नवोन्मेष • कुशल वित्तपोषण • डिजिटल शासन

जारीकर्ता : आई एंड पीआर डिपार्टमेंट, तेलंगाना सरकार

जैसे-जैसे भारत अपनी विकास की रफ्तार तेज कर रहा है, तेलंगाना अपने गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और इकोनॉमिक विज़न को उसी हिसाब से बदल रहा है। जो निवेशकों और एंटरप्राइज आसानी, स्थिरता और मौके ढूंढ रहे हैं, उनके लिए यह राज्य भविष्य के लिए बना एक लैंडस्केप देता है। एक ऐसा रास्ता जो पहले कभी इतना अच्छा नहीं रहा, और यह इसका हिस्सा बनने का सही समय है। इस बढ़त में शामिल हों।

गोवा क्लब अग्निकांड-पांचवीं गिरफ्तारी

> दिल्ली से ऑपरेशन मैनेजर पकड़ा गया > पुलिस ने मालिकों को लुकआउट नोटिस भेजा

सीएम का दावा-इलेक्ट्रिक पटाखों से आग लगी

पणजी, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से हुई 25 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने क्लब चेन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गोवा पुलिस ने क्लब के मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। आरोप है कि बिना जरूरी दस्तावेजों और लाइसेंस के क्लब चलाया जा रहे था। इधर सोमवार को मामले में पांचवी गिरफ्तारी की गई। दिल्ली से क्लब के ऑपरेशन मैनेजर भरत सिंह को गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले पुलिस ने क्लब के चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोडक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजीव सिंघानिया, गेट मैनेजर रियान्शु ठाकुर को गिरफ्तार किया था। सभी गिरफ्तार आरोपियों को 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। सीएम प्रमोद सावंत ने कहा है कि शुरुआती जांच में इलेक्ट्रिक पटाखे से आग लगने की बात सामने आई है। दरअसल पणजी से 25km दूर अरपोरा में बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर की रात आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में नाइट क्लब के 20 कर्मचारी और 5 टूरिस्ट शामिल हैं।

कजाकिस्तान की डांसर बोलीं- मुझे इंडियन गॉड ने बचाया

हादसे के वक्त क्लब में वीकेंड पार्टी चल रही थी। इस बची कजाकिस्तान की बेली डांसर क्रिस्टीना फ्लोर पर आईं। उनकी एंट्री के वक्त इलेक्ट्रिक पटाखे जले। इन्हीं से पार्टी हॉल की सीलिंग में आग लगी। क्रिस्टीना का डांस वीडियो वायरल होने के बाद आग लगने की संभावित वजह सामने आई। इस हादसे के बाद क्रिस्टीना ने मीडिया को बताया कि किसी ने उन्हें धक्का देकर बेसमेंट में जाने से रोक दिया था। बेली डांसर क्रिस्टीना ने कहा कि वे अपनी जान बचाने के लिए इंडियन गॉड का शुक्रिया करती हैं। उनकी पूरी टीम आग वाली जगह से निकलने में कामयाब रही।

मालिकों और इवेंट ऑर्गनाइजर के खिलाफ एफआईआर, 2 प्रॉपर्टी सील

गोवा पुलिस ने मामले की जांच के लिए कई टीमें बनाई हैं, जिनमें से एक सोमवार सुबह दिल्ली पहुंची, जिसने पांचवें आरोपी भरत कोहली को गिरफ्तार कर लिया है। भरत नाइट क्लब में रोजाना के काम देखता था। मालिकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा और इवेंट ऑर्गनाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

इससे पहले राज्य सरकार ने तीन सीनियर सरकारी अधिकारियों तत्कालीन पंचायत डायरेक्टर सिद्धि तुषार हरलंकर, तत्कालीन गोवा स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की मेंबर सेक्रेटरी डॉ. शमिला मोंटेइरो और तत्कालीन अरपोरा-नागोआ गांव के पंचायत सेक्रेटरी रघुवीर बागकर को सस्पेंड कर दिया गया है।

क्लब के मालिक का हादसे के बाद पहला बयान

'लोगों की मौत से हिल गया हूं; घटना के बाद से ही फरार'

गोवा, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार रात गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग और उसमें 25 लोगों की मौत पर अब नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा का पहला बयान सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि हादसे में लोगों की मौत के बाद से वह हिल गया है। गौरतलब है कि सौरभ हादसे के बाद से ही फरार है। गोवा पुलिस की एक टीम रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुई, ताकि क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की तलाश की जा सके, जिनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इस बीच सौरभ लूथरा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'नाइट क्लब प्रबंधन इस त्रासदी पर दुखी है और पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। दुख की इस घड़ी में हम पीड़ित परिवारों के साथ हैं। प्रबंधन पीड़ित परिवारों की मदद के लिए हरसंभव कदम उठाएगा।' सौरभ लूथरा की लिंक्डइन प्रोफाइल में उसे 'चेयरमैन एट रोमियो लेन, बिर्क' लिखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सौरभ लूथरा कम ही गोवा में दिखाई देता है और विभिन्न कानूनी मामलों में भी वह अपनी जगह अपने प्रतिनिधियों को ही भेजता है। क्लब के स्टाफ ने भी बताया कि क्लब का मालिक कम ही दिखाई देता है और वह एक महीने में एक बार ही नाइटक्लब आता है और कर्मचारियों से भी बेहद कम बात करता है।

खबरें जरा हटके

दुनिया की सबसे अजीब परंपरा! जमीन की जगह कांच की कब्रों में दफनाए जाते हैं लोग

पूरा शरीर साफ दिखाई देता है!

मानव सभ्यता जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी अंतिम संस्कार की परंपराएं भी. कहीं शव को जलाया जाता है, कहीं दफनाया जाता है और कहीं आधुनिक इलेक्ट्रिक क्रिमेशन का सहारा लिया जाता है. लेकिन दुनिया के एक हिस्से में ऐसा रिवाज चलता है जिसे देखकर इंटरनेट हिल गया है. यहां मरने के बाद लोगों को ऐसी पारदर्शी कब्रों में दफनाया जाता है, जिनके अंदर पूरा शरीर और समय के साथ कंकाल में बदलता रूप स्पष्ट दिखाई देता है. यह विचित्र और खौफनाक दृश्य अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है.

दरअसल इंस्टाग्राम यूजर ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें चारों ओर कांच जैसी पारदर्शी कब्रें दिखाई देती हैं. उनके अंदर दफनाए गए लोगों के कंकाल बिल्कुल साफ दिखते हैं, जैसे कोई संग्रहालय में रखी सामान हों. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कई कब्रों में दो लोगों को साथ दफनाया गया है. हड्डियों के ढांचे इस तरह उभरकर नजर आते हैं कि देखने वाला एक पल के लिए यकीन ही नहीं कर पाता कि यह किसी गांव की असली परंपरा है, कोई हॉरर मूवी का सेट नहीं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिवाज चीन के एक दूरदराज पहाड़ी इलाके में सदियों से चला आ रहा है. यहां एक मान्यता है कि यदि पति-पत्नी की मृत्यु आसपास के समय में होती है, तो उन्हें एक ही कब्र में साथ रखा जाता है, ताकि "अगले जन्म" या "परलोक" में भी उनका साथ बना रहे. इन पारदर्शी कब्रों को प्रेम, सम्मान और पारिवारिक बंधन का प्रतीक माना जाता है. स्थानीय लोग मानते हैं कि मृतकों को छिपाना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें उसी रूप में रहने देना चाहिए जैसे जीवन में थे सभी के बीच. एशिया के कई हिस्सों में यह भी परंपरा है कि मृतकों को घर में बने विशेष कमरों में रखा जाता है और समय-समय पर उनकी पूजा की जाती है. वही विचार इस अनोखी दफन प्रथा में भी नजर आता है.

खुदाई में मिली 2700 पुरानी कब्र, अंदर थी उल्टा मुकुट पहनी महिला की लाश, सामने आया चौंकाने वाला सच!

इतिहास हमेशा से ही रहस्यों से भरा रहा है. कई बार जमीन के नीचे दबी हुई सभ्यताएं हमें हैरान कर देती हैं और उनके अवशेष हमें उस समय के समाज, परंपराओं और शक्ति संतुलन के बारे में बताते हैं. आज हम आपको एक ऐसे ही ऐतिहासिक खोज के बारे में बता रहे हैं, जो जमीन की खुदाई में सामने आया. ग्रीस में पुरातत्वविदों की एक टीम को एक महिला का 2,700 साल पुराना कंकाल मिला है, जिसके सिर पर एक विचित्र और अजीबोगरीब उल्टा मुकुट रखा हुआ था. इतना ही नहीं, कब्र से कई और चौंकाने वाली चीजें सामने आईं, जिससे पता चलता है कि ये महिला कोई राजसी परिवार से रही होगी. यह पुरातात्विक खुदाई तब शुरू हुई, जब एक सौर पार्क के निर्माण की योजना बनी. इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने किसी भी कलाकृति को बचाने के लिए पूरी तरह से जांच और खुदाई शुरू करने का निर्देश दिया. पुरातत्वविदों के निष्कर्षों से पता चला कि इस जगह पर मौजूद अन्य कब्रें पुरातन युग की हैं, जो मोटे तौर पर ईसा पूर्व 700 के आसपास की हैं. उन्हें जो कंकाल मिला है, उसे 'उल्टे राजसी मुकुट के साथ दफन महिला' नाम दिया गया है, जो 20 से 30 वर्ष की आयु के बीच की थी. ग्रीक संस्कृति मंत्रालय और ग्रीस के पुरातत्वविदों ने एक साथ मिलकर इस जगह की खुदाई की थी, जिसका उद्देश्य न केवल कलाकृतियों के पीछे के अर्थ को उजागर करना था, बल्कि उन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना भी था. टीम के एक प्रवक्ता ने इस खोज के बारे में बताते हुए कहा, "उसके सिर पर उसकी श्रेष्ठता और पद की निशानी के रूप में एक प्रभावशाली कांस्य से बना पट्टादार राजसी मुकुट औपचारिक रूप से रखा गया था. मुकुट के केंद्र में माथे पर एक बड़ी 'सूर्य के रूप में' बनी हुई आकृति थी."

शिमला संजौली मस्जिद विवाद : मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी नक्शा पास कराएगी

हाशमी बोले-1915 से चल रही मस्जिद, रेवेन्यू रिकॉर्ड में भी जिक्र

शिमला, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल की राजधानी शिमला में संजौली मस्जिद विवाद फिर तूल पकड़ रहा है। मस्जिद को संरक्षित रखने के लिए ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी आगे आई है।

इस सोसायटी के अध्यक्ष नजाकत अली हाशमी ने शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- नए सिरे से नगर निगम (एमसी) कमिश्नर से मस्जिद का नक्शा पास करवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नजाकत अली ने रेवेन्यू रिकॉर्ड दिखाते हुए कहा- 1915 में खसरा नंबर 107 पर मस्जिद थी। इसके बाद 1997-1998 के रिकॉर्ड में भी संजौली में मस्जिद थी। इसलिए मस्जिद अवैध नहीं है। रेवेन्यू रिकार्ड में गैर मुमकिन मस्जिद एंटर है। साल 2013 में मस्जिद कमेटी ने एमसी को मस्जिद का नक्शा पास कराने को दिया। मगर उन्होंने कहीं भी कोई ऑब्जेक्शन नहीं लगाया। एमसी एक्ट के अनुसार, अगर 90 दिन के भीतर कोई ऑब्जेक्शन नहीं लगता तो नक्शा डीम्ड अप्रूव माना जाता है।

मस्जिद अवैध नहीं : हाशमी

हाशमी ने कहा-यह बात सही है कि नक्शा पास हुए बगैर यहां पांच मंजिला मस्जिद बना दी गई थी। मगर अब ऊपर की दो मंजिल तोड़ी जा चुकी है। उन्होंने कहा- मुस्लिम समुदाय नियमों के तहत मस्जिद को मॉडिफाई करने को तैयार है। मस्जिद के बचे हुए स्ट्रक्चर में कोई भी चीज अवैध नहीं है। इसलिए दोबारा एप्लिकेशन डालकर नियमों के तहत नक्शा पास कराने की अनुमति मांगी जाएगी। बेशक, ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने मस्जिद पर मालिकाना हक का दावा कर रहा है।

मगर मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी इसे नगर निगम आयुक्त कोर्ट और जिला अदालत में साबित नहीं कर पाया। यही वजह है कि पहले निगम कमिश्नर कोर्ट ने पूरी मस्जिद को हटाने के आदेश दिए। फिर जिला अदालत ने भी कमिश्नर कोर्ट के आदेशों को सही ठहराया।

राहुल के नदारद रहने पर महिला सांसद ने उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष पर बीजेपी की भी तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को वंदे मातरम पर हुई गर्मागर्मी ने माहौल बेहद राजनीतिक बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सांसद संबित पात्रा समेत तेलुगू देशम पार्टी की सांसद ने भी कांग्रेस पर राष्ट्रीय गीत के अपमान का आरोप लगाया। कांग्रेस ने इसे भाजपा की राजनीति करार दिया। इस बहस के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की गैरहाजिरी ही सबसे बड़ा मुद्दा बन गई। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वंदे मातरम पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा के वक्त सदन में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उनके मन में अपराधबोध है।

कर्नाटक सीएम के निर्वाचन को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धारमैया को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के 2023 में वरुणा विधानसभा क्षेत्र से उनके चुनाव को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। सोमवार को इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धारमैया को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने के. शंकरा नाम के व्यक्ति की याचिका पर सिद्धारमैया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

शंकरा ने कर्नाटक हाई कोर्ट के 22 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें वरुणा विधानसभा क्षेत्र से सिद्धारमैया के चुनाव को अमान्य घोषित करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया ने रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 के प्रावधान का उल्लंघन किया है। हाईकोर्ट ने शंकरा की चुनाव याचिका खारिज कर दी थी।

एसआईआर प्रक्रिया-तमिलनाडु में 84 लाख वोटर्स के फॉर्म जमा नहीं

कट सकता है नाम, बंगाल में ये संख्या 54 लाख से ज्यादा; 11 दिसंबर लास्ट डेट

चेन्नई/कोलकाता, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के फॉर्म 11 दिसंबर तक जमा होंगे।

इसी बीच तमिलनाडु में अब तक मिले डेटा से पता चलता है कि मसौदा मतदाता सूची से 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कट सकते हैं। राज्य में अब तक 84.91 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म अनकलेक्टेबल श्रेणी में हैं। यानी इन फॉर्म को अलग-अलग कारणों से इकट्ठा नहीं किया सकता है। इसमें अधूरी जानकारी होना, 2003 की लिस्ट में नाम न मिलना, वोटर की मौत या शिफ्ट हो जाना प्रमुख कारण हैं। वहीं बंगाल में शुक्रवार तक अनकलेक्टेबल एन्यूमरेशन फॉर्म की संख्या 54.59 लाख थी। यानी इनके नाम वोटर्स लिस्ट से कटने की आशंका है। जबकि केरल में जिन वोटरों का पता नहीं चल रहा है, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। उनकी संख्या बढ़कर 20 लाख से ज्यादा हो गई है। दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

'नेताजी-टैगोर की कद्र नहीं करती भाजपा'

वंदे मातरम बहस पर सीएम ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा हमला

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में वंदे मातरम को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया।

कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने सवाल किया कि अगर भाजपा नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर और राजा राम मोहन राय जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों की सराहना नहीं करती, तो आखिर करती किसकी है? ममता बनर्जी ने कहा मैंने सुना कि भाजपा के कुछ लोग कह रहे हैं कि वे नेताजी की सराहना नहीं करते। तो बताइए, आप नेताजी, टैगोर और राजाराम मोहन राय को सम्मान नहीं देते, फिर किसे देते हैं? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में हुए भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में न जाने के फैसले पर सफाई देते हुए कहा कि वह इसलिए नहीं गईं क्योंकि यह कार्यक्रम भाजपा से जुड़ा हुआ था। संतनन संस्कृति संसद की ओर से रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में लाखों लोग पहुंचे थे, जिसे 2026 विधानसभा चुनाव से पहले हिंदू पहचान के बड़े प्रदर्शन के तौर पर देखा गया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा अगर कार्यक्रम निष्पक्ष होता, तो मैं जरूर जाती। मैं एक राजनीतिक दल से जुड़ी हूं और एक विचारधारा का पालन करती हूं।

मैं हर धर्म और हर समुदाय का सम्मान करती हूं। लेकिन जिस कार्यक्रम से भाजपा सीधे जुड़ी हो, उसमें मैं कैसे जा सकती हूं? उन्होंने कहा मैं ऐसे आयोजनों में शामिल नहीं होती जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अपमान होता हो या महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन न किया जाता हो।

दुकान में घुसा चोर, पकड़ा गया तो निगला 15 लाख का लॉकेट

पुलिस ने बरामद करने का अपनाया घिनौना तरीका!

फिल्मों में चोरी के अलग-अलग तरीकों को दिखाया जाता है. अक्सर ये भी बोला जाता है कि चोर इन तरीकों को देखकर इंस्पायर हो जाते हैं और उसी प्रकार चोरी को अंजाम देते हैं. हाल ही में न्यूजीलैंड में भी एक चोर ने फिल्मी अंदाज में एक चोरी को अंजाम दिया जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे.

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में हुई एक अजीबोगरीब चोरी ने पुलिस को भी हैरान कर दिया. एक 32 वर्षीय चोर, जिसने जेम्स बॉन्ड-प्रेरित कीमती फ़ैबर्जे एग को निगलकर चोरी करने की कोशिश की थी, आखिरकार पुलिस कस्टडी में ही "प्राकृतिक रूप से" अपना चोरी का माल बाहर निकाल बैठा. पुलिस का कहना है कि कीमती वस्तु बिना किसी चिकित्सा हस्तक्षेप के सुरक्षित रूप से बरामद कर ली गई. घटना तब सामने आई जब आरोपी ने ऑकलैंड के सेंट्रल इलाके स्थित पार्ट्रिज ज्वेलर्स से £14,600 (लगभग 15 लाख रुपये) कीमत वाला डायमंड-जड़ित "ऑक्टोपसी" थीम वाला फ़ैबर्जे पेंडेंट निगल लिया. यह वस्तु 1983 की जेम्स बॉन्ड फिल्म ऑक्टोपसी से प्रेरित है, जिसमें एक कीमती फ़ैबर्जे एग चोरी होने की कहानी दिखाई गई थी. दुकान बंद होने के समय आरोपी चोरी की कोशिश करता पकड़ा गया. जब कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने अपनी जेब से लॉकेट निकालकर उसे निगल लिया, ताकि चोरी के सबूत को छिपाया जा सके. तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और कुछ ही मिनटों में वह गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को तुरंत कस्टडी में लेकर उसका मेडिकल परीक्षण कराया. अधिकारियों ने बताया कि उन्हें लॉकेट बरामद करने के लिए "प्रकृति की प्रक्रिया का इंतजार" करना पड़ा.

उम्मीद पोर्टल पर छह महीने में दर्ज हुईं 5.17 लाख वक्फ संपत्तियां, 2.16 लाख को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और डिजिटल दस्तावेज रखने के लिए शुरू किए गए उम्मीद पोर्टल पर कुल 5.17 लाख वक्फ संपत्तियां दर्ज की गई हैं, जिनमें से 2.16 लाख वक्फ संपत्तियों को मंजूरी मिल चुकी है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने ये आंकड़ा जारी किया है। उम्मीद पोर्टल को 6 जून 2025 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने शुरू किया था। इस पोर्टल पर छह महीने में वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण होना था। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 10,869 संपत्तियां सत्यापन के दौरान खारिज कर दी गईं।

सरकार ने प्रशिक्षण वर्कशॉप और समीक्षा बैठकें आयोजित कीं

बीती 6 दिसंबर 2025 को उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि आखिरी दिनों में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियां दर्ज होने की संख्या में तेजी आई। उम्मीद पोर्टल पर संपत्तियों को दर्ज करने के लिए सरकार ने कई समीक्षा बैठक, ट्रेनिंग वर्कशॉप संचालित कीं। दिल्ली में वक्फ बोर्ड्स और राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्कशॉप भी संचालित की गई, ताकि बताया जा सके कि संपत्ति पोर्टल पर कैसे अपलोड करनी हैं। एक हेल्पलाइन नंबर और तकनीकी सपोर्ट टीम भी उपलब्ध कराई गई ताकि किसी तरह की परेशानी न हो।

सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश से दर्ज हुई वक्फ संपत्तियां

आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा वक्फ संपत्तियां उत्तर प्रदेश से दर्ज हुई हैं, जो 92,830 हैं। इनमें से 86,345 संपत्तियां सुन्नी समुदाय ने दर्ज कराई हैं और 6,485 संपत्तियां शिया समुदाय ने। उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र में 62,939, कर्नाटक में 58,328 और पश्चिम बंगाल में 23,086 वक्फ संपत्तियां उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराई गई हैं।

सरकार का समयसीमा बढ़ाने से इनकार

केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की समयसीमा बढ़ाने से मना कर दिया। हालांकि, उन लोगों को तीन महीने की राहत दी गई है जिन्होंने पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी लेकिन किसी कारण पूरा नहीं कर पाए।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब लाखों संपत्तियों के पंजीकरण में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। केंद्र सरकार ने देशभर में मौजूद वक्फ संपत्तियों के डिजिटल दस्तावेज बनाने के लिए 6 जून को यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट (उम्मीद) एक्ट नामक केंद्रीय पोर्टल लॉन्च किया था। पोर्टल के नियमों के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के अंदर पोर्टल पर अपलोड करनी थी। रजिस्ट्रेशन के लिए छह महीने की समयसीमा 6 दिसंबर को रात 11:59:59 बजे खत्म हो गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

'आधिकारिक पद का घोर दुरूपयोग किया'

पूर्व आईएएस अधिकारी को कोर्ट ने सुनाई 5 साल की जेल

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी को पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने उनको मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी ठहराया है। भुज के पूर्व जिला कलेक्टर प्रदीप निरंकारनाथ शर्मा को धन शोधन निवारण अधिनियम के दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। अहमदाबाद की एक स्पेशल कोर्ट हाल ही में यह फ़ैसला सुनाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2010 से 2014 के बीच गुजरात में दर्ज कई पुलिस मामलों के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी, जिनमें भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और अनियमित भूमि आवंटन का आरोप लगाया गया था।

वर्ष-30 अंक : 253 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष कृ.5 2082 मंगलवार, 9 दिसंबर-2025**

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'कांग्रेस ने वंदे मातरम् के टुकड़े किए'

बंगाल के लिए वंदे मातरम् गली-गली का नारा बन गया : पीएम मोदी

> 60 मिनट के भाषण में 13 बार कांग्रेस > 7 बार नेहरू और 3 बार जिन्ना का जिक्र

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा की शुरूआत की। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा वंदे मातरम् अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। फिर पिछले दशकों में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी।

पीएम मोदी ने एक घंटे की स्पीच में वंदे मातरम् 121 बार, देश 50, भारत 35, अंग्रेज 34, बंगाल 17, कांग्रेस का 13 बार जिक्र किया। उन्होंने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी का नाम 10 बार, नेहरू 7 बार, महात्मा गांधी 6 बार, मुस्लिम लीग 5 बार, जिन्ना 3 बार, संविधान 3 बार, मुसलमान 2 बार, तुष्टिकरण 3 बार कहा।

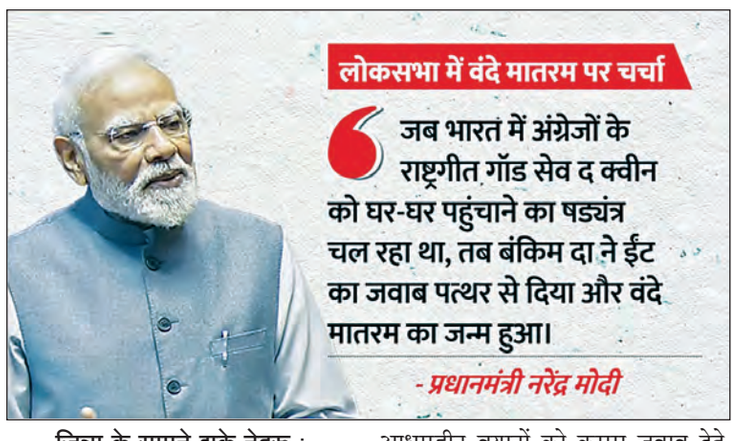

जिन्ना के सामने झुके नेहरू :

मोदी ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। पीएम ने कहा कि बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी। जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

वंदे मातरम् के 150 साल पर भारत तेजी से बढ़ रहा :

जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है।

1906 का एक किस्सा सुनाया :

वंदे मातरम् से जुड़ा किस्सा सुनाते हुए कहा- 20 मई 1906 को बारीसाल (अब बांग्लादेश में है) में वंदे मातरम् जुलूस निकाला, जिसमें 10 हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इसमें हिंदू और मुस्लिम समेत सभी धर्म और जातियों के लोगों ने वंदे मातरम् के झंडे हाथ में लेकर सड़कों पर मार्च किया था। हमारे जांबाज सपूत बिना किसी डर के फांसी के तख्त पर चढ़ जाते थे और आखिरी सांस तक वंदे मातरम् कहते थे।

तेलंगाना राइजिंग को कोई नहीं रोक सकता : रेवंत रेड्डी

> ग्लोबल समिट के उद्घाटन पर सीएम ने कहा

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग को कोई नहीं रोक सकता और दुनिया भर के निवेशकों एवं गणमान्य व्यक्तियों से इस विकास यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया।

रंगारेड्डी जिले के भारत फ्यूचर सिटी में सोमवार को आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के उद्घाटन भाषण में रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना भारत का सबसे युवा राज्य है और अपार संभावनाओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है। भारत की जनसंख्या में हमारा योगदान लगभग 2.97 है, जबकि हम राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग 57 का योगदान देते हैं।

2047 तक मैं चाहता हूं कि हमारा योगदान भारत की जीडीपी का 10% हो।' मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जिसने सेवाओं, विनिर्माण और कृषि के लिए तीन अलग-अलग ज़ोन स्थापित किए हैं। रेवंत रेड्डी ने चीन के ग्वांगडोंग प्रांत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश का सबसे बड़ा प्रांतीय अर्थतंत्र है। पिछले दो दशकों में ग्वांगडोंग ने निवेश और विकास में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और यह

दुनिया के शीर्ष प्रांतों में शुमार है। उन्होंने कहा, 'हम तेलंगाना में इस सफल मॉडल को अपनाने का लक्ष्य रखते हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना सरकार चीन, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों से प्रेरणा ले रही है, क्योंकि राज्य वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रवेश की तैयारी कर रहा है।रेवंत रेड्डी ने आगे कहा, 'हमने सहयोग, निवेश और समर्थन के लिए आमंत्रण भेजे हैं क्योंकि हम तेलंगाना राइजिंग पहल की शुरुआत कर रहे हैं। यह विज़न भले ही महत्वाकांक्षी लगे, लेकिन हमें विश्वास है कि यह हासिल किया जा सकता है।'

देशभर में एसआईआर के दूसरे चरण की रफ्तार तेज : 98.69 प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइज

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को एसआईआर के दूसरे चरण का नया अपडेट जारी किया, जिसमें मदेशभर के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची पुनरीक्षण की तेज प्रगति दिखाई दी है। आयोग द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन में बताया गया कि 4 नवंबर से शुरू हुआ एन्यूमरेशन चरण 11 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न राज्यों में मतदाता-विशिष्ट एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण और डिजिटाइजेशन का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। लक्षद्वीप (जहां कुल 57,813 मतदाता दर्ज हैं) ने 100 प्रतिशत फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन पहले ही पूरा कर लिया है। इसी तरह गोवा और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह ने भी लगभग पूरा लक्ष्य हासिल कर लिया है।

'चीन यात्रा के वक्त या वहां जाते समय सावधानी बरतें'

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने चीन की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए बड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि चीनी हवाई अड्डों से ट्रांजिट करने वाले भारतीयों के साथ अनुचित और भेदभावपूर्ण बर्ताव नहीं होना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि हाल की घटना ने गंभीर चिंता बढ़ाई है और इसलिए चीन यात्रा करने से पहले भारतीयों को पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि चीन भारतीय यात्रियों को न तो निशाना बनाएगा, न ही मनमाने तरीके से हिरासत में लेगा। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा के नियमों का सम्मान किया जाए और भारतीयों को बिना वजह परेशान न किया जाए।

प्रवक्ता ने कहा कि हाल की शिकायतों के बाद सरकार भारतीय नागरिकों को सलाह देती है कि वे चीन जाने या वहां से ट्रांजिट करने में सावधानी रखें। पश्चिमी कामेंग जिले की रूपा की रहने वाली थोंगडोक, जो फिलहाल ब्रिटेन में रहती हैं, 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं।

उनका तीन घंटे का ट्रांजिट अचानक एक लंबी परेशानी में बदल गया। उन्होंने बताया कि शंघाई एयरपोर्ट पर चीन के इमिग्रेशन और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने उन्हें 18 घंटे से ज्यादा रोककर रखा।

जितने साल से मोदी पीएम, उतने साल नेहरू जेल में रहे : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संसद में इस समय ये चर्चा इसलिए कराई गई, क्योंकि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। प्रियंका गांधी ने संसद में आगे कहा कि वंदे मातरम केवल भावना नहीं, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य को भी झुकने पर मजबूर किया था। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम नाम लेते ही स्वतंत्रता संग्राम की यादें और उसका साहस सामने आ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 1930 के दशक में सांप्रदायिक की राजनीति उभरी तब ये गीत विवादित होने लगा।

इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा-सरकार देख रही है मामला

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो की उड़ानें लगातार सातवें दिन भी बड़ी संख्या में रद्द हो रही है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगाकर दखल देने का आग्रह किया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया है और कार्रवाई कर रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम जानते हैं कि लाखों लोग फंसे हुए हैं। हो सकता है कि उनमें से कुछ लोगों का जरूरी काम हो और वे नहीं कर पा रहे हो। लेकिन भारत सरकार ने इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। समय पर कदम उठाया गया है। अभी हमें कोई तात्कालिकता नहीं आती है।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सुबह आठ बजे तक इंडिगो की 18 उड़ानों को रद्द कर दिया गया। इनमें से नौ उड़ानों का आगमन और नौ का प्रस्थान शामिल था। हालांकि, हवाई अड्डा प्रशासन ने कहा कि टर्मिनल और रनवे का संचालन सामान्य रूप से चल रहा है और यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है। इस दौरान 21 इंडिगो की उड़ानें चलीं, जिनमें सात का आगमन और 14 का प्रस्थान शामिल था। बेंगलूरू के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईएएल) पर इंडिगो की कुल 127 उड़ानें रद्द की गईं। इससे 65 आगमन और 62 प्रस्थान की उड़ानें प्रभावित हुईं। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर भी गंभीर असर पड़ा। हवाई अड्डा प्राधिकरण के मुताबिक, यहां अभी तक इंडिगो की 77 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिनमें 38 आगमन और 39 प्रस्थान की उड़ाने शामिल थीं।

ऐसी भाषा न बोलें, जो पीड़िता को डरा दे

प्रयागराज, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की विवादित टिप्पणियों पर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट अब देशभर के हाईकोर्ट के लिए एक व्यापक गाइडलाइन बनाने जा रही है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यानी सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर बेहद सख्त टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रेप और यौन अपराध के मामलों में दिए जा रहे विवादित और महिला-विरोधी आदेशों पर गंभीर चिंता जताई। कहा, हम सभी हाईकोर्ट के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी टिप्पणियां पीड़िताओं पर चिलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं। कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं।

नवजोत सिद्धू की पत्नी पर गिरी गाज-पार्टी से सस्पेंड

चंडीगढ़, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राइमरी सदस्यता से सस्पेंड कर दिया गया है। नवजोत कौर के 500 करोड़ वाले बयान को लेकर घमासान मचा हुआ है। बता दें कि नवजोत कौर ने दो दिन पहले कहा था कि अगर सिद्धू को सीएम फेस बनाया जाता है तो वह पार्टी में एक्टिव हो जाएंगे। हम रिजल्ट दे सकते हैं और पंजाब को गोल्डन स्टेट बना देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में इस समय जिस तरह के हालात हैं हर कोई सीएम बनने की दौड़ में लगा हुआ है।

पार्टी को हराने में लगे हुए हैं। हमारे पास पैसे नहीं हैं और जो 500 करोड़ की अटैची देता है उसकी को सीएम फेस बनाया जाता है। नवजोत कौर ने शनिवार को पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात के बाद यह बात कही। नवजोत कौर के इस दावे के बाद पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी कांग्रेस पर हमला बोला। जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए कई पैमाने हैं। इसमें एक मापदंड सिख होना भी है, जिस पर सिद्धू खरे उतरते हैं। बता दें कि 2021 में कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद सुनील जाखड़ भी मुख्यमंत्री चेहरे की दौड़ में थे।

वांगचुक की बीसी पर सरकार ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होने की मांग पर केंद्र सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है।

वांगचुक फिलहाल जोधपुर जेल में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत बंद हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 15 दिसंबर तक स्थगित कर दी।

भारत की आत्मा, संस्कृति और शक्ति का शाश्वत प्रतीक : ओम बिरला

लोकसभा में गूंजा वंदे मातरम

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में सोमवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गीत पर एक दिवसीय विशेष चर्चा आयोजित की गई। सदन के प्रारंभ में स्पीकर ओम बिरला ने वंदे मातरम को भारत की आत्मा, एकता, संस्कृति और अदम्य शक्ति का जीवंत प्रतिबिंब बताया। ओम बिरला ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी हर भारतीय के हृदय में गहराई से बसता है। उन्होंने कहा इसके हर शब्द में भारत की प्रकृति, मातृत्व, सौंदर्य और शक्ति की अद्वितीय एकता झलकती है। स्पीकर ओम बिरला ने याद दिलाया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम ने करोड़ों भारतीयों में आजादी का सपना जगाया और असंख्य क्रांतिकारियों ने फांसी और अत्याचारों का सामना करते हुए भी इस गीत को अपना संबल बनाया। सदन में मेज थपथपाकर सदस्यों ने इस ऐतिहासिक चर्चा का स्वागत किया। ओम बिरला ने कहा कि यह बहस सिर्फ एक औपचारिक चर्चा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रभावना को जागृत करने का अवसर है।

उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि सांसदों के विचार इस चर्चा को सत्र का ऐतिहासिक अध्याय बनाएंगे और वंदे मातरम की ऊर्जा नई पीढ़ी तक और अधिक प्रभाव के साथ पहुंचेगी। सदन में नेताओं ने इस गीत की ऐतिहासिक यात्रा, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और आधुनिक भारत के लिए इसके संदेश पर अपने विचार रखे।

हाथरस में एक लाख मतदाता कम होने की संभावना

80 हजार अब तक नहीं मिले, डुप्लीकेट-मृतक की लिस्ट हो रही तैयार

हाथरस, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। हाथरस जिले में लगभग 80 हजार मतदाताओं को अब तक ट्रेस नहीं किया जा सका है। इन मतदाताओं में मृतक, स्थानांतरित (शिफ्टेड) और संभावित डुप्लीकेट नाम शामिल होना बताया जा रहा है।

निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 11.63 लाख है। एसआईआर के बाद इस बार मतदाता संख्या में करीब एक लाख तक की कमी आने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल जिले में एसआईआर का 94 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके लिए 1295 बीएलओ तैनात किए गए हैं, जो घर-घर सत्यापन के जरिये मतदाता विवरण को अपडेट कर रहे हैं। रविवार को सभी बीएलओ अपने-अपने बूथों पर गणना प्रपत्रों को पूर्ण करने में जुटे रहे। हाथरस जिले में एसआईआर का 94 फीसदी कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

जल्द ही तयशुदा समय सीमा में 100 फीसदी कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा।-अतुल वत्स, जिलाधिकारी हाथरस। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार जिले में 80 हजार मतदाता अब तक नहीं मिले हैं। इसमें बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं, जो वर्षों से अपने पते पर मौजूद नहीं हैं। इनमें किसी अन्य जिले या प्रदेश में शिफ्ट हो चुके मतदाता बहुतायत में हैं। एक से अधिक जगह दर्ज डुप्लीकेट मतदाता भी इसमें शामिल हैं। इन्हीं श्रेणियों के कारण ट्रेस न हो पाने वाले मतदाताओं की संख्या लगभग 80 हजार तक पहुंच गई है।

बीएलओ-बीएलए को मिलेगी अंतिम सूची

अब अगले चरण में बीएलओ और राजनीकि दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को मृतक और जिले से बाहर जा चुके मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अंतिम सत्यापन के बाद मतदाता सूची को शुद्ध किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह कवायद पूरी तरह पारदर्शिता से की जा रही है।

सासनी में एसआईआर का कार्य पूर्ण

जिले के निर्वाचन विभाग के अनुसार तहसील सासनी में एसआईआर का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। अन्य तहसीलों में भी अंतिम चरण का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। अगले कुछ दिनों में शेष छह प्रतिशत कार्य भी पूर्ण कर लिया जाएगा।

किसानों का उग्र प्रदर्शन, बीज विधेयक 2025 और बिजली बिल 2025 की प्रतियां जलाईं

रोहतास, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम के पोस्ट ऑफिस चौराहे पर सोमवार को अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए बीज विधेयक 2025 और बिजली बिल अधिनियम 2025 के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध में शामिल सैकड़ों किसानों ने दोनों विधेयकों को देश विरोधी बताते हुए प्रतीकात्मक प्रतियां जलाईं और जमकर नारेबाजी की।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कामरेड अशोक बैठा ने दोनों विधेयकों को तत्काल रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीज विधेयक किसानों को कमजोर करने वाला है और इसका लाभ केवल बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों को मिलेगा।

राजद-कांग्रेस और सपा घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह राजनीतिक दल घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं। लखनऊ में आईएएनएस से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी हो, कांग्रेस हो, राष्ट्रीय जनता दल हो, या टीएमसी हो-ये सभी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। हम घुसपैठियों को वोट बैंक नहीं मानते हैं, और न ही तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। घुसपैठ का आगे जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में घुसपैठियों के खिलाफ भारत छोड़ो अभियान चल रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि भेष बदलकर रहने वाले घुसपैठिए जल्द ही देश से बाहर किए जाएंगे। तेजी से घुसपैठियों को चिन्हित करने का काम किया जा रहा है; वह दिन दूर नहीं जब सभी घुसपैठियों को भारत से खदेड़ दिया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद अवैध घुसपैठियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा कदम है। भारत घुसपैठियों के लिए कोई शेल्टर होम नहीं है, और न ही उत्तर प्रदेश। घुसपैठियों को भारत से बाहर भेजा जाना चाहिए। उनकी जांच होनी चाहिए।

डिप्टी सीएम ने देश और प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि मैं समाज से अपील करता हूं कि अगर किसी को किसी घुसपैठिए के कहीं छिपे होने की जानकारी है, तो वे पुलिस या प्रशासन को बताएं। उन्होंने कहा कि देश के संसाधन पर भारत के लोगों का अधिकार है, लेकिन लोगों के अधिकार पर घुसपैठिए डाका डाल रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि इन घुसपैठियों से मुक्ति पाई जाए। उन्होंने कहा कि भारत से घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए देशवासियों को मिलकर एकजुट होकर काम करना होगा।

मुरादाबाद में योगी : 'अगले साल होगा पंयायत चुनाव-एक भी वोट गलत न बने, एसआईआर में लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

मुरादाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता टोलियां बनाकर घर-घर जनसंपर्क करें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाएं और सही वोटरों को जोड़ने का काम करें।

योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद के सर्किट हाउस में सोमवार दोपहर एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनता के लिए एसआईआर गंभीर मुद्दा है। पार्टी के बीएलओ -1, बीएलओ -2 का सहयोग करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाही न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें। विकास की योजनाएं कहां तक पहुंची है। अगले साल पंचायत चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव आएंगे। इस कारण पार्टी की तैयारी मजबूत रहनी चाहिए।

रेड कारपेट बिछी रही,नहीं गए मुख्यमंत्री

नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने के लिए पूरा इंतजाम किया था। रेड कारपेट बिछाए गए थे लेकिन किसी कारणों के वजह से मुख्यमंत्री वहां नहीं गए। रेड कारपेट और सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

'वंदे मातरम सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए होना चाहिए'

लोकसभा में बोले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में कई मुद्दों पर चर्चा हो रही है। प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर विशेष चर्चा की शुरुआत की। पीएम ने कहा कि आज हम इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं, जब सदन में इसकी चर्चा हो रही है।

लोकसभा में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर बहस के दौरान पीएम मोदी के बोलने के बाद लोकसभा में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई बोले। इसके बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने वंदेमातरम् पर चर्चा का जवाब दिया। अखिलेश यादव ने वंदे मातरम ने देश को एक किया और आज़ादी की लड़ाई में जान डाली। सत्ता पक्ष हर चीज पर कब्जा करना चाहता है। सत्ता पक्ष हमेशा सब कुछ अपना बनाना चाहता है। ये लोग हर बात का श्रेय लेने चाहते हैं, जो महापुरुष इनके नहीं हैं, ये लोग उनपर भी कब्जा करने की कोशिश करते हैं। इनकी बातों से ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् भी इन्हीं का बनवाया हुआ गीत है।

समाजवादी पार्टी के एमपी अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए है। जिन्होंने कभी आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, वे वंदे मातरम का महत्व कैसे समझेंगे? वे 'राष्ट्रवादी' नहीं बल्कि राष्ट्रवादी लोग हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर कहा कि देश के महापुरुषों का सपना था स्वतंत्र भारत, देश की आज की पीढ़ी का सपना है समृद्ध भारत। आज़ाद भारत के सपने को सींचा था वंदे मातरम की भावना ने, समृद्ध भारत के सपने को सीचेंगा वंदे मातरम की भावना। हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है, 2047 तक विकसित भारत बनाना है।

शामली में दंपती ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

शामली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। शामली शहर कोतवाली क्षेत्र में मेरठ-करनाल हाईवे पर बुटराड़ी बिजलीघर के सामने रविवार देर रात एक दंपती ने जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। दोनों ईंख के खेत में बेहोश मिले।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां नरेश को मृत घोषित कर दिया गया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान नरेश (28) पुत्र नरेंद्र निवासी पोंडरी, जिला कैथल (हरियाणा) और सोना निवासी फोर गड्डी थाना खड्डा, जिला कुशीनगर के रूप में हुई है। दोनों को दंपती बताया जा रहा है। रविवार रात करीब 2 बजे दोनों बाइक से पहुंचे और ईंख के खेत में जाकर कीटनाशक दवा का सेवन किया।

सीएम नीतीश के बेटे के राजनीति में आने पर चर्चा

बिहार सरकार के मंत्री बोले-निशांत पर जनता लेगी निर्णय

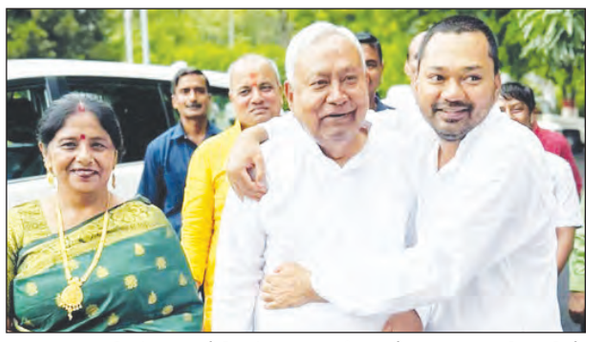

लखनऊ, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए सरकार के मुखिया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर किए गए सवाल पर बिहार सरकार में ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि निशांत के राजनीति में आने का निर्णय जनता लेगी। उन्होंने कहा कि जनता चाहती है कि वो राजनीति में आएं। श्रवण कुमार सोमवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में जदयू पदाधिकारियों के साथ बैठक की और जानकारी देते हुए कहा कि अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में संगठन को मजबूत किया जाएगा। जदयू सदस्यों के साथ कुछ घटनाएं हुई हैं।

उनमें प्रदेश सरकार से कार्रवाई की मांग की गई है। यूपी में जदयू कार्यकर्ता निराश हैं। एनडीएम में तवज्जो नहीं मिल रही है। इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल निर्माण पर कोई विवाद नहीं है। यह मुख्यमंत्री का निर्णय है।

धनंजय सिंह पार्टी में हैं या नहीं...

जहरीली सिरप कांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम आने पर कहा कि धनंजय सिंह पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव हैं या नहीं। इस बारे में जांच करके बताएंगे। प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि मासिक बैठक बिहार चुनाव के बाद हुई है। मंत्री का स्वागत किया गया। यूपी में सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। हर जिले में प्रभारी नियुक्त किया गया है। ग्राम पंचायत चुनाव में मजबूती से लड़ेंगे। ग्राम प्रधान और बीडीसी आदि पदों पर मजबूती से लड़ेंगे। अभी अकेले तैयारी कर रहे हैं। आगे पार्टी का निर्णय लेगी। धनंजय सिंह का नाम आने पर कहा कि वह लोकसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी में नहीं हैं। वो न किसी कार्यक्रम और न ही कभी किसी आयोजन में आए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार, तीन दोस्तों की मौत; चौथे की हालत गंभीर

मथुरा, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली-जयपुर हाईवे पर बरेली की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ब्रीजा कार आगे चल रहे मिट्टी लदे ट्रैक्टर में घुस गई। कार में सवार शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद के तीन दोस्तों की उपचार के दौरान आगरा में मौत हो गई, एक की हालत चिंताजनक बनी है। वे सभी वृंदावन दर्शन के लिए आ रहे थे।

जानकारी के अनुसार सौरभ वर्मा, निकुंज गुप्ता, राजन गुप्ता और राजा भारद्वाज ब्रीजा कार से मथुरा वृन्दावन दर्शन करने जा रहे थे। रात करीब एक बजे उनकी कार जयपुर-बरेली हाइवे मार्ग पर गांव केशवपुर के समीप मिट्टी से लदे ट्रैक्टर ट्राली में घुस गई। इस दौरान चारों दोस्त बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी बिचपुरी प्रभारी वीरेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए। घायलों को उपचार के लिए जिलाअस्पताल भिजवाया गया।

सांसद संजय सिंह बोले-एसआईआर के बहाने वोटों की डकैती चल रही

बरेली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि एसआईआर के बहाने करोड़ों वोटों की डकैती की तैयारी की जा रही है। मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कराई जा रही है। एक-एक विधानसभा क्षेत्र में हजारों नाम मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं। इसके विरोध में आम आदमी पार्टी 21 से 26 दिसंबर तक रामपुर से अमरोहा तक पदयात्रा निकालकर चार जनसभाएं करेगी।

आवास विकास कॉलोनी स्थित आम आदमी पार्टी के रुहेलखंड जोन की उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार के आवास पर संजय सिंह ने कहा कि लखनऊ और जौनपुर में मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई है। एसआईआर का इस्तेमाल मतदाताओं को भयभीत करने के लिए किया जा रहा है। सरकार की इस तानाशाही के खिलाफ आम आदमी पार्टी सड़क से संसद तक आवाज उठाएगी। जिन लोगों का नाम अनट्रेसेबल सूची में डाला गया है, उनके लिए मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना बहुत कठिन हो जाएगा। इस मामले को लेकर वह 11 दिसंबर को बड़ा खुलासा करेंगे। बुलडोजर कार्रवाई पर कहा कि एक समुदाय विशेष के खिलाफ जबरदस्ती की कार्रवाई की जा रही है। बुलडोजर न संविधान है और न सुप्रीम कोर्ट है। इस दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, रुहेलखंड प्रांत के अध्यक्ष मोहम्मद हैदर, जिलाध्यक्ष राम सिंह मौर्य, कृष्णा भारद्वाज, नितिन शर्मा, अशोक कमांडो, सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाद्य आयुक्त आईएएस अनामिका सिंह ने वीआरएस के लिए किया आवेदन

निजी कारणों का दिया हवाला

लखनऊ, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में आईएएस अनामिका सिंह ने निजी कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। वह वर्तमान में खाद्य आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। अनामिका सिंह 2004 बैच की अधिकारी हैं। उनकी सेवाएं 2038 तक के लिए बाकी हैं। कुछ समय पूर्व उन्होंने केंद्र में जाने के लिए भी राज्य सरकार से एनओसी मांगी थी। सितंबर के महीने में ही उन्हें बरेली मंडल का मंडलायुक्त नियुक्त किया गया था। वह फतेहपुर की रहने वाली हैं। इससे पहले वह बरेली में सीडीओ के पद पर भी रह चुकी थीं।

गर्लफ्रेंड ने लिव-इन पार्टनर को मार डाला

लखनऊ, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में एक इंजीनियर की हत्या कर दी गई। शुरुआती जांच में सामने आया कि हत्या गर्लफ्रेंड ने की है। दोनों लिव-इन में रहते थे। मर्डर करने के बाद करीब 10 घंटे तक गर्लफ्रेंड अपनी 2 बेटियों के साथ प्रेमी के कमरे में ही बैठी रही। उसके बाद खुद ही पुलिस को सूचना दी। महिला से पूछताछ में आया कि रविवार रात करीब 11 बजे किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद महिला ने अपनी दोनों बेटियों के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी। पुलिस ने महिला और उसकी दोनों बेटियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बीबीडी थाना क्षेत्र के ग्रीन सिटी, सालारगंज गांव का है।

सिपाही मीनाक्षी के काम से नाखुश थे थाना प्रभारी, कई बार हुई कहासुनी

फिर ऐसी बनी एकदम खास; खुला एक और राज

जालौन, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय महिला सिपाही मीनाक्षी की कार्यशैली से नाखुश थे। दोनों के बीच कई बार कहासुनी भी हुई थी। थाना प्रभारी ने मीनाक्षी को हटाने के लिए रिपोर्ट तक भेज दी थी। हालांकि बाद में मीनाक्षी थाना प्रभारी की खास बन गई थी।

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की मौत की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे हो रहे हैं। अब जांच में यह बात सामने आई है कि थाना प्रभारी अरुण कुमार महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा के कामकाज से नाखुश रहते थे। उन्होंने महिला सिपाही को हटाने के लिए रिपोर्ट भी भेजी थी। सूत्रों के मुताबिक, कोंच कोतवाली में तैनाती के दौरान थाना प्रभारी अरुण कुमार राय महिला कांस्टेबल मीनाक्षी शर्मा की कार्यशैली से नाराज रहते थे। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान कई बार राय ने उसकी कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया था। हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्होंने मीनाक्षी को हटवाने के लिए अधिकारियों को रिपोर्ट तक भेज दी थी।

यह बात मीनाक्षी को नागवार गुजरी थी। सूत्रों के अनुसार, इसी तनाव के बीच मीनाक्षी ने राय के निजी आवास पर अधिक समय बिताना शुरू किया और वह थाना प्रभारी की खास बन गई। पिछले लगभग एक सप्ताह से वह कुठौंद स्थित आवास पर ही रह रही थी, जबकि उसकी तैनाती कोंच में थी। मीनाक्षी लगभग 10 दिन से बिना अनुमति ड्यूटी से गैरहाजिर थी।

पीलीभीत में सिपाही पर दर्ज कराई थी रिपोर्ट

महिला कांस्टेबल मीनाक्षी शर्मा पहले भी विवादों में रही है। पीलीभीत में तैनाती के दौरान 24 अप्रैल 2022 की उसने कोतवाली में तहरीर देकर चुनाव सेल में तैनात कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए थे। एसपी ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच सीओ लाइन को सौंपी थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और विभागीय कार्रवाई के साथ निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू हुई।

एसआईटी गठित, तीन अधिकारियों की टीम करेगी गहन पड़ताल

कुठौंद थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की संदिग्ध मौत के मामले में अब पुलिस एसआईटी के जरिए गहराई से जांच करवाएगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि तीन सदस्यों वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। मामले की विवेचना पहले से ही जालौन क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र वाजपेई को सौंपी गई है, लेकिन किसी भी स्तर पर चूक न हो, इसलिए एसपी ने अब विशेष टीम को भी जांच में लगा दिया है।

'तेज प्रताप ने मेरे कपड़े फड़वाए और वीडियो बनवाया'

पूर्व सहयोगी सौरभ ने लगाए लालू के बेटे पर आरोप

वैशाली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। वैशाली में तेज प्रताप यादव के करीबी रहे सौरभ यादव ने उनपर और उनके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सौरभ यादव का कहना है कि तेज प्रताप ने उनका मोबाइल छीन लिया, उन्हें बेरहमी से पीटा, उनके कपड़े फाड़े और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें अपमानित किया।

सौरभ यादव के अनुसार, वह खान सर के भाई की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। वहीं तेज प्रताप यादव ने उनका मोबाइल अपने पास रख लिया। इसके बाद उन्हें 26 नंबर सरकारी आवास पर बुलाया गया, जहां 20–30 लोगों ने मिलकर उनकी पिटाई की। सौरभ का आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए गए और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उनका मोबाइल फोन रात 9 बजे से लेकर डेढ़ बजे तक तेज प्रताप के आवास में ही रखा गया। सौरभ ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वह 2015 से तेज प्रताप के साथ जुड़े हुए थे और चुनाव के दौरान उनके लिए लगातार प्रचार भी करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगले के अंदर मौजूद लोग मारपीट देखते रहे, लेकिन किसी ने उन्हें बचाने की कोशिश नहीं की। सौरभ ने पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 9 दिसंबर, 2025

युविचार

परिस्थिति बदलना जब मुमकिन ना हो तो मन की स्थिति बदल लीजिए, सब कुछ अपने आप ही बदल जाएगा!

तेलंगाना के लोगों के भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करता है विजन डॉक्यूमेंट : भट्टी

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि तेलंगाना विज़न डॉक्यूमेंट किसी गोपनीयता में तैयार नहीं किया गया, बल्कि यह एक लोकतांत्रिक और सहभागी प्रक्रिया का परिणाम है। इसमें विशिष्ट व्यक्तियों के सुझाव, विशेषज्ञों से परामर्श और नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। इसलिए यह केवल सरकार का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

रविवार को रंगारेड्डी ज़िले के भरत फ़्यूचर सिटी में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2047 तक नेट ज़ीरो में उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य रखती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं, आगे बढ़ते हुए दोनों को साथ-साथ आगे बढ़ाया जाएगा। तेलंगाना की पहचान पर बात करते हुए भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि हमारे बारे में कई बातें कही जाती हैं, लेकिन हमारी असली पहचान इस बात से तय होती है कि हम अपने मेहमानों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में महत्वाकांक्षा की कभी कमी नहीं रही। लेकिन कई वर्षों तक जिस चीज़ की कमी थी, वह था एक व्यापक विज़न- जो लोगों की शक्ति, उनकी आकांक्षाओं और उनकी क्षमता को एक दिशा में ले जा सके। उन्होंने कहा, आज हम वह व्यापक दस्तावेज़ प्रस्तुत कर रहे हैं। यह विज़न एक साल या एक चुनाव चक्र के लिए नहीं है। इसे 2047 तक के दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

हरीश राव का कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला

'दो साल में शासन ध्वस्त, भ्रष्टाचार चरम पर'

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार के दो साल के कार्यकाल पर सोमवार को तीखा हमला किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे एक निजी लिमिटेड सरकार चला रहे हैं, जिसमें शासन व्यवस्था ध्वस्त है, भ्रष्टाचार व्यापक है और चुनावी वादे पूरे नहीं किए गए। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस शासन ने जनता को सिर्फ बयानबाज़ी, फोटो सेशन और प्रचार तक सीमित रखा, जबकि विकास और कल्याणकारी योजनाएं ठप रही। उन्होंने मुख्यमंत्री को 'बिल्डअप बाबाई' करार दिया और आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी प्रचार तो करते हैं, लेकिन काम कम करते हैं।

पूर्व मंत्री ने बीआरएस शासन के पहले दो वर्षों की उपलब्धियों से तुलना करते हुए कहा कि उस दौरान 24 घंटे बिजली, मिशन भगीरथ, मिशन काकतीय, कल्याण लक्ष्मी, बढ़ी हुई पेंशन, कृषि आधुनिकीकरण और निवेश केंद्र के रूप में हैदराबाद का विकास हुआ। इसके विपरीत, कांग्रेस शासन ने केवल भ्रष्टाचार को फिर से सक्रिय किया। हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के रोज़ाना प्रजा दरबार और अन्य घोषणाएं केवल दिखावा हैं। उन्होंने मेट्रो रेल विस्तार रद्द करने और फार्मा सिटी बंद करने जैसे फैसलों को राज्य की प्रगति के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने राजस्व में कमी और निवेशकों के भरोसे को प्रभावित करने की बात भी कही।

सीएम रेवंत रेड्डी का एलान

ट्रंप के नाम पर हैदराबाद की सड़क का नाम रखने के प्रस्ताव पर भाजपा भड़की

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद की एक सड़क का नाम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। तेलंगाना के सीएम का यह फैसला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां पाने की कोशिश लग रहा है। हालांकि इसे लेकर सीएम रेवंत रेड्डी विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। तेलंगाना भाजपा ने सीएम के इस प्रस्ताव पर तंज कसा है और उनकी आलोचना की है।

हैदराबाद की सड़क का नाम होगा 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' :

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रस्ताव दिया है कि हैदराबाद में अमेरिका महावाणिज्य दूतावास जाने वाली सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा जाए। अगर ऐसा होता है तो ये दुनिया में पहली बार होगा, जब किसी देश में इस तरह से अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति का सम्मान हुआ हो। गौरतलब है कि हैदराबाद में ये परंपरा रही है कि शहर के विकास में योगदान देने वाले राजनेताओं और वैश्विक कंपनियों के नाम पर भी सड़कों के नाम रखे गए हैं, जैसे गूगल स्ट्रीट, जो हैदराबाद में गूगल की मजबूत मौजूदगी को दर्शाती है। इसी तरह वहां 'माइक्रोसॉफ्ट रोड' और 'विप्रो जंक्शन' हैं। तेलंगाना से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने तेलंगाना सीएम के इस प्रस्ताव पर तंज कसा है और हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर करने की मांग की। बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'हैदराबाद का नाम बदलकर वापस भाग्यनगर कर दो। अगर कांग्रेस सरकार नाम बदलने के लिए इतनी ही बेताब है, तो उन्हें कुछ ऐसा करना चाहिए जिसका सच में इतिहास और मतलब हो। हम कितने बुरे हालात में जी रहे हैं- एक तरफ केटी रामाराव, केसीआर की एआई मूर्तियां बनाने में व्यस्त है, जबकि वे अभी जिंदा हैं।

माली में अपहृत प्रवासी मजदूरों के लिए केंद्रीय मंत्री ने जताई चिंता

परिवारों ने मदद की गुहार लगाई, विदेश मंत्रालय से रिहाई प्रयास शुरू

करीमनगर, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माली में आतंकवादियों द्वारा अपहृत दो प्रवासी मजदूरों के परिवार के सदस्यों ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार से मदद मांगी। यदाद्रि-भुवनगिरी जिले के बंदसोमरम के नल्लमासु प्रवीण रेड्डी और आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के कुमारकुला रामचंद्र रोजगार की तलाश में माली गए थे और रूबी नामक कंपनी में काम कर रहे थे। 23 नवंबर को जेएनआईएम नामक आतंकवादी संगठन के सदस्यों ने दोनों का अपहरण कर लिया। एक पखवाड़े बाद भी उनका कोई अता-पता नहीं है और माली सरकार ने परिवारों को कोई जानकारी नहीं दी।

सोमवार को प्रवीण रेड्डी के पिता जगैया और रामचंद्र के सहयोगियों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और अपहृत मजदूरों को बचाने के लिए माली सरकार के साथ समन्वय की मदद मांगी। संजय कुमार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से बातचीत की और माली सरकार के माध्यम से मजदूरों की रिहाई सुनिश्चित करने के कदम उठाने की सलाह दी। उन्होंने परिवारों को आश्वासन दिया कि उनके परिजनों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे।

तेलंगाना में पीजी मेडिकल सीटों के स्थानीय आरक्षण पर विवाद

उच्च न्यायालय में स्थगन, अभ्यर्थी सरकार की निष्क्रियता से नाराज

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सैकड़ों स्थानीय स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सा अभ्यर्थी राज्य सरकार की निष्क्रियता से परेशान हैं और उन्होंने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 85 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उच्च न्यायालय ने 21 नवंबर को आदेश 200 और 201 के कार्यान्वयन पर अस्थायी रोक लगा दी थी। अभ्यर्थियों का कहना है कि राज्य सरकार अब तक उच्च न्यायालय में जवाबी हलफ़नामा दायर करने में विफल रही है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया और काउंसलिंग प्रभावित हो रही है और समय की बर्बादी हो रही है।

स्थानीय उम्मीदवारों ने पहले भी स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर इस मामले में पहल करने का अनुरोध किया था, लेकिन राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण उन्हें निराशा हुई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि समय अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें उम्मीद थी कि सरकार जल्दी कार्रवाई करेगी, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। इस मामले में न्यायालय की अगली सुनवाई में उच्च न्यायालय को सरकार की प्रतिक्रिया पर ध्यान देने की संभावना है।

चिकन का टुकड़ा बना मौत का कारण

भोजन के दौरान दम घुटने से व्यक्ति की मौत

राजन्ना सिरसिला, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लारेड्डीपेट मंडल के गोलापल्ली में रविवार को एक दर्दनाक घटना में 45 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई। परिवार के साथ दोपहर का भोजन करते समय चिकन का एक टुकड़ा गले में फंस जाने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक की पहचान केसीआर डबल बेडरूम कॉलोनी निवासी और ट्रॉली ऑटो चालक पति सुरेंद्र के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ खाना खा रहे थे, तभी करी का एक बड़ा चिकन पीस अचानक उनके गले में अटक गया। इससे उन्हें सांस लेने में बेहद परेशानी होने लगी। परिजनों ने तुरंत टुकड़ा निकालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। कुछ ही मिनटों में सुरेंद्र ने दम तोड़ दिया। इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। सुरेंद्र अपने पीछे पत्नी कविता और दो बेटियां रुचिता तथा शिरीषा को छोड़ गए हैं।

साइबराबाद ट्रैफिक मार्शल शिवकुमार बने जीवनरक्षक, बचाई जान

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीते दिसंबर को जेडीमेटला थाना क्षेत्र के सूराराम सिग्नल पर लू लगने से बेहोश हुए एक यात्री की जान बचाने में साइबराबाद ट्रैफिक मार्शल शिव कुमार की त्वरित कार्रवाई की साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती और संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. गजराव भूपाल ने प्रशंसा की। यह घटना दर्शाती है कि ट्रैफिक कर्मी सड़क पर होने वाली चिकित्सकीय आपात स्थितियों के दौरान कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ड्यूटी पर तैनात शिव कुमार ने तुरंत प्रतिक्रिया दी जब रहीम नामक एक यात्री अचानक गिर पड़ा। मार्शल ने बिना देर किए सीपीआर दिया और उसे स्थिर किया, फिर तुरंत पास के मल्लारेड्डी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने बाद में पुष्टि की कि समय पर दिया गया सीपीआर और तेज़ी से अस्पताल पहुंचाना रहीम की जान बचाने में निर्णायक साबित हुआ। किसी भी देरी की स्थिति में परिणाम गंभीर हो सकता था। मार्शल की इस तत्परता की पुलिस अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों और स्थानीय निवासियों ने सराहना की।

पिप्पड़पल्ली सरपंच उम्मीदवार की संदिग्ध मौत

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष के फार्महाउस पर मिला शव, जांच जारी

संगारेड्डी, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रायकोड मंडल के कांग्रेस मंडल अध्यक्ष के फार्महाउस पर सोमवार को पिप्पड़पल्ली सरपंच पद के उम्मीदवार वाल्की राजू संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, वाल्की राजू रविवार रात चुनाव प्रचार की रणनीति पर चर्चा करने के लिए गांव के पास पार्टी मंडल अध्यक्ष बालाजी नरसिम्हुलु से मिलने गए थे। लेकिन सोमवार सुबह उन्हें घर के पास एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया।

नरसिम्हुलु और राजू दोनों ही स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर शव को ज़हीराबाद के सरकारी अस्पताल पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और पुलिस अन्य विवरणों की भी पड़ताल कर रही है।

महिला की हत्या, लिव-इन पार्टनर ने किया हत्या का आरोप स्वीकार

चाय की दुकान पर लथपथ मिली महिला, पुलिस जांच में जुटी

निर्मल, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे में सोमवार तड़के एक तलाकशुदा महिला की हत्या का मामला सामने आया। मृतक को कथित तौर पर उसी व्यक्ति ने मार डाला, जिसके साथ वह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। आरोपी को शक था कि महिला किसी अन्य व्यक्ति के संपर्क में है।

पुलिस ने बताया कि कुमसारा गांव की 30 वर्षीय अश्विनी को भैंसा निवासी नागेश ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के समय महिला चाय की दुकान पर खून से लथपथ मिली। नागेश ने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार कर ली और दावा किया कि उसे अश्विनी की वफादारी पर शक था क्योंकि वह पिछले कुछ दिनों से फोन पर किसी अन्य व्यक्ति से बात कर रही थी।

जानकारी के अनुसार, अश्विनी कुछ साल पहले अपने पति से तलाक ले चुकी थी और पांच महीने पहले ही नागेश के साथ भैंसा कस्बे में चाय की दुकान शुरू की थी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और आवश्यक सुराग जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेपाली डकैती गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

गनरॉक एन्क्लेव में सेवानिवृत्त कैप्टन के घर लूट का मामला

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (उत्तर) टीम ने कारखाना पुलिस के सहयोग से गनरॉक एन्क्लेव में सेवानिवृत्त कैप्टन डीके गिरी के घर हुई हिंसक डकैती में शामिल नेपाली गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि आठ अन्य सदस्य अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने पीड़ित को बंधक बनाकर मारपीट की और उसके पास से 23 तोले सोने के आभूषण तथा 95,000 रुपये नकद लूट लिए। गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान राज बहादुर शाही (36), महेंद्र बहादुर शाही (39), गोरखे बहादुर कामी (40), अमित बिसुकर्मा (22) और सुभाष तमता (19) के रूप में हुई है। सभी नेपाली मूल के हैं और शहर में विभिन्न स्थानों पर चौकीदार या घरेलू नौकर के रूप में कार्यरत थे।

जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता ने एक एजेंसी के माध्यम से दो घरेलू नौकरों को 16 नवंबर को काम पर रखा था, जिन्हें गिरोह ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत तैनात किया था। टास्क फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमलावरों ने रात में पीड़ित को बांध दिया, मारपीट की और कीमती सामान लेकर भाग गए। चोरी की गई संपत्ति को आपस में बांट लिया गया। करीब 10 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई, जिसमें सोना, चांदी, एक रोलेक्स घड़ी, 43,050 रुपये नकद और पांच मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस आठ फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है, जिनमें घरेलू कामगार के रूप में काम करने वाली महिला भी शामिल है।

चारमीनार के पास सरदार महल जल्द खुलेगा जनता के लिए

आर्ट गैलरी, कैफे और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार के पूर्वी हिस्से में स्थित ऐतिहासिक सरदार महल को अगले साल अप्रैल तक जनता के लिए खोलने की योजना है। जीर्णोद्धार का काम अंतिम चरण में है और इसके पूरा होने के बाद यह महल पुराने शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो जाएगा।

सरदार महल के जीर्णोद्धार कार्य की देखरेख कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण (क्यूक्यूएसयूडीए) कर रहा है, जबकि कार्य एक निजी फर्म द्वारा किया जा रहा है। राज्य सरकार की योजना के तहत महल में राजस्थान के नीमराणा किला महल की तर्ज पर आर्ट गैलरी, कैफे और ऐतिहासिक आवास की सुविधा बनाई जा रही है। पूरी परियोजना की लागत लगभग 30 करोड़ रुपये है।

कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता बी. गोपाल ने बताया, कार्य तेज़ी से चल रहा है। अगले साल अप्रैल तक इसे जनता के लिए खोलने की उम्मीद है।

इसके बाद इमारत का पुनः उपयोग किया जाएगा। इतिहासकारों के अनुसार, सरदार महल का निर्माण यूरोपीय शैली में निज़ाम VI मीर महबूब अली खान ने 1900 में अपनी प्रिय पत्नी सरदार बेगम के लिए करवाया था। हालांकि, महबूब अली खान ने इसमें रहने से इनकार कर दिया। इसका नाम सरदार बेगम के नाम पर रखा गया।

इस इमारत को हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी और भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास (इनटैक) द्वारा विरासत भवन घोषित किया गया था। 1965 में बकाया संपत्ति कर के कारण ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने इसे अपने अधीन कर लिया था।

तेज रफ्तार का कहर: बीटेक छात्रा की मौत

बाइक फिसलने से हादसा, दोस्त गंभीर

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार के चलते बुलेट बाइक फिसल गई, जिससे एक 18 वर्षीय बीटेक छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। जानकारी के अनुसार, दासरी भास्कर की बेटी हसिनी, जो घाटकेसर स्थित श्रीनिधि कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा थी, कॉलेज के हॉस्टल में रह रही थी। रविवार को वह अपने दोस्त अक्षय के साथ उप्पल से नारापल्ली की ओर बुलेट बाइक से जा रही थी। रास्ते में तेज गति के कारण बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसा इतना भीषण था कि गंभीर चोट लगने से हसिनी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अक्षय भी गंभीर रूप से घायल हुआ, लेकिन उसकी जान बच गई। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना पाकर पहुंची मेडिपल्ली पुलिस ने मौका मुआयना किया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार हादसे की मुख्य वजह सामने आई है।

रियल एस्टेट एजेंट की हत्या से सनसनी

साकेत कॉलोनी में अज्ञात हमलावरों का हमला

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के साकेत कॉलोनी में सोमवार को एक रियल एस्टेट एजेंट की बेरहमी से हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे वित्तीय विवाद से जुड़ी पुरानी रंजिश मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने पहले पीड़ित पर गोलियां चलाईं और फिर धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान साकेत कॉलोनी निवासी रियल एस्टेट व्यवसायी रत्नम के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जवाहरनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हत्यारों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार लॉरी ने ली दो की जान

सुरराम में बाइक को टक्कर, दोनों सवारों की मौके पर मौत

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुरराम में सोमवार सुबह ज्योति मिल्क इंडस्ट्री के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही लॉरी ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सवार मौके पर ही दम तोड़ गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना उस वक्त हुई जब तेज गति से आ रही एक लॉरी चालक ने नियंत्रण खो दिया और सामने चल रही मोटरसाइकिल को रौंद दिया। मृतकों की पहचान वेंकट राम नगर निवासी ज्योति (32) और बाइक टैक्सी चालक सुरेंद्र रेड्डी (45) के रूप में की गई है। ज्योति स्थानीय यात्रा के लिए बाइक किराए पर लेकर जा रही थीं।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ज्योति और सुरेंद्र दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग जुट गए, जिससे सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही सुराराम पुलिस मौके पर पहुँची, दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया और संबंधित ट्रक को जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ट्रक चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था और दुर्घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No 14646939H, Hav, Palash Ghosh, R/o, Dist: Birbhum,West Bengal, changed my Mother's name from Dayamaye Ghosh to Dayamayee Ghosh vide Affidavit No 282788 dt.06.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.17003782L, NK, Rongali Gopi, R/o, Dist: Vizianagaram, A P, changed my Mother's name from Rongali Butchamma to Rongali Buchhamma vide Affidavit No 282790 dt.06.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

I, No. 17009921A, NK, Ghanawat Amol Dnyaneshwar, R/o, Dist: Satara, Maharashtra, changed my Mother's name from Ghanawat Sonabai Dnyaneshwar to Sonabai Dnyaneshwar Ghanwat vide Affidavit No.282783 dt.06.12.2025 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.17009921A, NK, Ghanawat Amol Dnyaneshwar, R/o, Dist: Satara, Maharashtra, changed my Father's name from Ghanawat Dnyaneshwar to Dnyaneshwar Jayappa Ghanawat vide Affidavit No 282782 dt 06.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Gurvinder Kaur, Mother of No. 17009454N, Hav, Amritpal Singh,R/o, Dist: Bathinda, Punjab, changed my name from Gurvinder Kaur to Gurwinder Kaur vide Affidavit No.282702 dt 05.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 772343Y, Sub, Kushal Pal Singh, R/o, Dist: Aligarh, Uttar Pradesh, changed my Son's name from Prince to Prince Chaudhary vide Affidavit No.282712 dt. 05.12.2025, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Valsa A, Mother of No. 14688025A, NK. Tibin R V, R/o, Dist : Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from Valsa A to G Valsala vide Affidavit No 282699 dt. 05.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

I , Rajendran R, Father of No. 14688025A, NK, Tibin R V, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from Rajendran R to Rajendran K vide Affidavit No 282697 dt 05.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 दिसंबर - 2025

इंडिगो संकट से क्रियान्वयन नीति पर भी सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

सरकार को नियम बनाने और उनको लागू करने के लिए व्यवहारिक अड़चन का भी ध्यान रखना चाहिए और नियमों को आमजन की समस्या को ध्यान रखते हुए लागू करना चाहिए पिछले पांच दिनों से देश के तमाम एयरपोर्ट पर जो दृश्य दिखाई दे रहा है,वह भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए एक बड़े संकट का संकेत है वहीं सरकारी स्तर पर बेहद अपरिपक्वता भरे फैसले का नतीजा है। देश की सबसे भरोसेमंद और सफल एयरलाइन मानी जाने वाली इंडिगो अचानक अपने इतिहास के सबसे खराब दौर से गुजर रही है। 2000 से अधिक उड़ानें रद्द होना, कोई साधारण प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं, बल्कि एक ऐसी जटिल स्थिति है, जिसने भारत के एविएशन मॉडल की कमियों को उजागर कर दिया है। अगर देखा जाए तो ऑपरेशनल ब्रेकडाउन ने भारत की उड़ान व्यवस्था की विश्वसनीयता, नियामकीय क्षमता और यात्री हितों के प्रति प्रतिबद्धता तीनों को कठोर प्रश्नों के घेरे में ला दिया है। यह संकट सिर्फ एक एयरलाइन की गलती नहीं, बल्कि उस पूरे ढांचे की कमजोरी है जो वर्षों से बढ़ती मांग, सीमित संसाधन और अपर्याप्त नियमन के बीच लड़खड़ा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इंडिगो के संकट ने आम यात्रियों की जिंदगी में अकल्पनीय अराजकता ला दी। पांच दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को जो जिन दिक्कतों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, उसकी सिर्फ कल्पना ही जा सकती है। हजारों यात्री फंसे हुए हैं और एयरपोर्ट किसी रेलवे स्टेशन जैसी भीड़ से भर गए हैं। लोग फर्श पर सोने को मजबूर हैं, खाने-पीने की व्यवस्था नहीं, न होटल, न ईमानदार जानकारी, सब कुछ अव्यवस्थित, थका देने वाला और निराशाजनक सवाल उठता है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में हमारा एयर ट्रैवल सिस्टम इतनी आसानी से कैसे डह सकता है? सवाल यह भी है कि क्या सरकार की नीतियों, रेगुलेशन और पायलट रोस्टर नियमों ने मिलकर यह संकट पैदा किया है? सवाल यह है कि आखिर वह एयरलाइन, जिसने भारत के यात्रियों को समय पर उड़ान की आदत डलवाई, वह खुद समय और संचालन दोनों को क्यों मैनेज नहीं कर पा रही ? कंपनी कभी मौसम को जिम्मेदार ठहराती, कभी एयरपोर्ट की भीड़ को, लेकिन वास्तविक चुनौती कहीं गहरे बैठी थी कि कर्मचारी प्रबंधन की कमजोरी और लंबे समय से बढ़ते परिचालन दबाव का ढेर। यह दबाव तव विस्फोटक बन गया जब सरकार के नए एफडीटीएल नियम लागू हुए। यह स्थिति किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं, बल्कि एक प्रशासनिक और प्रबंधकीय विफलता का परिणाम थी। किसी भी संकट में सबसे पहले शोषण के रास्ते खुलते हैं। इंडिगो की उड़ानें बंद होने के साथ ही अन्य एयरलाइनों ने कुछ रूटों पर टिकट कीमतें सामान्य से 10 गुना तक बढ़ा दीं। टिकटों की दामों में बढ़ोत्तरी ने यात्रियों को परेशानियों को और बढ़ा दिया है। दिल्ली-बेंगलुरु की सबसे सस्ती टिकट 40,000 रुपये से ऊपर दिखाई दी, जबकि कई फ्लाइट्स 80,000 रुपये तक पहुंच गईं। यह व्यवहार पूरी तरह गैर-नैतिक था। संकट की घड़ी में लाभ कमाने की यह प्रवृत्ति दिखाती है कि भारतीय विमानन क्षेत्र में मूल्य नियंत्रण की ठोस व्यवस्था अब तक क्यों आवश्यक है। हालांकि सरकार ने बाद में फेयर-कैप लागू कर कीमतें नित्रित कीं, लेकिन यह कार्रवाई शुरुआत से ही की जानी चाहिए थी। देर से जारी नियंत्रण आदेश ने कई यात्रियों को आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित किया। हालांकि बाद में इस मामले में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दो बड़े आदेश जारी किए किए है। किराया सीमा लागू की गयी है। इसके अलावा प्रभावित यात्रियों से किसी भी प्रकार का री-शेड्यूलिंग शुल्क न लेने का आदेश दिया गया। ये निर्देश बेहद जरूरी थे, पर सवाल यह है कि ऐसी आपात स्थिति में सरकार ने तुरंत हस्तक्षेप क्यों नहीं किया? संकट कई दिनों से बढ़ रहा था, लेकिन मंत्रालय और डीजीसीए की चुप्पी ने हालात को भयावह बनने दिया। किसी भी राष्ट्र में जब यात्रियों का इतना बड़ा संकट उत्पन हो, तो सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अस्थायी उड़ानें, वैकल्पिक व्यवस्था और मूल्य नियंत्रण तुरंत सुनिश्चित करे। साथ ही समझना होगा कि कि किसी एक कंपनी पर इतनी अधिक निर्भरता स्वयं में एक व्यवस्थागत खतरा है। वास्तव में भारत का विमानन बाजार पिछले एक दशक में धीरे-धीरे दो बड़ी कंपनियों के बीच सिमटता चला गया है। इंडिगो और एयर इंडिया जब किसी एक कंपनी का बाजार पर इतना बड़ा नियंत्रण हो, तो किसी भी तकनीकी गड़बड़ी, स्टाफ संकट या प्रबंधन विफलता का असर पूरे देश की उड़ान व्यवस्था पर पड़ता है। यह स्थिति उस 'सिंगल पॉइंट ऑफ फेल्योर को दर्शाती है, जिससे खतरा लंबे समय से विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है। एविएशन सेफ्टी फर्म मार्टिन कंसल्टिंग के सीईओ मार्क डी मार्टिन के शब्द बेहद मार्मिक हैं कि जिस तरह एडीजीसी ने अपने ही नियमों पर कदम पीछे खींचे, उससे दुनिया को यह संदेश गया है कि भारत की एविएशन रेगुलेशन प्रणाली कमजोर है। जब एक नियामक संस्था किसी एयरलाइन कंपनी के सामने निष्क्रिय दिखती है, तो यह संकेत देता है कि नियमन सिर्फ कागजों में रह गया है। एक मजबूत विमानन देश की पहचान केवल आधुनिक विमानों से नहीं, बल्कि सशक और निष्पक्ष नियामक तंत्र से होती है। 2006 में दिल्ली-मुंबई की उड़ान से शुरू हुई इंडिगो की सफलता कहानी आज भारत के सबसे बड़े विमानन संकटों में से एक के रूप में दर्ज हो रही है। संकट के दौरान मूल्य शोषण रोकने के लिए ऑटोमेटिक फेयर कंट्रोल सिस्टम लागू होना चाहिए। इंडिगो संकट ने भारतीय विमानन क्षेत्र की गहराई तक बैठे संरचनात्मक दोषों को उजागर कर दिया है। यह समय है कि सरकार, एयरलाइंस और नियामक संस्थाएं मिलकर एक ऐसे उड्डयन ढांचे का निर्माण करें जिसमें पारदर्शिता हो, जवाबदेही हो यात्री अधिकार सुरक्षित हों और कोई भी कंपनी इतनी बड़ी न हो जाए कि उसकी गलती से देश का पूरा आकाश ठहर जाए भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती विमानन अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। लेकिन विकास केवल तब सार्थक होगा जब वह यात्री कल्याण, मजबूत नियमन और सुव्यवस्थित प्रबंधन के साथ आगे बढ़े। यह संकट एक चेतावनी है कि और यदि इससे सही सीख ली जाए, तो भारतीय विमानन का भविष्य और अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और विश्वसनीय बन सकता है। इंडिगो का यह संकट केवल एक एयरलाइन की कहानी नहीं है। यह भारत के विमानन बुनियादी ढांचे, नौतियों, और प्रबंधन की गहरी खामियों का आईना है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बन रहा है। लेकिन अगर नींव कमजोर होगी, तो इस विकास की गति किसी भी दिन रुक सकती है, ठीक वैसे ही जैसे आज इंडिगो के रनवे पर रुक गई है। यात्रियों का भरोसा ही किसी एयरलाइन की सबसे बड़ी पूंजी है। इंडिगो को यह समझना होगा कि लाखों लोग उससे सिर्फ टिकट नहीं खरीदते, बल्कि वे अपना समय, अपनी योजनाएं और अपनी उम्मीदें भीउस पर भरोसे से छोड़ते हैं।

मौतों का जिम्मेदार कौन ?

शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात में उत्तरी गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत सिर्फ लापरवाही का ही नतीजा है। संकरे रास्ते, नियमों की अनदेखी और अवैध निर्माण के कारण यह हादसा हुआ। जाहिर है ऐसी घटनाएं होने से जहां जनहानि होती है वहीं पर्यटन को भी बहुत नुकसान पहुंचता है। हादसे के बाद जिस तरह की तत्परता दिखाई जा रही है, समय रहते अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में की गचई होती, तो शायद इस तरह के हादसे से बचा जा सकता था। जानकारों के अनुसार गोवा की नाइट क्लब में शनिवार आधी रात को जब आग लगी, तब तक यह पूरी तरह भरा हुआ था। वीकेंड मनाने आए लोग अचानक ही लपटों और धुएं के बीच फंस गए और ऐसी अफरातफरी मची कि कई लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं सुझाई दिया। अब लापरवाहियों के लिए गांव के सरपंच को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही होटल मैनेजर को भी कटघरे में खडा किया गया है। क्लब का मालिक अभी तक पकड से दूर बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा था कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा करना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होने चाहिए थे, लेकिन इस क्लब में इसकी कोई व्यवस्था नहीं थी। इससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला और लोग लपटों की भेंट चढ़ गए। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था। कई तरह की अनियमितताएं व नियमों का उल्लंघन सामने आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों को लेकर यह लापरवाही आम है, खासकर फायर सेफ्टी को लेकर कुछ भी इंतजाम नहीं था। बता दें कि इसी साल मई में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय बिल्डिंग में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हताहतों की संख्या ज्यादा होने के पीछे यही वजह निकली - संकरे रास्ते, वेंटिलेशन की कमी। उक्त घटना से सबक लेने की कोई भी जहमत नहीं उठा रहा है। यही वजह है कि आए दिन कहीं न कहीं ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। सवाल है कि जांच के लिए क्या किसी हादसे का इंतजार किया जाना जरूरी है? मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16% से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23% ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पर बदनुमा दाग है। गोवा में पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता गोवा को बदनाम कर रही है। राज्य सरकार को ऐसे उपाय करने चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

डोनाल्ड ट्रम्प की कूटनीतिक पराजय

डॉ. आलोक कुमार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण घटना के रूप में उभरी है जिसने वैश्विक स्तर पर नए डिबेट को जन्म दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह यात्रा निरंतर चर्चा का विषय बनी रही। हालांकि महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस यात्रा को अमेरिका किस दृष्टि से देख रहा है, विशेष रूप से उस संदर्भ में जब ट्रंप प्रशासन ने भारत पर कई प्रकार टैरिफ लगाये जिसकी वजह से भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव देखने को मिल रहा है । अमेरिका भारत पर विभिन्न प्रकार के रणनीतिक और आर्थिक दबाव डाल रहा है, विशेष रूप से रूस से तेल आयात में कमी के लिए। ऐसी स्थिति में पुतिन की यात्रा को यह संकेत माना जा रहा है कि भारत बाहरी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अमेरिका अगला कदम किस दिशा में उठाता हैः क्या वह चीन की भांति भारत पर अधिक दबाव बनाने का प्रयास करेगा, या नए तरीकों से भारत के साथ संबंधों को पुनर्संरचित करेगा चूँकि भारत और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर का व्यापार है जिसे बढ़ावा देने में ही दोनों देशो का हित है।

यदि हम भारत और अमेरिका के संबंधो का मूल्यांकन करें तो हमें यह पता चलता है कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही भारत-अमेरिका संबंधों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। सन 1947 से लेकर 1962 के भारत-चीन युद्ध तक भारत-अमेरिका के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई किंतु चीन युद्ध के दौरान अमेरिका ने भारत की कुछ स्तर पर सहायता की जिससे द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन आए लेकिन इस सकारात्मक परिवर्तन में उस समय विराम लग गया जब सन 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ। इस युद्ध में अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया । इस परिस्थिति को समझते हुए भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की जिसके फलस्वरूप सोवियत संघ ने भारत को हर प्रकार की सहायता प्रदान की । इस दौरान भारत-अमेरिका संबंध सबसे निचले पायदान पर पहुच गए थे। प्रधानमत्री इंदिरा गांधी के इस कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंध के संबंधो में खास बदलाव नहीं आया लेकिन सन 1977 में जब पहली बार भारत में जब गैर-कांग्रेसी सरकार बनी और मोरारजी देसाई भारत के प्रधानमंत्री बने तो भारत और अमेरिका के संबंधों में सुधार के प्रयास शुरू हुए।

सन 1991 में भारत ने आर्थिक उदारीकरण को अपनाया जिसके फलस्वरूप भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक, तकनीकी और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा। अमेरिका ने रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करने तथा भारत में रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए भी सहमति व्यक्त की। इसी अवधि में ही सोवियत संघ का विघटन हुआ। यह एक ऐसा दौर था जब रूस आन्तरिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा था किंतु भारत-रूस संबंधों में विशेष परिवर्तन नहीं आया और दोनों देशों ने परंपरागत सहयोग बनाए रखा। 2001 के बाद भारत-अमेरिका संबंध और अधिक सुदृढ़ हुए।

इस दौरान तकनीक, रक्षा, परमाणु ऊर्जा तथा व्यापार जैसे क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए किंतु अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद भारत-अमेरिका संबंध में पुनः अस्थिरता देखने को मिल रही है। अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए नए व्यापारिक करों से भारत को आर्थिक हानि हुई है जिसके कारण भारत विश्व के विभिन्न क्षेत्रों जैसे दक्षिण एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और मध्य एशिया के देशों के साथ नए अवसरों की खोज कर रहा है।

पिछले 25 वर्षों में भारत और अमेरिका ने अपने संबंधों को मजबूत करने में व्यापक निवेश किया है। लोकतांत्रिक मूल्यों की समानता के कारण भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ निकटता बढ़ाने का प्रयास किया किंतु राष्ट्रीय हितों के स्तर पर उत्पन्न मतभेदों ने इस वैचारिक निकटता को सीमित कर दिया।

रूस के राष्ट्रपति की यात्रा का परिणाम संतोषजनक

अशोक भाटिया

ये अच्छा है कि भारत ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान उनकी प्रशंसा में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन उनका व्यवहार संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ देशों के संबंधों को मजबूत करेगा; यह पुतिन की यात्रा से स्पष्ट था। वास्तव में, ट्रम्प की पहली अध्यक्षता के दौरान, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध एक मधुर हनीमून था, और पहली बार, हम रूस से दूरी बना रहे थे, जो आंशिक रूप से उचित था क्योंकि पुतिन का रूस सोवियत रूस नहीं था, सैन्य उत्पादों का स्तर बिगड़ रहा था और यह कोई विशिष्ट औद्योगिक प्रगति करने में सक्षम नहीं था। देश की महानता ट्रंप जैसे बौने को लेने लगी और उन्होंने दुनिया भर के कई लोगों को अमेरिका के खिलाफ खड़े होने का मौका दिया। हमने यही किया। क्योंकि आपके पास कोई विकल्प नहीं था। आपने ऐसे समय में रूस को बनाए रखने की समझदारी दिखाई है जब चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को बाधित किया था, इसलिए इस यात्रा का स्वागत करें।

यूक्रेन पर युद्ध थोपने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा है, कुछ ही महीनों में चार साल हो जाएंगे, अमेरिका सहित हर कोई युद्ध को रोकने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पुतिन ने इसे जाने नहीं दिया, इसलिए उन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए, इसका हमें सस्ते तेल के रूप में लाभ हुआ, लेकिन अमेरिका द्वारा हम पर 50 प्रतिशत प्रतिबंध लगाने के बाद, हमें इसे छोड़ना होगा। यह स्पष्ट हो गया कि हमारी कंपनियों को रूसी तेल की अपनी खरीद कम करनी पड़ी, और संयुक्त राज्य अमेरिका एक ही तरफ था, और एक तरफ, रूस भी संकट में था क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हमारा अनुबंध टूट रहा था।लेकिन एक अदृश्य कोण हैः चीन। क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन पर आंखें मूंद लीं और यूरोप यूक्रेन के पीछे खड़ा हो गया, पुतिन ने एक अलग गठबंधन बनाया हैः चीन, और पिछले कुछ महीनों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पुतिन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध, जो भारत, रूस और चीन के लिए आम पीड़ादायक बिंदु है। यह हमारे लिए दोहरी मार होगी यदि पुतिन तनाव को कम करने के लिए चीन और शी जिनपिंग के करीब आते रहें। यानी हमने जो कुछ भी किया है, उसके बावजूद ट्रंप हमसे भीख मांगने को तैयार नहीं हैं, शी जिनपिंग और चीन पर भरोसा करने का कोई मतलब नहीं है और ऐसे में अगर पुतिन भी हमसे दूरी बना लेते हैं तो हर कोई कहेगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय कहेगा कि इससे बचना और रूस-चीन संबंधों को और सौहार्दपूर्ण होने से रोकना जरूरी था। इसे समझा नहीं जा सकता। इसलिए हम एक बार फिर कह सकते हैं कि नेहरू का 'गाद हमारा रूस है...' मैं इस रास्ते पर आ गया।

अपनी यात्रा के दौरान, पुतिन ने नेहरू के लिए मार्ग प्रशस्त करने के अपने प्रयासों के हिस्से के रूप में 2030 तक व्यापार को कई गुना बढ़ाने का संकल्प लिया। यह समझना जरूरी है कि आप जो विशेष वायु रक्षा प्रणाली 'एस-400' चाहते हैं, उसके बारे में क्या निर्णय लिया गया है। कुख्यात पहलगाम आतंकी हमले के बाद एस-400 सिस्टम ने भारत-पाक मुठभेड़ में निर्णायक भूमिका निभाई थी। इसलिए हमें इस प्रणाली को बड़े पैमाने पर चाहिए। राफेल के अलावा हम रूसी Su-57 फाइटर जेट भी खरीदना चाहते हैं। पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने उनकी यात्रा से पहले भारत के खरीद प्रयासों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच चर्चा में ये विषय सामने आएंगे और उसके बाद क्या हुआ, इसका विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। वे सभी जानते हैं कि जब हम सैन्य उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें फिलहाल कई अन्य चीजों पर निर्भर रहना होगा।पाकिस्तान के साथ युद्ध में फ्रांस के 'राफेल' के साथ क्या हुआ, इसकी खबर हमारे लिए और रूस की 'एस-400' प्रणाली निर्णायक है। इस वास्तविकता के कारण, हमें रूस से हथियार खरीदने होंगे, भले ही गुणवत्ता गौण हो। एक समय में, रूसी उत्पाद हमारी सैन्य उत्पादन आवश्यकताओं के लगभग तीन-चौथाई हिस्से को पूरा करते थे। इस बीच, अनुपात घटकर एक तिहाई हो गया। क्योंकि हमने फ्रांस, अमेरिका और इजरायल से बहुत कुछ खरीदा है, लेकिन बदलती दुनिया की स्थिति में ऐसा लगता है कि हमें रूस वापस जाना होगा, जो हमारी जरूरत है, लेकिन रूस की जरूरतों को पूरा करते रहने की हमारी जरूरत और भी ज्यादा हो गई है।

और दूसरी बात, अगर अमेरिका खुद पुतिन के साथ व्यापार पर बातचीत कर रहा है, तो हमें अमेरिका के डर से अपने व्यापारिक हितों में कटौती करने की कोई जरूरत नहीं है। कल आपको व्यापार समझौते के मुद्दे पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भिड़ना होगा। वहीं, रूस यूक्रेन के साथ सीजफायर के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोप के साथ भी लड़ना चाहता है। इसलिए जबकि अन्य देश और देश ऐसा होने तक अपने व्यापारिक संबंधों को बनाए रख रहे हैं, हमारे लिए इसे नजरअंदाज करना बहुत गलत है। हमने ऐसा नहीं किया।

मार्गदर्शक सिद्धांत कि दुश्मन का दुश्मन हमारा दोस्त है, एक बार बताया गया था, खासकर विदेशी संबंधों में। वर्तमान स्थिति में, सभी संबंध मूल रूप से केवल लेन-देन के हैं, जबकि दोस्तों और दुश्मनों की चर्चा व्यर्थ है। पुतिन की भारत यात्रा उसी व्यावहारिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण थी। और आवश्यक। इस यात्रा के दौरान इन सभी आवश्यकताओं को पूरा किया गया। उनकी यात्रा के अवसर पर, रूस के आरटी समाचार चैनल ने अपनी सेवा फिर से शुरू की। इसलिए, हमारे 'प्रोपेगैंडा' चैनलों और प्रोपेगेंडा पत्रकारों के व्यवसाय में एक और जोड़ना। यह यात्रा पुतिन की जरूरतों को भी पूरा करती है। इस यात्रा का परिणाम संतोषजनक है क्योंकि यह सभी की जरूरतों को पूरा करता है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाना सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, जरूरत है

आरके जैन

हर बार जब कोई सरकारी दफ्तर में खड़ा होता है और समझ जाता है कि बिना रिश्वत के काम नहीं होगा, या अस्पताल में बिस्तर पाने के लिए पैसे फेंकने पड़ेंगे, तब साफ़ महसूस होता है कि भ्रष्टाचार सिर्फ भ्रष्ट लोगों की आदत नहीं, बल्कि समाज की नसों में जमा एक जहरीला विष है। यह विष हमारे सपनों, मेहनत और सभ्यता को जकड़ता है। यही वजह है कि हर साल 9 दिसंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस सिर्फ तारीख नहीं, बल्कि चेतावनी, आंदोलन और प्रतिज्ञा का प्रतीक है—“अब और नहीं।” यह दिन याद दिलाता है कि भ्रष्टाचार केवल कुछ नेताओं या अधिकारियों की समस्या नहीं, यह हमारी रोजमर्रा की संस्कृति में भी अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। भ्रष्टाचार हर स्तर पर समाज की रीढ़ में चुभ रहा है। स्कूलों में दाखिले की फीस हो या अस्पताल के बिस्तर, सड़क निर्माण हो या सरकारी योजनाएँ- हर जगह भ्रष्टाचार ने पकड़ बनाई है। यह केवल गरीब और वंचित का अधिकार छीनने वाला नहीं, बल्कि लोकतंत्र और न्याय की नींव को भी कमजोर करता है। जब जनता का पैसा गबन होता है, तो स्कूल अधूरे रहते हैं, अस्पताल सुविधाहीन रहते हैं, सड़कें टूटी रहती हैं, और सामाजिक ढांचा ढहने लगता है। यही वजह है कि यह दिन सिर्फ औपचारिक अवसर नहीं; यह हमारी चेतना और जिम्मेदारी का बुलंद आह्वान है—अब चुप नहीं रहा जा सकता। विश्व बैंक, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बार-बार चेतावनी देती हैं कि भ्रष्टाचार केवल आर्थिक नुकसान नहीं करता, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता, सामाजिक असमानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी हानि भी करता है। यह एक वैश्विक महामारी है, जो सीमाओं को नहीं पहचानती और हर समाज की नींव को कमजोर करती है। भारत में लंबी नौकरी की प्रक्रियाएं, रिश्वतखोरी, सरकारी लाइसेंस की जटिलताएँ और व्यक्तिगत संपर्कों में रिश्वत की अपेक्षा ने इस विष को और घातक और जटिल बना दिया है।

लेकिन यह केवल निराशा और हताशा की कहानी नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस हमें सशक्त बनने, आवाज़ उठाने और बदलाव की शुरुआत करने का अवसर देता है। यह दिन याद दिलाता है कि वास्तविक परिवर्तन केवल नियमों या संस्थाओं से नहीं आता, बल्कि जागरूकता, सक्रिय भागीदारी और साहस से संभव होता है। डिजिटल शिकायत पोर्टल, एंटी-करप्शन हेल्पलाइन और ट्रांसपेरेंसी निगरानी तंत्र नागरिकों को सशक्त बनाते हैं। हर नागरिक, चाहे वह छोटा व्यापारी हो या नौकरीपेशा, जब भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज करता है, तो वह समाज में बदलाव की नींव रखता है और भ्रष्टाचार की जंजीरों को तोड़ने में योगदान देता है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में शिक्षा सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली ताक़त है। युवा पीढ़ी को पारदर्शिता, नैतिकता और ईमानदारी का महत्व समझाना, उन्हें यह सिखाना कि रिश्वत, धोखाधड़ी और अनियमितता समाज और भविष्य दोनों के लिए घातक हैं, यह दीर्घकालिक निवेश है। स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित भ्रष्टाचार विरोधी कार्यक्रम, कार्यशालाएं और चर्चाएं युवा दिमागों में बदलाव की चिंगारी भरती हैं। यही चिंगारी भविष्य के नेताओं, अधिकारियों और नागरिकों में ईमानदारी, जिम्मेदारी और न्याय की नींव मजबूत करती है। कानून और संस्थाएं भी भ्रष्टाचार के खिलाफ अत्यंत आवश्यक हथियार हैं। भारत में लोकपाल, लोकायुक्त, पब्लिक ऑडिट सिस्टम और एंटी-करप्शन ब्यूरो ने ठोस कदम उठाए हैं, लेकिन केवल नियम और कानून पर्याप्त नहीं हैं; उनका प्रभाव तभी सुनिश्चित होगा जब समाज की मानसिकता बदल जाए।

रिश्वत और अनियमितता केवल कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की आदत नहीं, बल्कि समाज में गहरी पैठ बना चुकी मानसिकता है। यही कारण है कि जागरूकता, शिक्षा और सक्रिय नागरिक भागीदारी के बिना कोई भी कानून पूरी तरह प्रभावी नहीं हो सकता।

भ्रष्टाचार अब सिर्फ स्थानीय या व्यक्तिगत समस्या नहीं रह गया है; यह वैश्विक स्तर पर निवेश, विकास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक विश्वास को कमजोर करता है। इसका सबसे बड़ा शिकार गरीब और मध्यम वर्ग हैं, जिनकी मेहनत और अवसर इसकी जंजीरों में फंस जाते हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने इसे सतत विकास लक्ष्यों के खिलाफ सबसे बड़ी चुनौती के रूप में मान्यता दी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल दोषियों की निंदा करने तक सीमित नहीं है; यह हर नागरिक को सशक्त बनाने, आवाज़ उठाने और कार्रवाई के लिए प्रेरित करने का दिन है। अब विकल्प हमारे हाथ में है—या तो हम चुप बैठकर भ्रष्टाचार को बढ़ते देखेंगे, या हम सक्रिय होकर आवाज उठाएंगे, शिकायत दर्ज करेंगे और पारदर्शिता को अपनाएंगे। यह दिन हमें चुनौती देता है कि हम हर रिश्वत, हर अनियमितता और हर भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूती से खड़े हों।

ताइवान को दूसरा यूक्रेन बनाने की अमेरिकी तैयारी

संजीव ठाकुर

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है, और इसी शक्ति संघर्ष के केंद्र में ताइवान खड़ा है, जिसे अमेरिका और चीन के बीच तनाव की धुरी माना जाने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने विश्व को यह दिखा दिया है कि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक खेल में छोटे देश किस तरह तबाह हो जाते हैं, और अब यही खतरा ताइवान के सिर पर मंडरा रहा है। अमेरिका द्वारा ताइवान को लगातार सैन्य, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है, ठीक उसी तरह जैसे यूक्रेन को रूस के विरुद्ध भड़काया गया था। इतिहास गवाह है कि अमेरिका जिस देश का समर्थन करता है, वह अंततः संकट की कगार पर पहुंच जाता है andअफगानिस्तान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहाँ तालिबानी आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के समय अमेरिका ने रातों-रात सेना वापस बुलाकर अफगानिस्तान को अराजकता और खूनी सत्ता-परिवर्तन के हवाले कर दिया। यूक्रेन को रूस के विरुद्ध खड़ा करने का परिणाम दुनिया देख चुकी है—अरबों का नुकसान, लाखों निर्दोष लोगों की मौतें, शहरों का मलबा, और युद्ध का अंत आज तक नहीं। अमेरिका और नाटो के राष्ट्र बाहर बैठकर तमाशबीन बने रहे, हथियार बेचे, राजनीति चमकाई, पर जमीन पर कोई निर्णायक समर्थन नहीं दिया। अब ताइवान पर यही खेल दोहराया जा रहा है। अमेरिका द्वारा ताइवान की संप्रभुता जैसी संवेदनशील विषय पर खुला समर्थन, “रणनीतिक अस्पष्टता” की नीति के बजाय स्पष्ट हस्तक्षेप का संकेत देता है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा, चीन की कड़ी चेतावनियों के बावजूद, अमेरिका की उस रणनीति को दर्शाती है जो चीन-विरोधी शक्ति संतुलन बनाने के लिए ताइवान को मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रही है। चीन ने इस यात्रा को अपनी संप्रभुता में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप बताया और सैन्य कार्रवाई की खुली धमकी दी, उसकी सेना ने ताइवान के चारों ओर लाइव-फायर सैन्य अभ्यास का ऐलान करते हुए युद्ध-स्तरीय तैयारी शुरू कर दी।

नैंसी पेलोसी ने ताइवान पहुंचकर कहा कि 23 मिलियन ताइवानी लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका की है। ऐसे बयान यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले अमेरिका द्वारा दिए गए बयानों जैसे ही प्रतीत होते हैं, जहाँ यूक्रेन को “पूर्ण समर्थन” का आश्वासन दिया गया, पर युद्ध शुरू होते ही अमेरिका ने सुरक्षित दूरी बना ली।

चीन 20 वर्ष पहले वाला देश नहीं। सैन्य, आर्थिक और सामरिक क्षमता में वह विश्व की शीर्ष तीन शक्तियों में है। रूस-यूक्रेन युद्ध में उसने रूस का समर्थन कर यह संकेत दिया कि वह पश्चिमी गठबंधन को चुनौती देने के लिए तैयार है। यदि चीन और अमेरिका के बीच ताइवान विवाद खुली लड़ाई में बदलता है, तो यह केवल स्थानीय संघर्ष नहीं होगा बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की संभावना को जन्म दे सकता है। अमेरिका, यूरोप और नाटो यदि ताइवान के समर्थन में खड़े होते हैं और रूस चीन के साथ, तो विश्व युद्ध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अब इस प्रसंग को भारत के संदर्भ से समझना अत्यंत आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक नीति, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी सामरिक भूमिका और चीन के साथ उसके सीमा विवाद ने इस पूरे परिदृश्य को हमारे लिए अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। भारत-चीन सीमा पर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास पूरी तरह टूट चुका है। चीन पाकिस्तान के माध्यम से भारत को घेरने की नीति (सीपीईसी, ग्वादर पोर्ट) पहले ही चला रहा है, और अब यदि ताइवान-संघर्ष बढ़ता है, तो चीन दक्षिण एशिया में सैन्य और रणनीतिक दबाव बढ़ा सकता है। ऐसे में भारत का अत्यंत सावधानी से कदम चुनना अनिवार्य है।

भारत क्यूएडी का सदस्य है—जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का संतुलन बनाने के लिए जुड़े हैं। यदि ताइवान में संघर्ष बढ़ता है, तो अमेरिका भारत से खुलकर समर्थन की अपेक्षा करेगा। पर भारत के लिए यह निर्णय आसान नहीं, क्योंकि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है, और सीमा से सटे देशों में अस्थिरता भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाएगी। यदि ताइवान युद्ध होता है, तो वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन टूट जाएगी, जिसका सबसे बड़ा प्रभाव भारत की तकनीकी-आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगा। ताइवान विश्व का 65–70% चिप निर्माण नियंत्रित करता है।

मोकामा का तिरुपति बालाजी मंदिर

मोकामा में तिरुपति बालाजी मंदिर की तरह बनने वाले मंदिर का प्रतिरूप

बिहार के लोगों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। तिरूपति बालाजी की तर्ज पर अब बिहार के मोकामा में भी एक भव्य मंदिर आकार लेने जा रहा है। इसके लिए प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी है। बिहार सरकार ने इस परियोजना को गति देने के लिए मोकामा खास स्थित 10.11 एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित कर दी है। इस मंदिर का निर्माण इसी जमीन पर यानी पटना जिले के मोकामा में होगा। आपको बता दें कि सितंबर में ही सम्राट चौधरी ने मोकामा में तिरुपति बालाजी मंदिर निर्माण की घोषणा की थी। अब इसकी कवायद शुरू हो गई है।

मंदिर के लिए बेहद खास है मोकामा

बिहार सरकार ने मोकामा अंचल के मोकामा शहर में मौजा मोकामा खास, थाना सं. 30 की 10.11 एकड़ भूमि मंदिर निर्माण के लिए उपलब्ध कराया है। अब तक इस जमीन का स्वामित्व पथ निर्माण विभाग के पास था। आपको बता दें कि पटना जिला का मोकामा शहर गंगा नदी के किनारे तीन प्राचीन जनपदों अंग, मगध और मिथिला के संगम स्थल पर स्थित है।

यह नदी के उस पार अवस्थित सिमरिया घाट पर नियमित अंतराल पर लगने वाले अर्ध कुंभ मेले का प्रवेश द्वार है। इस प्रकार यह शहर सदियों से पौराणिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा है। इतना ही नहीं, इस शहर से होकर दिल्ली हावड़ा मेन लाईन और उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ने वाली रेलवे गुजरती है। सड़क सम्पर्कता के दृष्टिकोण से भी यह कई राजमार्गो से जुड़ा हुआ है। इसीलिए इस जगह का चयन मंदिर के लिए हुआ है।

जानें क्या है तिरूमला तिरुपति देवस्थानम

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित तिरूमला तिरूपति देवस्थानम्- एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सरकारी ट्रस्ट है। इसके द्वारा न केवल तिरूपति स्थित प्राचीन पवित्र देवस्थानों का प्रबंधन किया जाता है। बल्कि कई महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं। इस संस्थान द्वारा अलग - अलग राज्यों जैसे दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, उड़ीसा, केरल और हरियाणा में देवस्थान निर्माण के साथ वेद पाठशाला, वैदिक विश्वविद्यालय, हॉस्पिटल, निर्धन लोगों, वृद्ध व्यक्तियों और कुष्ठ पीड़ितों के लिए आश्रय स्थलों के निर्माण का कार्य किया गया है। साथ ही दिव्यांगों और हृदय रोग से ग्रस्त बच्चों के लिए विशेष चिकित्सकीय व्यवस्था भी की गई है। अब बिहार में भी इस तरह की सुविधा मिलने जा ही है।

तिरुपति देवस्थानम ने जताया आभार

आपको बता दें कि पर्यटन विभाग ने मंदिर निर्माण के लिए तिरूमला तिरुपति देवस्थानम् यानी टीटीडी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव भेज दिया है।

टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने सोशल मीडिया पर बिहार सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए धन्यवाद जाहिर किया। उन्होंने लिखा कि पटना के मोकामा में टीटीडी मंदिर निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराना एक ऐतिहासिक फैसला है।

उन्होंने 99 सालों के लिए मात्र 1 रुपये के टोकन लीज पर जमीन देने के लिए बिहार सरकार के प्रति आभार जताया। साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि जल्द ही मंदिर निर्माण से संबंधित विस्तृत चर्चा शुरू करेगी।

अच्छे विचार तनाव दूर करके व्यक्ति को शांत, स्वाभाविक, संतुलित और आनंदपूर्ण बना देते हैं

शांति का मूल आधार सद्विचार हैं। जीवन के क्लेशों के कारण व्यक्ति भीतर से अशांत और असंतुलित रहता है। ये क्लेश गलत विचार की वजह से ही होते हैं। जब व्यक्ति के मन में सत्य, शुभ और सकारात्मक विचार उदित होते हैं, तब उसका आंतरिक तनाव मिट जाता है। अच्छे विचार व्यक्ति को स्वाभाविक, संतुलित और आनंदपूर्ण बनाते हैं और जीवन में स्थायी शांति की ओर ले जाते हैं।

काल के भाल पर स्वर्णिम अक्षरों में अमिट नाम- आचार्य तुलसी

मुनि चैतन्य अमन

दीक्षा शताब्दी वर्ष पर विशेष आलेख

सयमः खलु जीवनम - संयम ही जीवन है जिनका जीवन संयमी था जिन्होंने कितने भवी जीवों को संयम की उत्कृष्ट साधना के मार्ग पर आरोहण हेतु दीक्षित किया, शिक्षित किया। कितने-कितने श्रावक-श्राविकाओं भक्तों को संयम मार्ग पर बढ़ने हेतु प्रेरित किया। ऐसी महान आत्मा गणाधिपति तुलसी का 100 वां दीक्षा दिवस की पूर्णता एक प्रेरणा और गौरव का विषय है। हमारी भारतीय संस्कृति का प्राण है - संयम । संयम अर्थात नियंत्रण। संयम सुख का राजमार्ग है। संयम किसका हो? हमारी प्रत्येक क्रिया में संयम हो । संयम हमारे जीवन का स्वर्ण सूत्र बने। मन-वचन-काय यानि जीवन की प्रत्येक क्रिया में संयम पुष्ट हो। जहां वाणी का विचार का, रहन-सहन, खान-पान का संयम नहीं वहां शारीरिक-मानसिक-भावनात्मक सभी तरह से समस्याओं का जन्म होने लगता है। जब हमारे मन वचन काय की असत प्रवृत्ति या असद् व्यवहार होता है वहां नित नई समस्याओं का जन्म होना सुनिश्चित है। संयमी साधक को संयम जीवन में जिस आनंद की उपलब्धि होती है वह असंयम में कदापि संभव नहीं।आचार्य तुलसी ने बालवय में ही संयम मार्ग पर प्रस्थान कर दिया।

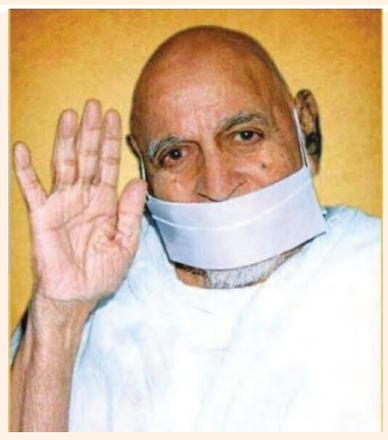

जिस बालवय में व्यक्ति खाने-पीने खेलने में मौज मस्ती करते रहते है । उस वय में संयम जीवन को स्वीकार करके आन्तरिक चेतना को जागृत किया। क्या होती है ग्यारह वर्ष की उम्र ? इस छोटी सी वय में संयम अपना लेना, साधु बनकर साधना के मार्ग पर चरणन्यास कर देना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। आचार्य वर बालवय में साधु बन गए और गुरू के हर इंगित आकार को समझते रहे और उसी का परिणाम तेरापंथ जैसे एक आचार एक विचार- एक आचार्य परम्परा का संगठित धर्मसंघ के आचार्य बन गए। भौतिक सुख नहीं

अध्यात्म सुख-शांति की अभीप्सा करने वाला ही संयम के राजमार्ग पर प्रस्थान कर सकता है। उन्होंने अणुव्रत का अमृतदान देकर प्यासी भारतीय धरा को सरसब्ज बना दिया। सचमुच मानव जीवन के लिए अणुव्रत का अवदान देकर आचार्य तुलसीने भारतीय जन-मानस को झकझोर दिया। उनकी बड़ी सोच, दूरगामी सोच ने जनमानस का कायाकल्प कर दिया।अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से एक जन साधारण व्यक्ति से राष्ट्र के ऊंचे ओहदे पर शीर्ष व्यक्तियों, उनका सम्पर्क हुआ। जिससे पूरे देश में नैतिकता चारित्रिक उन्नयन की दिशा में एक लहर पैदा हुई। जनमानस में शान्तिपूर्ण जीवन जीने हेतु तथा शिक्षा के क्षेत्र में बालक-बालिकाओं के शुभ भविष्य हेतु जीवन-विज्ञान का अवदान एक महत्वपूर्ण कार्य हुआ। स्वयं आचार्य तुलसी तथा उनके यशस्वी पट्टधर आचार्य श्री महाप्रज्ञ का विरल सहयोग हुआ। जिससे तेरापंथ धर्मसंघ को गगनचुम्बी ऊंचाई पर पहुंचने का महनीय कार्य हुआ।

इसके साथ ही तुलसी के कार्यों को रेखांकित करते भारत सरकार तथा प्रान्तीय सरकारें तथा अनेक सभा संस्थाओं ने उनका मूल्यांकन करते हुए उन्हें अनेक अलंकरणों से विभूषित कर सम्मान प्रदान किया। तेरापंथ धर्मसंघ के इतिहास आचार्य तुलसी का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में काल के भाल पर अमिट रहेगा ।

आज अनावश्यक सामग्री का संग्रह, बढ़ती विलासिता, अर्थार्जन की बढ़ती लालसा, मनोरंजन हेतु विविध उपकरण, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री के प्रति बढ़ता हुआ आकर्षण, इन्द्रियों का असंयम, इच्छाओं पर नियंत्रण का अभाव मानव जीवन के लिए खतरनाक मोड़ है। यहां आकर यदि मानव थोड़ा सा चिन्तन व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए संयम की भावना को पुष्ट करले तो सौहार्द नैतिकता, नीति-निष्ठा कायम रह सकती है।

केवल तर्क या समझाइश से नई पीढ़ी प्रभावित नहीं होगी

नई पीढ़ी के पास अपनी शब्दावली, सोच, तरीका है। मैं कथाएं करता हूं, तो कभी-कभी कोई कार्यक्रम के लिए सीधे फोन लगा लेता है। एक युवा ने मुझसे कहा, हमें आपका परफॉर्मेंस करवाना है, आपका रेट क्या है? मैं चौंका। ऐसा आमंत्रण पहली बार सुना। लेकिन मुझे उसके आग्रह का सम्मान भी करना था। तो मैंने उस युवक से पूछा, आप मुझे ही क्यों चाहते हैं? अब एक वक्ता का मूल्यांकन इस नई पीढ़ी के मुंह से सुनकर मैं भी चकित हुआ। उसका कहना था हम ऐसे वक्ता की तलाश में हैं, जो ऑर्गेनाइज्ड स्पीकिंग करे। एक-एक शब्द नपा-तुला हुआ हो। हमारी श्रवण-शक्ति पर उसकी वाक्-शक्ति भारी पड़े। अब मुझे समझ आ चुका था कि नई पीढ़ी अपने ढंग से न सिर्फ काम करेगी, बल्कि व्यक्तियों को स्वीकार भी करेगी। तर्क करके, समझाकर इस पीढ़ी को प्रभावित नहीं कर सकते।

जब नई पीढ़ी प्रश्न करती है कि ऐसा क्यों करें, तो हमें सोचना चाहिए ये ऐसा क्यों पूछ रहे हैं। उस 'क्यों' में दोनों का जवाब है। संभालकर चलिए, हैंडल विद केयर मामला है।

क्या है दिशा शूल? भूलकर भी शनिवार-रविवार को ना करें इस दिशा की तरफ यात्रा

यात्रा सभी करते हैं। कोई हर दिन नौकरी पर जाने के लिए तो कोई हॉस्पिटल जाने के लिए, कोई धार्मिक कार्यों के लिए तो कोई काम से। कभी कभी सफर करना यादगार रह जाता है तो कभी कष्टकारी हो जाता है। कभी यात्रा के दौरान अच्छे लोगों से मुलाकात होती है तो कभी यात्रा करते समय लड़ाई-झगड़ा तक हो जाता है। किसी यात्रा पर लोगों को नौकरी मिलने या किसी काम के पूरा होने की सूचना मिलती है तो कभी असफलता हाथ लगती है। आपकी यात्रा शुभ होगी या अशुभ, उन कारणों में से एक दिशाशूल योग हो सकता है। दिशाशूल बताता है कि किस दिन किस दिशा की तरफ यात्रा पर नहीं जाना चाहिए और किस दिश कौन सी दिशा की तरफ यात्रा करने से लाभ होता है। आइए जानते हैं दिशाशूल योग क्या है...

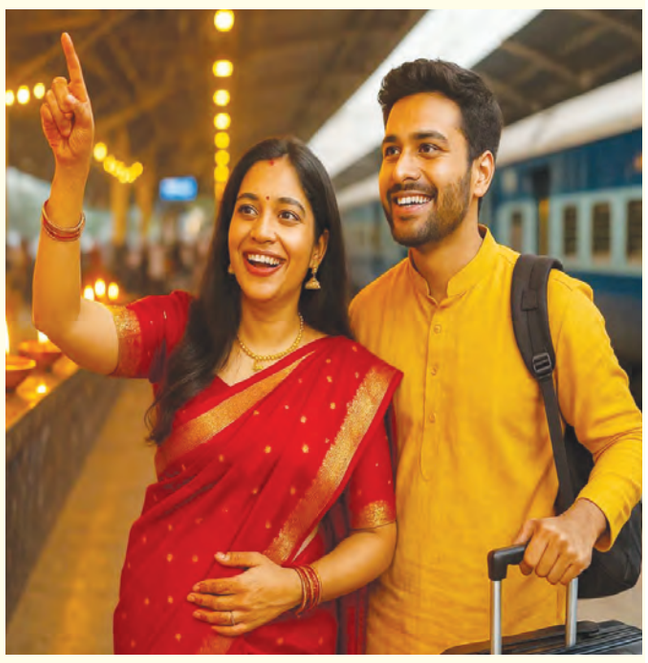

क्या है दिशा शूल?

शास्त्रों के अनुसार, दिशा शूल बहुत ही अशुभ योग के रूप में देखा जाता है। जिस दिशा की तरफ दिशाशूल बनता है, उस दिशा की तरफ यात्रा करने से बचना चाहिए। ऐसी दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए अन्यथा कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा घर से बाहर किसी जरूरी काम या लंबी यात्रा पर निकलने से पहले यह जरूर देख लेना चाहिए कि आज किस दिशा की तरफ दिशा शूल बन रहा है। अगर आपको पहले से ही जानकारी मिल जाए कि किस ओर जाना आपके लिए शुभ हो सकता है या किस दिशा की तरफ जाने से नुकसान तो उसी हिसाब से अपनी यात्रा का दिन तय कर सकते हैं और बिना किसी झंझट के आना-जाना सकते हैं। दिशा शूल का अर्थ है वह दिशा जिसमें विशेष दिन यात्रा करने से बाधाएं, दुर्घटना, थकावट, नुकसान या मानसिक तनाव बढ़ सकता है। दिशा यानी डायरेक्शन का अर्थ है दिशा और शूल का अर्थ है कांटा या बाधा। अर्थात उस दिशा में यात्रा करने पर बाधाओं का संकेत मिलते हैं।

सप्ताह में किस दिन कौन सी दिशा की तरफ लगता है शूल

सप्ताह के हर दिन एक विशेष दिशा की तरफ दिशा शूल लगता है, जिस दिशा में शूल लगा हो, उस ओर यात्रा करने से बचना चाहिए।

सोमवार और शनिवार के दिन

सोमवार और शनिवार के दिन पूर्व दिशा की यात्रा करना अशुभ माना जाता है। इन दो दिन पूर्व दिशा की ओर सफर करने से बचना चाहिए, अगर सच में बहुत जरूरी काम हो तो उपाय कर सकते हैं। इन दो दिनों में यात्रा करना जरूरी है तो आप यात्रा से पहले 1 चम्मच दही-चीनी खाकर ही घर से बाहर निकलें।

मंगलवार और बुधवार के दिन

मंगलवार और बुधवार के दिन उत्तर दिशा की तरफ दिशा शूल होता है, इसलिए इन दोनों दिन में उत्तर दिशा की तरफ यात्रा करने से बचना चाहिए। मंगलवार को उत्तर-पश्चिम कोण भी प्रभावित माना जाता है, इसलिए जरूरी यात्रा हो तो हमेशा गुड़ खाकर ही बाहर निकलें। बुधवार के दिन दिशा शूल को हल्का करने के लिए तिल और धनिया खाकर यात्रा शुरू करें। वहीं बुधवार और शनिवार के दिन ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए।

गुरुवार के दिन

गुरुवार के दिन दक्षिण दिशा में दिशा शूल लगता है। इसलिए, गुरुवार के दिन दक्षिण दिशा की ओर यात्रा करने से बचना चाहिए। अगर जाना जरूरी हो तो गुरुवार के दिन हमेशा दही खाकर घर से निकलना शुभ माना जाता है। यह उपाय सभी अशुभ योग को दूर करते हैं।

शुक्रवार और रविवार

शुक्रवार और रविवार को पश्चिम दिशा की तरह दिशा शूल लगता है। अगर इन दो दिनों में पश्चिम दिशा की तरफ यात्रा का टाला नहीं जा सकता तो आप शुक्रवार के दिन जौ खाकर और रविवार के दिन दलिया खाकर ही घर से बाहर निकलना शुभ उपाय माना गया है।

जरूरी जानकारी

नासिका का जो स्वर चलता है, उस दिशा की तरफ पैर आगे बढ़कर यात्रा करना चाहिए। हमेशा कदम बढ़ाने से पहले पांच कदम उल्टे पीछे की ओर चलें। दिशा शूल का व बायां लेना ठीक माना जाता है। सामने की तरफ या दाहिने साइड वर्जित माना गया है।

विशाखापट्टनम का वो मंदिर जहां मैच जीतने के बाद पहुंचे विराट कोहली

सिंहाचलम में विराजते हैं विष्णु के रुद्र अवतार- सिंहाचल मंदिर में विष्णु भगवान के रुद्र अवतार नरसिंह देव की पुजा की जाती है। यह मंदिर लक्ष्मी नरसिंह को समर्पित हैं। ये मंदिर दक्षिण भारत के मुख्य तीर्थस्थलों में से एक हैं।

800 फीट ऊंचे पर्वत पर बसा है मंदिर- सिंहाचलम मंदिर 800 फीट ऊंचे पर्वत पर बसा हुआ है। भक्त पारंपरिक रूप से भैरव द्वारम नामक पहाड़ी की तलहटी से लगभग 1000 सीढ़ियां चढ़कर श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के मुख्य मंदिर तक पहुँचते हैं।

सिंहाचलम का मतलब- मंदिर का नाम 'सिंहाचलम' दो शब्दों से मिलकर बना है- 'सिंह' जिसका अर्थ है 'सिंह' (शेर) और 'अचल' जिसका मतलब है 'पर्वत'। यह पर्वत और मंदिर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार से जुड़ा है, जो उन्होंने प्रह्लाद के अत्याचारी पिता हिरण्यकश्यप का वध के लिए लिया था।

सदियों पुरानी मान्यता- सदियों पुरानी मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में विराजमान भगवान की मूर्ति साल में केवल एक बार ही दर्शन के लिए खुलती है। बाकी पूरे साल विग्रह पर मोटी चंदन की परत चढ़ी रहती है।

मूर्ति पर चंदन का लेप क्यों लगा रहता है?- दरअसल, इस मंदिर में भगवान लक्ष्मी नरसिंह प्रह्लाद की शांति प्रार्थना के बाद सौम्य रूप में विराजमान हुए। मान्यता है कि भगवान ने स्वयं प्रह्लाद से कहा था कि उन्हें सालभर चंदन का लेप लगाया जाए ताकि उनका उग्र रूप की ऊर्जा संतुलित रहे।

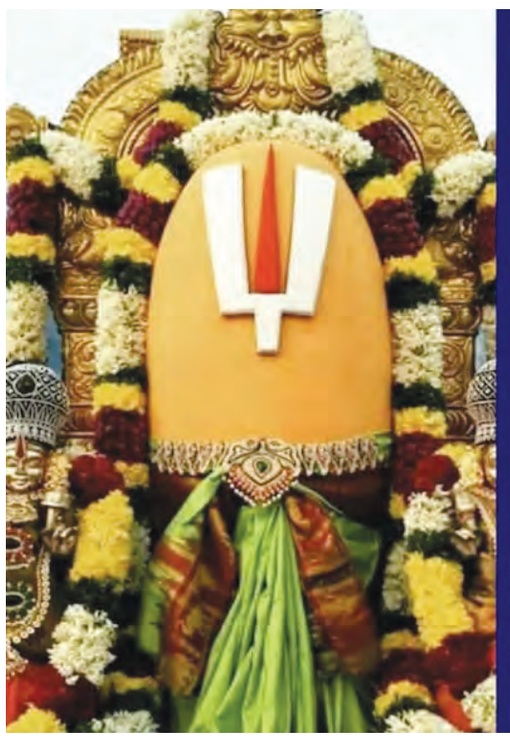

केतु ग्यारहवें भाव में हो तो किस तरह सपने पूरे होते हैं

ज्योतिष में ग्यारहवां भाव अक्सर लाभ, दोस्ती, समाज में प्रतिष्ठा और मनचाही चीज़ों की प्राप्ति से जुड़ा माना जाता है। जब केतु इस भाव में होता है, तो यह सीधे आपके जीवन में मिलने वाले अवसर, आमदनी और सामाजिक जुड़ाव को प्रभावित करता है। केतु की ऊर्जा थोड़ी अलग होती है,

यह हमें भौतिक चीज़ों के पीछे भागने की बजाय अंदर की गहराई और मानसिक संतुलन की तरफ ध्यान देने की सीख देता है। इस भाव में केतु होने पर व्यक्ति को अचानक लाभ और सफलता के मौके मिल सकते हैं, लेकिन यह लाभ हमेशा स्थायी नहीं रहते। दोस्ती और सामाजिक रिश्तों में थोड़ी दूरी या गलतफहमी का अनुभव भी हो सकता है।

केतु ग्यारहवें भाव के सकारात्मक प्रभाव

धन और लाभ में बढ़ोत्तरी

केतु ग्यारहवें भाव में होते ही अचानक धन संबंधी अवसर सामने आ सकते हैं। पुराने निवेश या मेहनत का फल मिलता है और नए मौके भी बनते हैं।

सफलता और मान-सम्मान

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। आपके काम और सोच की लोग सराहना करते हैं। इससे आत्मविश्वास भी मजबूत होता है।

दोस्ती और नेटवर्किंग

सही समय पर आपको सही लोगों से जुड़ने का मौका मिलता है। दोस्त और सहयोगी आपके लक्ष्य में मदद कर सकते हैं।

सपनों की प्राप्ति

ग्यारहवां भाव आकांक्षाओं का घर है। यहां केतु होने पर आप अपने बड़े सपनों की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

आध्यात्मिक उन्नति

केतु आपको भौतिक चीजों से हटकर अंदर की दुनिया की ओर ध्यान देने की प्रेरणा देता है। ध्यान और साधना में रूचि बढ़ती है।

केतु ग्यारहवें भाव के नकारात्मक प्रभाव

अनिश्चित लाभ

जो लाभ मिलता है, वह हमेशा स्थायी नहीं होता। अचानक धन या मौके आ सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक टिकना मुश्किल होता है।

सामाजिक दूरी

दोस्ती और सामाजिक संबंधों में थोड़ी दूरी या गलतफहमी बन सकती है। लोग आपके इरादों को समझ नहीं पाते।

असंतोष और मानसिक तनाव

कभी-कभी लगता है कि मेहनत का फल नहीं मिल रहा या सपने अधूरे रह जाएंगे। इससे मानसिक तनाव और चिंता बढ़ सकती है।

धन का खर्च बढ़ना

अनियोजित खर्च और निवेश में नुकसान होने की संभावना रहती है। सावधानी और योजना की जरूरत होती है।

लालच और असंतुलन

बाहरी लाभ की चाह ज्यादा बढ़ सकती है। इस लालच में मानसिक संतुलन खो सकता है।

केतु ग्यारहवें भाव के लिए आसान उपाय

दान और सेवा

गरीब और जरूरतमंद को खाना, कपड़ा या पैसे देने से केतु का नकारात्मक प्रभाव कम होता है और लाभ में स्थायित्व आता है।

साधना और ध्यान

ध्यान, मंत्र जाप या आध्यात्मिक अभ्यास से मानसिक शांति मिलती है और लालच की प्रवृत्ति कम होती है।

सकारात्मक दोस्तों का चुनाव

अपने नेटवर्क में उन लोगों को शामिल करें जो आपकी प्रगति में मदद कर सकें और नकारात्मकता फैलाने वाले से दूरी बनाएं।

धन का सोच-समझकर खर्च

निवेश और खर्च में सतर्क रहें। अचानक आय होने पर भी उसे सही जगह लगाएं।

आत्मसमीक्षा और संतुलन

खुद को और अपनी अपेक्षाओं को समय-समय पर जांचें। यह समझें कि असली खुशी बाहरी सफलता में नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास में है।

'आप जो दिल तोड़कर गए, उसे समेट रही हूं..', धर्मेंद्र के बर्थडे पर भावुक हुईं हेमा; बोलीं- तुम हमेशा साथ रहोगे

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का बीते 24 नवंबर को निधन हो गया था। जिसके बाद से उनके परिवार और फैंस लगातार उन्हें याद कर रहे हैं और अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया के जरिए शेयर कर रहे हैं। आज धर्मेंद्र 90 साल के हो जाते। धर्मेंद्र के जन्मदिन पर हेमा मालिनी ने कई पुरानी तस्वीरों के साथ एक भावुक नोट लिखा है।

हेमा मालिनी का पोस्ट

हेमा मालिनी ने एक्स पर धर्मेंद्र के साथ अपनी दो पुरानी तस्वीरों को शेयर किया है। इन तस्वीरों के हेमा ने लिखा, 'धरम जी, जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक हो। दो हफ्ते से ज्यादा हो गए जब आप मुझे अचानक छोड़कर चले गए। मेरा दिल टूट गया था, लेकिन अब धीरे-धीरे मैं उन टुकड़ों को जोड़ रही हूं और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश कर रही हूं।

भगवान का शुक्रिया

हेमा ने आगे लिखा, 'आप भले ही शरीर से दूर चले गए, पर मेरी आत्मा में हमेशा मेरे साथ हैं। हमारे साथ बिताए वो सारे प्यारे पल, हमारी हंसी-खुशी भरी यादें कभी मिट नहीं सकतीं। उन यादों को बार-बार जीना मुझे बहुत सुकून और खुशी देता है। मैं भगवान का लाख-लाख शुक्रिया करती हूं कि उन्होंने हमें इतने सुंदर साल साथ बिताने का मौका दिया, हमारी दो प्यारी बेटियां दीं, और ढेर सारी खूबसूरत यादें दीं जो मेरे दिल में हमेशा जिंदा रहेंगी।

भगवान से प्रार्थना

हेमा ने आगे लिखा, 'आपके जन्मदिन पर मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि आप ऊपर जहां भी हैं, ढेर सारी शांति और खुशी दें। आप अपनी नेकी, विनम्रता और इंसानियत से इसके पूरी तरह हकदार हैं। एक बार फिर जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे धरम जी।'

'पापा हमेशा मेरे साथ हैं, मेरे अंदर हैं': धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सनी-बॉबी देओल का भावुक पोस्ट, भतीजे अभय ने भी शेयर की बचपन की यादें

सनी देओल ने अपने पिता और हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के 90वें जन्मदिन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें धर्मेंद्र बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ सनी ने एक इमोशनल नोट भी लिखा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यूजर्स इस पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

दरअसल, सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें धर्मेंद्र और सनी पहाड़ों के बीच मस्ती और एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में सनी अपने पिता से पूछते हैं, पापा, आप एंजॉय कर रहे हैं? इसके जवाब में धर्मेंद्र कहते हैं, मैं बहुत एंजॉय कर रहा हूं मेरे बेटे।

पोस्ट के कैप्शन में सनी ने लिखा, आज मेरे पापा का जन्मदिन है। पापा हमेशा मेरे साथ हैं, मेरे अंदर हैं। लव यू पापा। मिस यू।

बॉबी देओल ने भी इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र के साथ फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, मेरे प्यारे पापा और हमारे प्यारे धरम, आपकी सोच मैं ये लिख रहा हूं। दुनिया में इतना प्यार नहीं जितना आपने हम सभी को दिया। हर मुस्कुराहट, हर टपकते आंसुओं में साथ निभाया, हर मुश्किल में हाथ बढ़ाया। उस तरह, जिस तरह सिर्फ हम सब के धरम कर सकते हैं। आप स्टार बनें तो सबको साथ लेकर हाथ थाम के आगे बढ़ें, किसी का हाथ नहीं छोड़ा। आपके हमारे पंजाब के दंगे का, साहनेवाल का, भारत का झंडा गर्व से लहराया। ही-मैन हो आप सब के लेकिन बचपन से ही आप मेरे हीरो हैं। आप ही से हमने सपने देखे,आप ही से हमने आत्मविश्वास करना सीखा, आपके संस्कार से हम देओल बने। दिल हो तो आपका जैसा, जुनून हो तो आपके जैसा, प्यार करो तो आपके जैसा, इंसान बनो तो आपके जैसा। पापा हो आप मेरे,लेकिन धरम हो आप हम सब के। आपके होने पर गर्व है। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे अनमोल पापा।आपसे हमेशा प्यार करूंगा।

भतीजे अभय देओल ने भी किया पोस्ट

धर्मेंद्र के भतीजे और एक्टर अभय देओल ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने ही-मैन के साथ अपनी बचपन की फोटो शेयर कर लिखा, शायद यह 1985 या 1986 की बात होगी।

मुझे अभी-अभी डांट पड़ी थी, इसलिए मैं थोड़ा परेशान था। उन्होंने मुझे अपनी तरफ बुलाया, अपने पास बैठाया और कहा, रोशनी को देखो और उसी पल एक फोटोग्राफर ने यह तस्वीर क्लिक कर दी। मैं उस पल का इंतजार करता हूं जब मुझे फिर से वही शब्द सुनने को मिलें, जब मेरा समय आएगा। आज उनका जन्मदिन था।

बिग बॉस 19 के विनर बने गौरव खन्ना

मिला 50 लाख रुपए का कैश प्राइज, फिनाले में धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए सलमान

रियलिटी शो बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले को जीतकर इस सीजन के विजेता गौरव खन्ना बने हैं, जबकि फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं। वहीं, अमाल मलिक पांचवें, तान्या मित्तल चौथे और प्रणीत मोरे तीसरे स्थान पर रहे। ग्रैंड फिनाले रविवार को मुंबई में हुआ। विनर गौरव खन्ना की बात करें तो वे एक फेमस टीवी एक्टर हैं, जो CID और अनुपमा जैसे टीवी शो में नजर आ चुके हैं। शो जीतने पर गौरव को बिग बॉस की ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपए का कैश प्राइज मिला है।

फिनाले की बात करें तो इसमें कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे, अरमान मलिक और करण कुंद्रा जैसे कई सितारे पहुंचे। भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह भी फिनाले में शामिल हुए। शो में उन्हें लॉरेंस गैंग की ओर से शामिल न होने की धमकी आई थी, इसके बावजूद वे शो में पहुंचे। वहीं, शो के दौरान सलमान धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। बिग बॉस का यह सीजन 24 अगस्त से शुरू हुआ था। इस सीजन में कुल 18 कंटेस्टेंट आए थे।

धर्मेंद्र को याद कर सलमान के निकले आंसू

बिग बॉस 19 के फिनाले के दौरान सलमान धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। शो में धर्मेंद्र के पुराने वीडियो दिखाए गए, जिन्हें देखकर उनकी आंखों से आंसू निकल आए। सलमान ने बताया कि धर्मेंद्र का निधन उनके पिता सलीम खान के जन्मदिन पर हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि 8 दिसंबर, जो धर्मेंद्र का जन्मदिन होता है, उसी दिन उनकी मां सलमा का भी जन्मदिन होता है।

धमकी के बावजूद शो में शामिल हुए पवन सिंह

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह धमकी के बावजूद बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में शामिल हुए। फिनाले से पहले पवन सिंह को लॉरेंस गैंग की ओर से धमकी भरा कॉल आया था। कॉल करने वाले शख्स ने उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर वे सलमान के साथ बिग बॉस के मंच पर नजर आए, तो उन्हें इंडस्ट्री में काम नहीं करने दिया जाएगा।

पवन सिंह ने बताया था कि शनिवार को एक अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और कहा था, "तुम्हें सलमान खान के साथ मंच शेयर नहीं करना है।" धमकी की सूचना मिलते ही पवन सिंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

कार्तिक आर्यन-अनन्या पांडे भी फिनाले में पहुंचे थे

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के कलाकार कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी फिनाले में नजर आए। अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे दोनों एक्टर्स ने फाइनलिस्ट्स से बातचीत भी की।

इसके अलावा सनी लियोनी और करण कुंद्रा भी फिनाले में शामिल हुए। वे अपने शो स्प्लिट्सविला X6 के नए सीजन को प्रमोट करने आए थे। सनी और करण ने शो में 'जस्ट फ्रेंड्स' अशनूर कौर और अभिषेक बजाज को स्टेज पर बुलाकर एक मजेदार सेगमेंट किया।

बिग बॉस 19 में जिन कंटेस्टेंट्स ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी, उनमें से एक तान्या मित्तल भी थीं, जो शो में चौथे स्थान पर रहीं। फिनाले के दौरान सलमान ने तान्या के साथ मजेदार बातचीत की।

सलमान ने तान्या की तारीफ करते हुए कहा कि वह बिग बॉस के इतिहास में सबसे ज्यादा वायरल होने वाली कंटेस्टेंट हैं। इस पर दोनों के बीच हंसी-मजाक का सिलसिला शुरू हुआ। तान्या ने मजाक में कहा कि अब वह सलमान के घर जाएंगी, जिस पर सलमान ने हंसते हुए जवाब दिया कि वह 1BHK में रहते हैं, इसलिए तान्या वहां फिट नहीं होंगी।

सलमान ने बसीर की क्लास लगाई

बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले के दौरान सलमान ने बसीर अली की क्लास लगा दी। दरअसल, शो से बाहर आने के बाद बसीर ने कई इंटरव्यू में बिग बॉस मेकर्स पर बायस्ड होने के आरोप लगाए थे। इस पर सलमान ने कहा कि शो ने उन्हें पहचान दी, लेकिन उन्होंने आभार व्यक्त करने के बजाय घर के बाहर शो को बदनाम किया। सलमान ने चेतावनी दी कि ऐसे बयान उनके प्रोफेशनल करियर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

बिग बॉस का इतिहास

बिग बॉस का आइडिया 1997 में नीदरलैंड में शुरू हुए शो बिग ब्रदर से लिया गया था। भारत में यह शो 2006 में आया। शुरुआत में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन समय के साथ यह सबसे चर्चित रियलिटी शो में से एक बन गया। पहले सीजन में राहुल रॉय और कैरोल ग्रेसियस जैसे नाम थे। शो के पहले होस्ट अरशद वारसी थे, फिर शिल्पा शेट्टी और अमिताभ बच्चन जैसे सितारों ने शो को होस्ट किया। 2010 से सलमान इस शो को होस्ट कर रहे हैं।

स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं कनिका कपूर, अचानक शख्स ने किया हमला; सिंगर के साथ बदसलूकी की

कनिका कपूर बॉलीवुड की पसंदीदा गायिकाओं में से एक हैं। वह एक दशक से भी ज्यादा समय से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में एक कॉन्सर्ट के दौरान कनिका पर एक शख्स ने हमला कर दिया, जो मंच पर पहुंचकर उन्हें उठाने की कोशिश कर रहा था। वो तो गनीमत है कि गायिका के सुरक्षाकर्मी सक्रिय थे और उन्होंने उस व्यक्ति को मंच से नीचे उतार दिया। इस घटना के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कनिका का यह वीडियो कल रात के मे-गोंग फेस्टिवल के दौरान का है।

कनिका कपूर आज फिर से चर्चा में हैं। आज कनिका अपने किसी गाने की वजह से नहीं बल्कि उनके साथ कॉन्सर्ट में हुए हादसे की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। कनिका का एक वीडियो कॉन्सर्ट के दौरान का सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स उनके साथ बदसलूकी करता नजर आ रहा है।

यूजर्स के कमेंट्स

कनिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोगों का कहना है कि ये कनिका का प्रोफेशनलिज्म है कि उन्होंने बिना घबराए अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी। तो वहीं कुछ कनिका के रिएक्शन को देखने के बाद इसे स्क्रिप्टेड इंसीडेंट बता रहे हैं।

करीना कपूर ने सासू मां शर्मिला टैगोर को दी जन्मदिन की बधाई

लिखा- 'हमेशा अम्मा के नक्शेकदम पर...'

करीना और शर्मिला का रिश्ता सचमुच बहुत प्यारा और सम्मान भरा है। यह बात आज करीना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साबित भी कर दी। करीना ने दिग्गज अभिनेत्री और अपनी सासू मां शर्मिला टैगोर के 81वें जन्मदिन पर एक खास पोस्ट कर उन्हें बधाई दी है।

करीना का पोस्ट

करीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, 'हैप्पी बर्थडे प्यारी सासू मां।' पहली तस्वीर में सैफ अली खान अपनी मां शर्मिला के साथ हैं और शर्मिला छोटे जेह को गोद में लिए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में करीना और शर्मिला साथ में टहल रही हैं, उस पर करीना ने लिखा - 'हमेशा आपके नक्शेकदम पर चलने की कोशिश करती हूं।' आखिरी तस्वीर में शर्मिला अपने पोते जेह के साथ पार्क में खेलती नजर आ रही हैं।

शर्मिला टैगोर के बारे में

शर्मिला टैगोर का जन्म 8 दिसंबर 1944 को हुआ। उनका विवाहित नाम बेगम आयशा सुल्ताना है। उनका फिल्मी करियर छह दशकों से अधिक समय का रहा है। सिनेमा में उनके योगदान के लिए शर्मिला को फ्रांस सरकार द्वारा ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स और भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारपद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा शर्मिला को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और तीन फिल्मफेयर पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

करीना का वर्कफ्रंट

करीना कपूर फिलहाल मेघना गुलजार की क्राइम-ड्रामा फिल्म 'दायरा' (Dayra) में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ मुख्य भूमिका में हैं और इसकी शूटिंग चल रही है। इसके अलावा, वह हाल ही में नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री 'डाइनिंग विद द कपूर्स' में नजर आई थीं।

कौन हैं एनेलिया फ्रेजर?

युवराज के साथ करवाया हॉट फोटोशूट कभी खेल के मैदान में बिखेरा था जलवा

भारत के स्टार पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह हाल ही में एक हॉट फोटोशूट में विदेशी बाला के साथ नजर आए हैं। मॉडल और खिलाड़ी के साथ युवराज के फोटोशूट की कई तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जिस किसी ने भी युवराज का ये हॉट फोटोशूट देखा वो बस इसी सोच में पड़ गया है कि आखिरकार ये हसीना हैं कौन। दरअसल इस हॉट फोटोशूट में नजर आ रहीं मॉडल का नाम है- एनेलिया फ्रेजर। चलिए आपको बताते हैं आखिर कौन हैं ये मॉडल जिनकी हॉट अदाएं अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती हैं।

कौन हैं एनेलिया फ्रेजर?

युवराज के साथ फोटोशूट में नजर आ रहीं विदेशी हसीना कोई और नहीं बल्कि कनाडा की मशहूर टेनिस प्लेयर और मॉडल हैं। कनाडा की ये एथलीट खेल के मैदान के बाद अब मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख कर चुकी हैं। एनेलिया फ्रेजर का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। खेल की दुनिया से शुरू हुआ उनका सफर अब ग्लैमर इंडस्ट्री में नई पहचान बना रहा है।

टेनिस कोर्ट से हुई शुरुआत

एनेलिया फ्रेजर कनाडा की प्रोफेशनल टेनिस खिलाड़ी रही हैं। युवा उम्र से ही वह कई अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट्स में हिस्सा ले चुकी हैं।

मॉडलिंग में पाई नई उड़ान

टेनिस छोड़ने के बाद उन्होंने मॉडलिंग और मीडिया प्रस्तुति में कदम रखा। आज वह फैशन फोटोशूट से लेकर ब्रांड वीडियो तक- हर जगह अपनी खास जगह बना चुकी हैं।

सोशल मीडिया की स्टार हैं एनेलिया

इंस्टाग्राम पर एनेलिया की मौजूदगी काफी मजबूत है। 44,000 से ज्यादा फॉलोअर्स उनके फिटनेस, स्पोर्ट्स और ग्लैमरस स्टाइल को खूब पसंद करते हैं। वह अक्सर अपने टेनिस प्रैक्टिस, बीच फोटो शूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स की तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

क्यों कराया युवराज के साथ फोटोशूट?

इस फोटोशूट को लेकर इंटरनेट पर तमाम चर्चा हो रही है, लेकिन इसका मकसद साफ है- यह एक ब्रांड कैंपेन का हिस्सा है। युवराज सिंह जिस प्रीमियम ब्रांड के एंबेसडर हैं, उसी कंपनी के लिए यह विज्ञापन शूट किया गया है। कैंपेन में कई मॉडल्स शामिल थीं, लेकिन युवराज और एनेलिया की केमिस्ट्री ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं।

क्या दूसरी बार मां बनने वाली हैं दीपिका पादुकोण?

एक्ट्रेस का लुक देखकर फैंस ने लगाई अटकलें

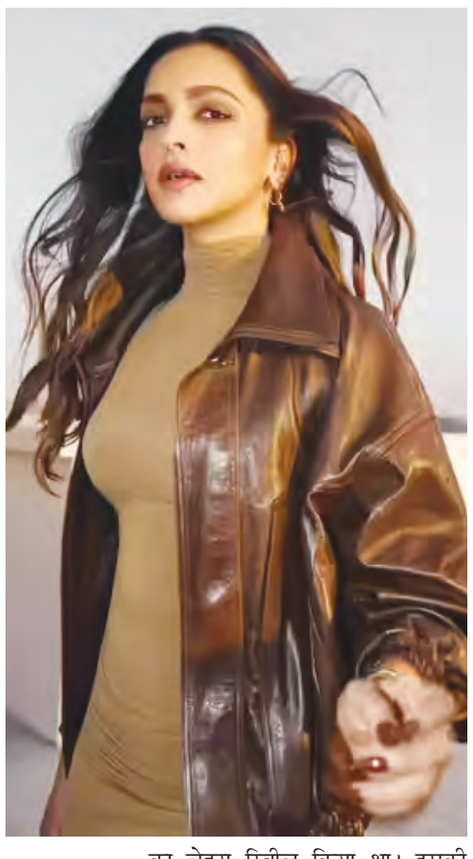

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दीपिका पादुकोण ने गाउन में पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए दीपिका पादुकोण ने कैप्शन में लिखा है 'रविवार का जलवा।' दीपिका पादुकोण ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें वह थोड़ी हेल्दी लग रही हैं। ऐसे में उनकी तस्वीरों पर कई यूजर्स ने कई कमेंट किए हैं।

यूजर्स ने लगाई अटकलें

कई यूजर्स ने अटकलें लगाई हैं कि दीपिका पादुकोण दोबारा मां बनने वाली हैं। एक यूजर ने लिखा है 'मां फिर से आ गई।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'मां को देखकर मैं घुटनों पर आ गई।' एक और यूजर ने लिखा है 'मम्मी अगेन।' एक यूजर ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा 'मॉम दीपू। बहुत खूबसूरत।' हालांकि इन कमेंट्स पर दीपिका पादुकोण ने कुछ नहीं कहा है।

2024 में मां बनीं दीपिका

आपको बता दें कि दीपिका पादुकोण ने एक्टर रणवीर सिंह से 2018 में शादी की थी। इससे पहले दोनों ने एक दूसरे को कई वर्षों तक डेट किया था। दोनों ने 8 सितंबर 2024 को बेटी दुआ पादुकोण सिंह का स्वागत किया। इस साल दिवाली पर दोनों ने अपनी बेटी का चेहरा रिवील किया था। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण को आखिरी बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इसमें अजय देवगन के साथ कई दूसरे कलाकार भी थे। जल्द ही वह फिल्म 'किंग' का हिस्सा होंगी। इसमें उनके साथ शाहरुख खान होंगे। यह पहली फिल्म होगी, जिसमें शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान साथ में काम करेंगे।

'भाजपा 'वंदे मातरम' गीत को राजनीति का मुद्दा बना रही'

विपक्ष के सांसदों ने जवाब दिया

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा के विषय पर कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दलों के नेताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा 'वंदे मातरम' गीत को भी राजनीति का मुद्दा बना रही है।

कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने 'वंदे मातरम' पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर तंज कसा और कहा कि आजादी की लड़ाई कांग्रेस ने लड़ी थी। आईएएनएस से बातचीत में उज्ज्वल रमन सिंह ने कहा, 'वंदे मातरम' हम सबके लिए, हर पार्टी के लोगों के लिए गर्व की बात है। लेकिन भाजपा इसे भी राजनीति का मुद्दा बना रही है।

अगर उन्होंने आजादी से पहले 'वंदे मातरम' के लिए लाठियां खाई होतीं, अगर इसके लिए अपनी जान कुर्बान की होती, तो आज उन्हें बोलने का हक था। उन्होंने कहा, देश की जनता के साथ भाजपा का सरोकार नहीं है। लोग इस सरकार से कट चुके हैं। यह स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों पर उपहास करना चाहते हैं।' कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, जब भारत की आजादी के लिए लड़ाई चरम पर थी, तब कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाकर कुर्बानी और बलिदान का इतिहास लिख रही थी। कांग्रेस के अधिवेशन 'वंदे मातरम' गीत के साथ शुरू और संपन्न होते हैं। उस समय भाजपा संगठन से जुड़े हुए उनके नेता अंग्रेजों की गुलामी कर रहे थे। अब भाजपा के लोग 'वंदे मातरम' पर चर्चा के जरिए अपने पाप का प्रायश्चित करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, मैं 'वंदे मातरम' पर चर्चा का स्वागत करती हूं। यह हमारे इतिहास का हिस्सा है, जो हमारी संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह वह इतिहास है जिसमें सभी भारतीय देश से अंग्रेजों को भगाने के लिए एकजुट हुए थे। इसलिए, आज की चर्चा देश के हित में होनी चाहिए, न कि राजनीतिक फायदे के लिए। सही तरीके से 'वंदे मातरम' के विषय पर संसद में चर्चा हो तो यह अच्छा होगा।

उन्होंने आगे कहा, हास्यास्पद यह है कि 'वंदे मातरम' पर चर्चा वे लोग करना चाह रहे हैं, जिन्होंने राज्यसभा में 'एंटी-नेशन' नोटिफिकेशन निकाला था। सांसदों पर पाबंदी लगाई गई कि वे 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' नारे नहीं लगा सकते। इससे स्पष्ट दिखता है कि सत्ता पक्ष की 'करनी और कथनी' में अंतर है।

समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाए कि भाजपा हर विषय को, जिनमें उसका कोई योगदान नहीं रहा है, विवादित बनाने के प्रयास में रहती है। उन्होंने कहा, किस तरीके से इस राष्ट्रीय गीत को विवादित बनाया जाए, भाजपा इसी प्रयास में रहती है। यह उनकी सोच है और हम उसके विरोध में खड़े हैं। सपा सांसद ने कहा, 'वंदे मातरम' एक ऐसा गीत है, जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी की लड़ाई के दौरान खुद में जोश भरने के लिए गाया था। उसी ऊर्जा ने आखिरकार देश को आजादी दिलाने में मदद की।

जिस बाप ने नहर में फेंका, उसे बचाने लौटी बेटी

बोली-जिंदा हूं; पिता को छोड़ दें, मां ने कहा-गलती हो गई, माफ कर दे

फिरोजपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में 68 दिन पहले जिस पिता ने अपनी बेटी को हाथ बांधकर नहर में फेंका था, वही बेटी अब जिंदा लौटकर उसे बचाने की गुहार लगा रही है।

जिस बेटी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसे पुलिस लगातार ढूंढ रही थी, वह अचानक मीडिया के सामने आ गई। उसने बताया कि वह कैसे बची और क्यों अपने ही पिता को जेल से छुड़वाना चाहती है। दरअसल, बेटी को नहर में फेंकने के बाद पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर लिया था। तब से वह जेल में है। बेटी ने कहा कि पिता जेल में हैं, ऐसे में घर में मौजूद बहनों को कौन देखेगा। पिता को जेल से बाहर निकालने के लिए मैं कोर्ट में जाऊंगी।

'उन्हें किसी मानसिक अस्पताल में भर्ती करवा दो'

नवजोत कौर के 500 करोड़ वाले बयान पर डीके का पलटवार

बंगलूरू, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू पर पलटवार किया है। शिवकुमार ने 'मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये' वाली टिप्पणी को लेकर उन्हें 'मानसिक अस्पताल' में भर्ती होने की सलाह दी।

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह की पत्नी ने शनिवार को यह कहकर विवाद खड़ा किया कि जो कोई पांच सौ करोड़ का सूटकेस देता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। उनके इस बयान पर भाजपा और आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार ने उनके बयान के जवाब में कहा, उन्हें किसी अच्छे मानसिक अस्पताल में भर्ती करवा देना चाहिए। सिद्धू ने कहा कि उनके पति सक्रिय राजनीति में लौटेंगे, अगर कांग्रेस उन्हें 2027 के चुनावों से पहले पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करती है। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास किसी पार्टी को देने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन वह पंजाब को 'स्वर्ण राज्य' में बदल में सकते हैं। उन्होंने शनिवार को कहा, हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं.. .लेकिन हमारे पास पांच सौ करोड़ रुपये नहीं है, जिन्हें हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें। यह बात उन्होंने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी ने उनसे पैसे की मांग की, तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, लेकिन जो पांच सौ करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। उन्होंने बाद में कहा कि उनके सीधे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। नवजोत कौर ने रविवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं हैरान हूं कि मेरे सीधे बयान को ऐसे तोड़-मरोड़ दिया गया। हमारी कांग्रेस पार्टी ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा। जब मुझसे पूछा गया कि नवजोत किसी अन्य पार्टी से सीएम का चेहरा बन सकते हैं, तो मैंने कहा कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद के लिए पैसे देने के लिए कुछ नहीं है।

गिरिराज सिंह का विपक्ष पर हमला

कुछ लोग 'वंदे मातरम' की बजाय 'बाबरी मस्जिद' को मानते हैं

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद में सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाली चर्चा से पहले विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वंदे मातरम का सम्मान नहीं करते। वे इसके बजाय बाबरी मस्जिद को मानते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे हुए हैं। बंगाल की धरती से ही आजादी का यह गीत आया था और यह भारत की विरासत है। इस पर संसद में चर्चा जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा, अगर भारतीय लोकतंत्र के इस भव्य मंदिर में 'वंदे मातरम' पर चर्चा नहीं होगी, तो कहां होगी? कुछ लोग तो 'वंदे मातरम' का सम्मान भी नहीं करते, बल्कि वे इसके बजाय बाबरी मस्जिद को मानते हैं। पश्चिम बंगाल के बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की तरफ से 'बाबरी मस्जिद' की नींव रखे जाने के बाद गिरिराज सिंह ने तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, यह नींव हुमायूं कबीर ने नहीं रखी है, बल्कि ममता बनर्जी ने रखवाई है। अब वह नौटंकी कर रही है और अपने नेताओं व सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं।

अर्धकुंभ विवाद पर स्वामी आनंद स्वरूप बोले-अखाड़े कुंभ की शोभा

महामंडलेश्वर को निकालना जल्दबाजी, हिंदू राज्य पर मंथन का समय

> हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन पूरे विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। सभी को एक ही स्थान पर स्नान करने का मौका मिलेगा
>
> **स्वामी आनंद स्वरूप**
> काली सेना प्रमुख

हरिद्वार, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। हरिद्वार में 2027 के अर्धकुंभ से पहले संतों और अखाड़ों के बीच छिड़ी खींचतान पर काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने बड़ा बयान दिया है। दैनिक भास्कर एप से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि कुंभ जैसे पावन और वैश्विक आयोजन को विवादों में घसीटना परंपरा और संत समाज, दोनों के लिए ठीक नहीं है। स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि कुंभ सदियों से राजा-महाराजाओं के संरक्षण में भव्य रूप से होता आया है।

अखाड़े और संत ही कुंभ की असली शोभा हैं। सरकार अगर भव्य आयोजन चाहती है तो सभी को उसमें बढ़-चढ़कर शामिल होना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर विवाद करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने कुछ संतों द्वारा उठाए जा रहे विवादों को निरर्थक बताते हुए कहा कि आज स्थिति ऐसी है कि यदि कोई राम बोलेगा तो दूसरा रावण बोलने के लिए तैयार रहता है। हर बात में विवाद पैदा करना और मीडिया में बने रहने की इच्छा गलत प्रवृत्ति है। स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि कुंभ केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि राज्य में समृद्धि और विकास का अवसर भी है। कुंभ के दौरान बेहतर सड़कें, साफ-सफाई और विकास कार्य होता है। देश-विदेश से लोग आते हैं, जिससे राज्य समृद्ध होता है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तराखंड एक सांस्कृतिक हिंदू राज्य है और कई संत इसे हिंदू राज्य घोषित करने की मांग कर रहे हैं। "कुंभ हमारे लिए मंथन का अवसर है कि प्रदेश को कैसे धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाए।"

अखाड़ों के निर्णय पर भी जताई नाराजगी

महामंडलेश्वर को हटाए जाने के हालिया विवाद पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय जल्दबाजी में लिया गया। इतनी जल्दी किसी को दंडित करना उचित नहीं था। पहले बातचीत होनी चाहिए थी। प्रयागराज कुंभ की तुलना पर उन्होंने कहा कि हरिद्वार का आकार भले छोटा हो, लेकिन यहां की 'देव डोली' संस्कृति अद्भुत है। उन्होंने याद किया कि 2010 के महाकुंभ में भी देव डोलियों ने सामूहिक स्नान किया था।

"डोलियों में देवता चलायमान हो जाते हैं, नृत्य करते हैं, आशीर्वाद देते हैं यह अद्भुत दृश्य दुनिया को चमत्कार जैसा अनुभव कराता है। सरकार ने यदि इस बार डोलियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया है तो यह पूरे उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है।" उन्होंने कहा कि जो लोग पहाड़ों में जाकर डोलियां नहीं देख पाते, उन्हें कुंभ में एक ही स्थान पर सभी देव डोलियों को देखने और स्नान करने का अनूठा अवसर मिलेगा। यह आयोजन पूरे विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

मलयालम एक्टर दिलीप एक्ट्रेस से उत्पीड़न मामले में बरी

केरल के कोर्ट ने छह लोगों को दोषी ठहराया; 2017 में चलती कार में गैंगरेप किया था

कोच्चि, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम सेशन कोर्ट ने सोमवार को 2017 में साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस से गैंगरेप मामले में मलयालम एक्टर दिलीप को बरी कर दिया। जज हनी एम. वर्गीस ने कहा कि दिलीप एक्ट्रेस से उत्पीड़न मामले में शामिल नहीं थे। दिलीप के साथ तीन अन्य आरोपियों को भी अदालत ने बरी कर दिया। कोर्ट ने मुख्य आरोपी सुनील एन.एस. उर्फ़ 'पल्सर सुनी' सहित छह आरोपियों को दोषी ठहराया। इन पर घटना को अंजाम देने का आरोप था। कोर्ट 12 दिसंबर को दोषियों के खिलाफ फैसला सुनाएगी। दिलीप ने कोर्ट से बाहर आने के बाद मीडिया से कहा- मेरी छवि और करियर खत्म करने के लिए मेरे खिलाफ साजिश रची गई थी। एक्टर ने किसी का नाम लिए बिना कहा- एक सीनियर महिला पुलिस अधिकारी और उसके चुने गए कुछ गुंडे पुलिसवालों के एक ग्रुप ने मुझे फंसाया। यह मामला मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करने वाली एक एक्ट्रेस से जुड़ा है। 17 फरवरी, 2017 की रात को कुछ लोगों ने उसकी कार में जबरन घुसकर उसका अपहरण कर लिया और उसके साथ गैंगरेप किया। इसके बाद आरोपी एक्ट्रेस को कार में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया और अप्रैल 2017 में सात लोगों के खिलाफ पहला आरोप पत्र दायर किया।

तमिलनाडु बनेगा अगली पीढ़ी के खिलौनों का ग्लोबल हब

स्टालिन ने लॉन्च की 'टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी-2025'

चेन्नई, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी 2025 की घोषणा की है। इसमें राज्य को अगली पीढ़ी के खिलौनों के डिजाइन, डेवलपमेंट और प्रोडक्शन के लिए एक ग्लोबल सेंटर के तौर पर स्थापित करने का एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया गया है। बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ, यह पॉलिसी तमिलनाडु की सदियों पुरानी कारीगरी वाली खिलौनों की परंपराओं को फिर से जिंदा करना और उन्हें आधुनिक सप्लाई चेन के साथ जोड़ना चाहती है। यह पॉलिसी बड़े ग्लोबल खिलौना बाजार पर ध्यान देती है, जिसका अनुमान 2024 में लगभग 180 बिलियन डॉलर है, जबकि इसमें भारत का हिस्सा एक प्रतिशत से भी कम है। अधिकारी इस अंतर को तमिलनाडु के लिए एक महत्वपूर्ण हाई-ग्रोथ अवसर के रूप में देखते हैं। इसका फायदा उठाने के लिए, राज्य सरकार का लक्ष्य कम से कम 10 एंकर निवेशकों को आकर्षित करना, एक डेडिकेटेड खिलौना मैन्युफैक्चरिंग पार्क स्थापित करना और रिसर्च, इनोवेशन और हाई-स्किल्ड नौकरियों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्रिएटिव डिजाइन स्टूडियो को बढ़ावा देना है। एसटीईएम-आधारित एजुकेशनल खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक और इंटरैक्टिव खिलौने, पजल्स और बोर्ड गेम्स, एक्शन फिगर्स और प्लस डॉल्स जैसी भविष्य की और हाई-वैल्यू प्रोडक्ट कैटेगरी को प्राथमिकता दी जाएगी। 50 करोड़ रुपए से ज्यादा के बड़े निवेश, जिनसे कम से कम 500 नौकरियां पैदा होंगी, उन्हें एक विशेष प्रोत्साहन पैकेज मिलेगा। इसमें फिक्स्ड कैपिटल सब्सिडी, जमीन आवंटन में छूट, स्टाम्प ड्यूटी में छूट, ट्रेनिंग सब्सिडी, क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए सहायता, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बनाने में सहायता और बिजली टैक्स में राहत शामिल है।

आदित्य ठाकरे का दावा-सहयोगी पार्टी के 22 एमएलए फडणवीस के संपर्क में

मुंबई, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना(यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि महायुति गठबंधन के एक सहयोगी दल के 22 विधायक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संपर्क में हैं और पाला बदलने के लिए तैयार हैं। आदित्य ठाकरे का इशारा डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर है। बता दें कि जून 2022 में शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह के बाद शिवसेना में फूट पड़ गई थी, जिसके कारण तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। सोमवार को शिवसेना(यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना दावा किया, सत्ता पक्ष में एक पार्टी और दो गुट हैं।

पुडुचेरी में आज होगी टीवीके पार्टी की जनसभा

> 5,000 लोगों को ही मिलेगा प्रवेश

पुडुचेरी, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय के नेतृत्व में मंगलवार सुबह 10:30 बजे पुडुचेरी के उप्पलम में एक विशेष सार्वजनिक सभा आयोजित होने वाली है। पार्टी मुख्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार, इस सभा में केवल पुडुचेरी राज्य के 5,000 लोगों को ही प्रवेश मिलेगा, जिन्हें क्यूआर कोड वाले पास प्राप्त होंगे।

पार्टी ने स्पष्ट किया है कि तमिलनाडु के लोग (जिनमें पुडुचेरी से सटे जिले शामिल हैं) सभा में शामिल नहीं हो पाएंगे। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इस निर्णय पर पूर्ण सहयोग करें। पार्टी मुख्यालय के निर्देश में कहा गया है कि टीवीके अध्यक्ष विजय हमेशा अपने समर्थकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। इसलिए सभा के दौरान सभी उपस्थित लोग दिए गए नियमों का कड़ाई से पालन करें। गर्भवती महिलाएं, शिशु, माताएं, वरिष्ठ नागरिक, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोग, स्कूल के बच्चे और दिव्यांगजन सभा में शामिल नहीं हो सकते। उन्हें घर से ही कार्यक्रम का लाइव अनुभव लेने का आग्रह किया गया है। नेता की कार या वाहन के पीछे किसी भी प्रकार का वाहन चलाना, ट्रैफिक में बाधा डालना सख्त मना है। सभी पुलिस दिशा-निर्देश और ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य है। कोई स्वागत जुलूस या प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जा सकता।

केवल पुलिस द्वारा निर्दिष्ट क्षेत्रों में वाहन पार्क किए जा सकते हैं। इनमें पाँडी मरीना पार्किंग, ओल्ड पोर्ट और इंदिरा गांधी स्टेडियम शामिल हैं। अन्य जगहों पर पार्किंग या सड़क पर बाधा डालना सख्त मना है। कार्यक्रम स्थल और मार्गों पर सभी को शांति बनाए रखने को कहा गया है और कहा गया है कि कोई भी ऐसा व्यवहार न करें जो पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाए। पार्टी के पदाधिकारी मुख्यालय द्वारा जारी बैज पहनने और स्वयंसेवकों को अपने निर्दिष्ट यूनिफॉर्म में रहने को कहा गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग या अन्य सड़कों पर फ्लेक्स बोर्ड, स्वागत द्वार या झंडे लगाने के लिए उचित अनुमति अनिवार्य होगी।

भवनों, दीवारों, पेड़ों, वाहनों, लाइट पोल, ट्रांसफॉर्मर, प्रतिमाओं और बैरिकेड के पास चढ़ना सख्त मना किया गया है। इसके साथ ही कहा गया है कि एम्बुलेंस, आम जनता, स्कूल के बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और मरीजों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। पार्टी मुख्यालय ने सभी कार्यकर्ताओं और जनता से अनुरोध किया है कि वे इन नियमों का पूरी तरह पालन करें और जिला आयोजकों के सहयोग से कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करें।

अमीर देशों का प्रदूषण गरीब देशों के लिए बना जानलेवा

> भारत में हर साल 12000 मौतों का बनता है कारण

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक पर्यावरणीय न्याय पर आधारित एक ताजे शोध ने यह चौंकाने वाला तथ्य सामने रखा है कि एक देश का प्रदूषण दूसरे देशों की आबादी के लिए जानलेवा बन चुका है। अध्ययन में पाया गया कि अमेरिका से उत्पन्न वायु प्रदूषण भारत में हर साल लगभग 12,000 और चीन में 38,000 मौतों का कारण बनता है। इसी तरह यूरोपीयन यूनियन के 27 देशों के उत्सर्जन ने अमेज़न वर्षावन और दक्षिण-पूर्व अफ्रीका में चरम मौसमी घटनाओं के जोखिम को लगभग दोगुना कर दिया है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अंतर-राष्ट्रीय प्रभाव वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु धाराओं के वैश्विक प्रवाह और जलवायु-गर्माहट की भौतिक प्रक्रियाओं से संचालित होता है।

हवाएं सीमाएं नहीं मानतीं इसलिए प्रदूषण राष्ट्रीय नहीं, वैश्विक संकट बन चुका है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वायुमंडलीय वैज्ञानिक प्रोफेसर डैनियल जेकब बताते हैं कि उत्तर अमेरिका से उठे प्रदूषण कण जेट-स्ट्रीम के साथ एशिया तक पहुंचते हैं, वहीं यूरोप से निकलने वाले प्रदूषक अमेजन बेसिन तथा अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं। हार्वर्ड टी.एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने पाया कि औद्योगिक देशों से उठे महीन कण एशियाई मानसून से टकराकर भारत और चीन की घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जमा हो जाते हैं।

सबसे कम प्रदूषण करने वाले देश सबसे ज्यादा पीड़ित

अध्ययन यह भी रेखांकित करता है कि जिन गरीब और विकासशील देशों का वैश्विक उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही प्रदूषणजनित आपदा का सबसे बड़ा बोझ झेल रहे हैं।दूसरी ओर अमीर और औद्योगिक देशों की उत्सर्जन-आधारित जीवनशैली पृथ्वी के पर्यावरण तंत्र पर असमान नियंत्रण बनाए हुए है। यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन के क्लाइमेट जस्टिस विशेषज्ञ प्रोफेसर सिबुसिसो मापोलेला कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन कोई मौसम विज्ञान का संकट नहीं, बल्कि सत्ता, उपभोग और अन्याय का संरचनात्मक मॉडल है।

संकट साझा है, पर जिम्मेदारी साझा नहीं

शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पर्यावरण संकट साझा है लेकिन जिम्मेदारी समान नहीं है। अमीर देशों के उत्सर्जन से उत्पन्न आपदा का सबसे भारी दुष्प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है जिनकी इसमें लगभग कोई भूमिका नहीं।

दिल्ली ब्लास्ट-अल फलाह यूनिवर्सिटी में फैकल्टी की कमी

बदनामी के बाद 10 प्रोफेसरों ने जॉब छोड़ी; एमबीबीएस फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स को छुट्टी दी

फरीदाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल का सेंटर पॉइंट बनी फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी इन दिनों फैकल्टी की कमी का सामना कर रही है। इसके चलते एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्रों को एक सप्ताह की लीव पर घर भेजा जा रहा है। यूनिवर्सिटी के अंदर आतंकी नेटवर्क खड़ा कर रहे लेडी आतंकी डॉ. शाहीन सईद और डॉ. मुजम्मिल शकील के गिरफ्तार होने के बाद से लगातार स्टाफ यहां से जॉब छोड़कर जा रहा है।

वहीं, यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों का शिकंजा कसता जा रहा है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी सेटल नहीं हो पा रही है। अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी और डॉक्टरों की गिरफ्तारी ने यहां प्रोफेसरों के अंदर डर बैठा दिया है। इन गिरफ्तारियों के बाद यहां से करीब 10 मेडिकल प्रोफेसर अपनी जॉब छोड़कर जा चुके हैं। मेडिकल प्रोफेसरों के अलावा दूसरे विभागों में काम करने वाला स्टाफ भी धीरे-धीरे यहां से निकल रहा है, जिसके चलते मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की प्रॉपर क्लास नहीं लग पा रही है। यूनिवर्सिटी की तरफ से एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्रों को एक सप्ताह की अचानक से लीव देकर घर भेजा जा रहा है। हालांकि एक सप्ताह बाद उन्हें वापस यूनिवर्सिटी में जॉइन करने की बात भी कही जा रही है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के अनुसार, इस बात से कोई पैनिक न हो, इसलिए सभी को बोला गया है कि वे बाहर जाकर इसे सर्दी की छुट्टी बताएं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही अल-फलाह यूनिवर्सिटी में अफरा-तफरी का माहौल बना है। जांच एजेंसी लगातार यूनिवर्सिटी के चक्कर लगा रही है।

चुपचाप दिवालिया हो रहा अमेरिका! डोनाल्ड ट्रंप के राज में टूट गया 15 साल का रेकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश को फिर से महान बनाने के वादे के साथ दूसरी बार सत्ता संभाली थी। उन्होंने ताबड़तोड़ कई देशों पर टैरिफ लगाया। भारत पर तो 50 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। देश में दिवालिया होने वाली कंपनियों की संख्या इस साल 15 साल के टॉप पर पहुंच गई है। अब तक 700 से अधिक बड़ी और 2,000 से अधिक छोटी कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। पिछले साल अमेरिका में 687 बड़ी कंपनियां दिवालिया

हुई थीं जबकि इस साल नवंबर तक यह आंकड़ा 717 पहुंच चुका है। देश में लगातार तीसरे साल दिवालिया होने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी आई है। यह संख्या 2022 की तुलना 93% बढ़ चुकी है। नवंबर में 62 बड़ी कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया जबकि अक्तूबर में यह संख्या 68 और सितंबर में 66 थी। इस साल 2011 से 2024 के सालाना औसत से 30 फीसदी अधिक है।

क्यों बढ़ रही है बैंकरप्सी ?

अमेरिका में बैंकरप्सी इस तरह बढ़ रही है जैसे देश मंदी की चपेट में हो। पिछले साल में छोटी कंपनियों की बैंकरप्सी का रेट 83 फीसदी बढ़ा है।

इस साल अब तक 2,221 कंपनियां सबचैप्टर पांच के तहत बैंकरप्सी के लिए अप्लाई कर चुकी हैं। हाई बोरोइंग कॉस्ट, कंज्यूमर स्पेंडिंग में सतर्कता और आर्थिक अनिश्चितता के कारण छोटी कंपनियों की कमाई प्रभावित हुई है। अमेरिका में छोटी कंपनियां संघर्ष कर रही हैं।

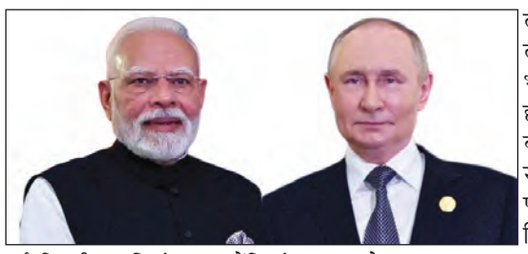

भारतीय सामान 40 की जगह 24 दिन में रूस पहुंचेगा : मोदी-पुतिन के समझौते से 6000किमी की बचत

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच चेन्नई-व्लादिवोस्तोक ईस्टर्न कॉरिडोर को लेकर चर्चा हुई। यह कॉरिडोर सिर्फ 10,370 किमी लंबा होगा, जिससे भारतीय जहाज औसतन 24 दिन में रूस पहुंच सकेंगे।फिलहाल भारत से रूस के सेंट पीटर्सबर्ग तक सामान भेजने के लिए जहाजों को लगभग 16,060 किमी की लंबी यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें करीब 40 दिन लग जाते हैं। यानी यह नया रूट लगभग 5,700 किमी छोटा है और भारत को सीधे 16 दिन की बचत होगी। पुतिन और पीएम मोदी के बीच 5 दिसंबर को हुई वार्ता में इस समुद्री मार्ग को जल्द शुरू करने पर सहमति बनी। माना जा रहा है कि ग्लोबल तनाव के बीच यह नया रास्ता एक सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद ऑप्शन दे सकता है। मोदी और पुतिन के बीच बैठक में भारत और रूस का आपसी ट्रेड 2030 तक 100 अरब डॉलर पहुंचाने का टारगेट रखा गया है। फिलहाल दोनों देशों में करीब 60 अरब डॉलर का व्यापार होता है।

इस कॉरिडोर के जरिए चेन्नई से मलक्का खाड़ी, दक्षिण चीन सागर और जापान सागर से व्लादिवोस्तोक तक जाने वाले वाले के 16 दिन बचेंगे। ये रूट सुरक्षित होने के साथ-साथ आने वाले दिनों में भारत-रूस व्यापार के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह कॉरिडोर चरणबद्ध तरीके से शुरू हो जाएगा। इसके चालू होते ही तेल, गैस, कोयला, मशीनरी और धातु जैसे जरूरी व्यापार क्षेत्रों में तेजी आएगी और भारत की सप्लाई चेन काफी मजबूत होगी। यह रूट भारत-रूस आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देगा। गाजा युद्ध से स्वेज नहर रूट पर बढ़ता जोखिम और यूक्रेन युद्ध के चलते यूरोप के रास्ते रूस तक पहुंचने वाले पारंपरिक समुद्री मार्ग में लगातार मुश्किलें आ रही हैं। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक ईस्टर्न कॉरिडोर चालू होते ही रूस से भारत को कच्चा तेल, नेचुरल गैस, कोयला, उर्वरक, धातु और अन्य इंडस्ट्रियल माल आयात करना आसान होगा। इससे भारत की एनर्जी व कच्चे माल की जरूरतें सुरक्षित होंगी। भारत रूस को मशीनरी, इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो-पार्ट्स, टेक्सटाइल्स, कृषि व समुद्री उत्पाद भेज सकता है। मरीन गुड्स और मशीनरी पर जोर दिया गया है।

2030 तक 100 अरब डॉलर ट्रेड का टारगेट

भारत-रूस पारंपरिक मार्ग 16,060 किमी लंबा

मुंबई से स्वेज नहर से होते हुए सेंट पीटर्सबर्ग तक जाने वाला यह पारंपरिक मार्ग 16,060 किमी लंबा है। युद्ध की वजह से यह रूट आज सबसे जोखिमभरा, लंबा और महंगा माना जा रहा है। इसके अलावा इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रेड कॉरिडोर 7,200 किमी लंबा है। यह मुंबई से ईरान, अजरबैजान होते हुए रूस के वोल्गोग्राद तक जाता है। 7,200 किमी लंबा मल्टी-मॉडल कॉरिडोर माल ढुलाई का समय घटाकर 25-30 दिन कर देता है। यह पारंपरिक रूट से सस्ता लेकिन यहां ईरान की वजह से तनाव बना रहता है।

चांदी की कीमत ऑल टाइम हाई पर

900 महंगी होकर 1.79 लाख प्रति किलो बिक रही; सोने का दाम 1,28,691 हुआ

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी का दाम आज यानी 8 दिसंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1 किलो चांदी का दाम 900 रुपए चढ़कर 1,79,110 रुपए के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। इससे पहले चांदी की कीमत 1,78,210 रुपए प्रति किलोग्राम थी।वहीं सोने के दाम में भी आज तेजी है। 10 ग्राम सोना 99 रुपए महंगा होकर 1,28,691 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 1,28,592 रुपए का था। बीते कारोबारी हफ्ते में सोना 2,001 रुपए और चांदी 13,851 रुपए महंगी हुई है। सोने ने 17 अक्टूबर को 1,30,874 रुपए का ऑल

टाइम हाई बनाया था।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

9.5 लाख पीएनआर कैंसिल और 827 करोड़ का रिफंड; संसद में सरकार ने बताया, इंडिगो क्या बोली ?

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के एविएशन बाजार की सबसे दिग्गज कंपनी इंडिगो बीते कुछ दिनों से संकट में है। इस संकट के लिए वह खुद जिम्मेदार है या हालात ने ये समीकरण बनाए हैं इसका पता तो सरकार की ओर से शुरू की गई जांच के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल सरकार ने इस प्रकरण से जुड़े कुछ आंकड़े संसद में पेश किए हैं। इंडिगो के लिए पिछले दो हफ्ते किसी बुरे सपने से कम नहीं रहे। परिचालन से जुड़ी परेशानियों और लगातार रद्द हो रही उड़ानों के कारण यह संकट अब वित्तीय और साख दोनों ही तरह के नुकसान का कारण बन रहा।

3 से 15 दिसंबर के बीच की रद्द उड़ानों के लिए रिफंड प्रक्रिया शुरू

इस बीच, इंडिगो ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बताया कि 3 दिसंबर 2025 और 15 दिसंबर 2025 के बीच रद्द की गई उड़ानों के लिए रिफंड की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। एयरलाइन ने यात्रियों से कहा, अगर इस व्यवधान के कारण आपकी योजनाएं बदल गई हैं, तो हम 15 दिसंबर 2025 तक की यात्रा के लिए मान्य सभी बुकिंग के लिए बदलाव और कैंसिलेशन के अनुरोधों पर पूरी छूट भी दे रहे हैं। इंडिगो ने कहा है कि यात्री https://bit.ly/4iGWxU9 पर जाकर और आसान चरणों का पालन करके रिफंड हासिल कर सकते हैं। एयरलाइन के अनुसार रिफंड जिस तरीके से भुगतान किया गया है उसी तरीके से यात्रियों के खाते में जमा की जाएगी और ऐसा एक या दो लेनदेन के जरिए हो सकता है। इंडिगो ने यात्रियों से कहा है, आपकी यात्रा में आई बाधा के लिए हमें गहरा खेद है। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीमें, जमीनी स्तर पर और पर्दे के पीछे, सभी प्रभावित ग्राहकों की सहायता करने और जल्द से जल्द सामान्य संचालन बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

इंडिगो संकट का 'कच्चा-चिट्ठा'

कुल PNR रद्द	9,55,591
कुल रिफंड राशि	₹827 करोड़
दिसंबर में रद्द PNR	5,86,705
दिसंबर में रिफंड राशि	₹569.65 करोड़
फंसे हुए लगेज	9,000
वापस किए गए लगेज	4,500 (50%)
सोमवार की कुल फ्लाइट्स	1,802
रद्द की गई फ्लाइट्स	500

अवधि: 21 नवंबर से 07 दिसंबर

21 नवंबर से 7 दिसंबर के बीच की रद्द उड़ानों के लिए 827 करोड़ का दिया गया रिफंड

सरकार की ओर से संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, 21 नवंबर से 7 दिसंबर 2025 के बीच एयरलाइन को करीब 800 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड यात्रियों को चुकाना पड़ा है। यह आंकड़ा इतना बड़ा है कि इससे इंडिगो की बैलेंस शीट पर दबाव पड़ना तय है। मंत्रालय की ओर से दिए गए आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाला पहलू कैंसिलेशन का वॉल्यूम और रिफंड की राशि है। इसके अनुसार, 17 दिनों में एयरलाइन को करीब 827 करोड़ रुपये का रिफंड देना पड़ा है। सरकार ने बताया कि उक्त अवधि में इस अवधि में कुल 9,55,591 पीएनआर (पैसेंजर नेम रिकॉर्ड) कैंसिल किए गए और रिफंड प्रोसेस किया गया। इसका कुल मूल्य 827 करोड़ रुपये है। ध्यान रहे कि एक पीएनआर में एक से अधिक यात्री भी हो सकते हैं, इसलिए प्रभावित यात्रियों की संख्या 9.5 लाख से कहीं अधिक हो सकती है। सरकार ने बताया कि दिसंबर शुरू होते ही संकट गहरा गया। दिसंबर के पहले हफ्ते में महज सात दिनों के भीतर 5,86,705 पीएनआर कैंसिल हुए, जिसके लिए एयरलाइन को 569.65 करोड़ रुपये वापस करने पड़े। कुल रिफंड का लगभग 69% हिस्सा केवल दिसंबर के पहले हफ्ते के दौरान यात्रियों की दिक्कतों के लिए ही चुकाया गया।

9000 में लगभग आधे बैग ग्राहकों को वापस, बाकी 36 घंटे में वापस करने का लक्ष्य

उड़ानों के रद्द होने से ज्यादा यात्रियों को परेशानी उनके खोए हुए सामान (बैगेज) ने किया। सरकार ने सदन को सूचित किया कि इस अव्यवस्था के दौरान कुल 9,000 बैग अपने मालिकों तक नहीं पहुंच पाए थे। अब तक 4,500 बैग (कुल का 50%) ग्राहकों को वापस वितरित किए जा चुके हैं। मंत्रालय और एयरलाइन ने शेष बचे बैगों को वितरित करने के लिए अगले 36 घंटों का लक्ष्य रखा है। यह समयसीमा एयरलाइन के ग्राउंड स्टाफ के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।आसमान में लौटने की कोशिश, लेकिन 500 उड़ानें अब भी रद्द हैं। इंडिगो अपने नेटवर्क को सामान्य करने की पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं है। आज के ऑपरेशनल प्लान के मुताबिक एयरलाइन अपने 138 गंतव्यों में से 137 के लिए उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है, जो रिकवरी का संकेत है। आज कुल 1,802 उड़ानें शेड्यूल की गई हैं। सुधार के बावजूद, आज भी लगभग 500 उड़ानें रद्द रहेंगी। यह एक सामान्य दिन के मुकाबले बहुत बड़ी संख्या है और यह दर्शाता है कि पूरी तरह से पटरी पर लौटने में अभी और वक्त लगेगा।

सेबी ने लॉन्च किया पीएआरआरवीए

अब निवेश सलाहकारों के रिटर्न की हो सकेगी स्वतंत्र और प्रमाणित जांच

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय निवेशकों को अब बाजार मध्यस्थों के पूर्व रिटर्न का स्वतंत्र और प्रमाणित विवरण उपलब्ध होगा। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को पास्ट रिस्क एंड रिटर्न वेरिफिकेशन एजेंसी की शुरुआत की। यह वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली पहल बताई जा रही है, जिसका उद्देश्य वित्तीय बाजार में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाना है।

इसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और केयरएज रेटिंग्स के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया है।पीएआरआरवीए निवेश सलाहकारों (आईए), अनुसंधान विश्लेषकों (आरए) और अन्य पंजीकृत बाजार मध्यस्थों द्वारा किए जाने वाले पिछली कमाई के दावों को मानकीकृत ढांचे के तहत सत्यापित करेगा। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि यह कदम उन बढ़ते मामलों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है, जिनमें बिना पंजीकरण वाले बाजार पात्र अवास्तविक और अतिरंजित रिटर्न दिखाकर निवेशकों को प्रभावित करते हैं।

नियमों में बड़ी राहत

मौजूदा नियमन के तहत सेबी-पंजीकृत मध्यस्थ अपने वास्तविक पिछले रिटर्न निवेशकों को पेश नहीं कर सकते थे, जबकि अनियमित खिलाड़ी बिना किसी सत्यापन के ऊंचे रिटर्न का प्रचार कर रहे थे। इससे निवेशकों में भ्रम और असंतुलन पैदा हो रहा था। पीएआरआरवीए इस बंदिश को हटाते हुए पंजीकृत संस्थाओं को प्रमाणित प्रदर्शन दिखाने की सुविधा देगा। सेबी के हालिया सर्वेक्षण में संकेत मिला है कि केवल 36% निवेशक ही पर्याप्त बाजार ज्ञान रखते हैं। 62% संभावित निवेशक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स पर निर्भर हैं, जबकि 23% बिना जोखिम समझे त्वरित लाभ के पीछे भागते हैं। ऐसे में सत्यापित प्रदर्शन डेटा निवेश सुरक्षा के लिए अहम माना जा रहा है।

हाहाकारी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 610 अंक टूटा, निफ्टी 26000 के नीचे

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। लगातार दो दिनों की बढ़त के बाद सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों द्वारा शेयरों की लगातार बिकवाली के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली की। विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय से पहले निवेशकों ने रक्षात्मक रुख अपनाया, जिससे धारणा और कमजोर हुई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 609.68 अंक या 0.71 प्रतिशत गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक या 0.97 प्रतिशत गिरकर 84,875.59 अंक के निचले स्तर पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक या 0.86 प्रतिशत गिरकर 25,960.55 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 294.2 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,892.25 के निचले स्तर पर आ गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के कारण सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अडानी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और भारती एयरटेल शामिल थे। वहीं टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक ही लाभ में रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार में व्यापक गिरावट देखी गई और यह 26,000 अंक से नीचे चला गया, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह के फेड नीति निर्णय से पहले सतर्कता बरत रहे थे। उन्होंने कहा कि मजबूत घरेलू विकास आंकड़ों और आरबीआई द्वारा हाल ही में ब्याज दरों में कटौती के बावजूद, वैश्विक मौद्रिक नीति संबंधी चिंताओं, एफआईआई के लगातार बहिर्वाह और मुद्रा अवमूल्यन के कारण अल्पकालिक धारणा प्रभावित हो रही है। नायर ने कहा कि जापानी बांड की प्राप्ति में कई वर्षों के उच्चतम स्तर तक वृद्धि से अस्थिरता और बढ़ गई, जिससे येन कैरी ट्रेड के संभावित समापन की आशंका पैदा हो गई। अन्य एशियाई बाजार मोटे तौर पर सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.34 प्रतिशत बढ़ा, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक 0.54 प्रतिशत बढ़ा,

तथा जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क 0.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 1.23 प्रतिशत गिरा। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट बढ़त के साथ बंद हुआ।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 63.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 152.70 अंक चढ़कर 26,186.45 पर बंद हुआ।

चीन से छुटकारा पाने के लिए भारत एकमात्र विकल्प...क्यों बन गया है 'बिग प्राइज'? एक्सपर्ट ने कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भारत को बड़ा अवसर मान रही हैं। चीन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत से जुड़ाव बढ़ाना ही एकमात्र रास्ता है। बदलते वैश्विक माहौल में कंपनियों को फुर्ती (एजिलिटी) और विश्वसनीयता (रिलायबिलिटी) पर ध्यान देना होगा। भारतीय सीईओ मौजूदा अनिश्चितता के दौर से परिचित हैं। एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। भारत की आर्थिक क्षमता को लेकर उत्साह है। अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन विकास संस्थान , स्विट्जरलैंड के प्रेसिडेंट डेविड बाख ने ईटी के साथ इंटरव्यू में यह बात कही। उनके मुताबिक, भारत को अंतरराष्ट्रीय कंपनियां 'बिग प्राइज' (बड़ा पुरस्कार) मान रही हैं। डेविड बाख ने बताया कि वैश्विक भू-आर्थिक बदलाव अब बहुत तेजी से हो रहे हैं। पश्चिमी देशों के सीईओ को अब इस बदले हुए माहौल में काम करना पड़ रहा है। उन्होंने अपना करियर एक स्थिर और अनुमानित दुनिया में बिताया है। अब यह स्वीकार करना होगा कि राजनीति का प्रभाव अर्थव्यवस्था से पहले आता है। कंपनियों को अब यह सोचना होगा कि क्या वे किसी देश में काम कर सकती हैं, क्या उनका वहां स्वागत होगा और अगर कुछ गलत होता है तो उन्हें कौन समर्थन देगा। यह बदलाव पूंजी आवंटन, जोखिम प्रबंधन और रणनीति को प्रभावित कर रहा है। इसका मतलब है कि कंपनियों को अपने दांव को व्यापक रूप से फैलाना होगा, दक्षता से ज्यादा विश्वसनीयता को प्राथमिकता देनी होगी

और ऐसे संगठन बनाने होंगे जो जल्दी से अनुकूलित हो सकें। इस माहौल में वही कंपनियां जीतेंगी जो राजनीतिक या आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद लगातार ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सकेंगी। वे दक्षता-संचालित मॉडल से हटकर फुर्ती और लचीलेपन पर आधारित मॉडल की ओर बढ़ेंगी। बाख ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता टैरिफ या संरक्षणवाद नहीं है। हालांकि, वे भी मायने रखते हैं। उनकी असली चिंता वैश्विक नेतृत्व और शासन का कमजोर होना है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के जरिये वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक समन्वित ढांचा प्रदान किया था। यह व्यवस्था अब कमजोर हो रही है। अमेरिका या किसी अन्य देश से मजबूत नेतृत्व के बिना हम जलवायु परिवर्तन या वैश्विक संकट जैसी समस्याओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने की अपनी क्षमता खो सकते हैं। चीन स्वच्छ तकनीक में कुछ नेतृत्व प्रदान कर रहा है। लेकिन, यह काफी हद तक अपने स्वार्थ के लिए है। वहीं, चीन गाजा या यूक्रेन जैसे बड़े भू-राजनीतिक मुद्दों पर अनुपस्थित रहा है। इसलिए, चिंता केवल इकोनॉमिक साइकिल की नहीं है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सुर्य	वृश्चिक	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	वृश्चिक	मे
बुध	वृश्चिक	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृश्चिक	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

वृश्चिक...	04-53 बजे
धनु......	06-07 बजे
मकर...	09-14 बजे
कुंभ....	11-13 बजे
मीन....	12-42 बजे
मेष.....	14-18 बजे
वृष....	16-03 बजे
मिथुन..	18-02 बजे
कर्क...	20-18 बजे
सिंह---	22-28 बजे
कन्या--	00-34 बजे
तुला----	03-00 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष मंगलवार **09 Dec**
तिथि - पंचमी **14-29** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - आश्लेषा **02-22** रात्रि तक उप मघा
योग - ऐन्द्र **14-33** तक उप वैधृति
करण - तैतिल **14-29** तक गर

सूर्योदय **06-38**
सूर्यास्त. **17-38**

सर्वार्थ सिद्धि योग 07-18 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-55 16-18

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

रोग	06-38 - 07-59	अशुभ
उत्पात	07-59 - 09-22	अशुभ
चंचल	09-22 - 10-46	शुभ
लाभ	10-46 - 12-09	शुभ
अमृत	12-09 - 13-32	शुभ
काल	13-32 - 14-55	अशुभ
शुभ	14-55 - 16-18	शुभ
रोग	16-18 - 17-38	अशुभ

रात का चौघड़िया

काल	18-38 - 19-18	शुभ
लाभ	19-18 - 20-55	शुभ
उत्पात	20-55 - 22-32	अशुभ
शुभ	22-32 - 00-09	अशुभ
अमृत	00-09 - 01-46	शुभ
चंचल	01-46 - 03-23	अशुभ
रोग	03-23 - 04-59	शुभ
काल	04-59 - 06-38	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है ।जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमित बघेल मामला: 5 राज्यों में 12 एफआईआर और आगे की कानूनी प्रक्रिया

विभिन्न राज्यों में एफआईआर : 'क्लबिंग' संभव नहीं

रायपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल की गिरफ्तारी के बाद अब उन्हें अपने विवादित बयानों के चलते 5 राज्यों में दर्ज 12 एफआईआर के संबंध में लंबी कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि इन सभी एफआईआर को एक साथ 'क्लब' नहीं किया जा सकता, जिसका अर्थ है कि हर राज्य की पुलिस अपनी एफआईआर पर अलग से जांच करेगी और सभी मामले अपनी जगह कायम रहेंगे।

चूंकि बघेल को छत्तीसगढ़ पुलिस ने पहले गिरफ्तार किया है, इसलिए 'राइट ऑफ फर्स्ट कस्टडी' छत्तीसगढ़ के पास है। छत्तीसगढ़ में रिमांड खत्म होने के बाद, अन्य राज्य अपने प्रोडक्शन वारंट के आधार पर उन्हें अपनी कस्टडी में लेंगे।

हर एफआईआर के लिए अलग रिमांड, अलग जमानत

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, अमित बघेल को हर एफआईआर के लिए संबंधित राज्य में अलग पुलिस रिमांड पर जाना होगा, अलग से जमानत (एंटीसिपेट्री या रेगुलर बेल) लेनी होगी और हर मामले में अलग ट्रायल चलेगा।

'कॉमन बेल' या सभी मामलों की सुनवाई एक ही जगह करने की उनकी मांग को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही खारिज कर दिया है। यह कानूनी प्रक्रिया लंबी चलने की संभावना है, क्योंकि उन्हें एक-एक करके सभी एफआईआर वाले राज्यों में पेश होना पड़ेगा।

फ़िलहाल, सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद त्वरित राहत मिलने की संभावना बेहद कम है।

छत्तीसगढ़ में तीन दिन की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद, अब सबसे पहले ज्यूडिशियल कस्टडी या अगली रिमांड तय होगी। इस दौरान, अन्य राज्यों की पुलिस अपने प्रोडक्शन वारंट कोर्ट में लगाएगी। इसके बाद, बघेल को एक-एक कर उन राज्यों में ले जाया जाएगा जहां उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हैं। यह प्रक्रिया दर्शाती है कि सोशल मीडिया या सार्वजनिक बयानों के मामलों में, यदि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा लांघते हैं और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करते हैं, तो पुलिस को गिरफ्तारी का पूरा अधिकार है और आरोपी को कानूनी प्रक्रिया का पूरी तरह से सामना करना पड़ता है।

जसीडीह पुलिस ने लूटा सीमेंट लदा ट्रक बरामद किया

दो अपराधी गिरफ्तार, 35 टन सीमेंट सहित ट्रक जब्त

देवघर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। देवघर के जसीडीह पुलिस ने सीमेंट से लदे एक लूटे गए ट्रक को बरामद किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने ट्रक से लगभग 35 टन सीमेंट भी जब्त किया है।

6/7 दिसंबर 2025 की रात जसीडीह थाना क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली थी कि तावाधाट टोल टैक्स के आगे से अज्ञात अपराधियों ने एक सीमेंट लदा ट्रक लूट लिया है और उसे चकाई की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया और संभावित रास्तों पर नाकेबंदी की गई।

पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई के बाद लूटे गए ट्रक को अपराधियों के कब्जे से बरामद कर लिया गया। ट्रक पर लगभग 700 बोरा (करीब 35 टन) सीमेंट लदा था, जिसे जब्त कर लिया गया है।

नक्सली लीडर रामधेर ने 11 साथियों के साथ किया सरेंडर

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में सक्रिय थे, एके-47, इंसास, एसएलआर जैसे हथियार पुलिस को सौंपे

खैरागढ़, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर बस्तर डिवीजन में सक्रिय सीपीआई (माओवादी) लीडर और सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) रामधेर मज्जी ने सोमवार को खैरागढ़ के कुम्ही गांव, बकरकट्टा थाने में 11 साथियों के साथ सरेंडर किया। नक्सलियों ने पुलिस के सामने हथियार डाले।

रामधेर मज्जी ने एक एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। उनके साथ डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) रैंक के चंदू उसेंडी, ललिता, जानकी और प्रेम ने भी सरेंडर किया, जिनमें से दो के पास एके-47 और इंसास राइफल थीं।

इसके अलावा एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) स्तर के रामसिंह दादा और सुकेश पोट्टम ने भी हथियार डाले। इसी क्रम में पार्टी मेंबर (पीएम) लेवल के लक्ष्मी, शीला, योगिता, कविता और सागर ने भी आत्मसमर्पण किया। इनके पास से एके-47, इंसास, एसएलआर, .303 और .30 कार्बाइन समेत कई हथियार बरामद किए गए।

सभी नक्सली एमएमसी (महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) स्पेशल जोनल कमेटी में सक्रिय थे, जिसकी तीन राज्यों के छह जिलों तक गहरी पैठ थी। सभी 12 नक्सलियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

एक दिन पहले रविवार को मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में 10 नक्सलियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने अपने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण किया। इसमें 62 लाख रुपए के इनामी हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र उर्फ कबीर भी शामिल हैं।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद का शताब्दी समारोह आज

गौतम अडानी होंगे मुख्य अतिथि, सप्ताहभर चला जश्न, उपलब्धियों भरा रहा है सफर

धनबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद अपने गौरवशाली सफर के 100 साल पूरे कर रहा है। देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में शामिल यह संस्थान 9 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस शताब्दी समारोह के रूप में मना रहा है। मुख्य कार्यक्रम में उद्योगपति और अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस दौरान वे छात्रों और शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए संस्थान के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण संदेश देंगे। समारोह में संस्थान की सौ साल की यात्रा, उपलब्धियां और अगले शताब्दी के लक्ष्य का खाका पेश किया जाएगा।

संस्थान 3 से 9 दिसंबर तक शताब्दी स्थापना सप्ताह मना रहा है। इस दौरान कैंपस में नवाचार, रिसर्च, स्टार्टअप, एल्युमनाई नेटवर्क और तकनीकी प्रगति से जुड़े कई थीम-आधारित आयोजन किए गए। छात्रों और शोधकर्ताओं के प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करता टेक शोकेस, संस्थान की ऐतिहासिक विरासत दर्शाती हेरिटेज प्रदर्शनी और विशेषज्ञों के व्याख्यान कार्यक्रमों का प्रमुख आकर्षण बने रहे।

इसके अलावा सांस्कृतिक आयोजन और ड्रोन शो ने पूरे सप्ताह कैंपस के माहौल को उत्सवमय बनाए रखा। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की स्थापना 9 दिसंबर 1926 को हुई थी। तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने इसका उद्घाटन किया था। शुरुआत एक विशेष स्कूल के रूप में हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य खनन और भू-विज्ञान क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करना था।

शराब-घोटाला: चैतन्य-बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

कई दिनों तक चली दलीलें, फैसला सुरक्षित 18 जुलाई से जेल में बंद हैं पूर्व सीएम के बेटे

बिलासपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और चैतन्य बघेल की ओर से कई दिनों तक चली दलीलों के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में हाईकोर्ट कभी भी आदेश जारी कर सकता है।

शराब घोटाले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल 18 जुलाई से जेल में बंद हैं। उनकी ओर से अदालत में गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए राहत की मांग की गई थी। वहीं ईडी ने अपने पक्ष रखते हुए चैतन्य के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों पर विस्तार से तर्क दिया।

इस अहम मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई। न्यायालय की तरफ से फैसला सुरक्षित रखने के बाद अब राजनीतिक और प्रशासनिक हल्कों में फैसले को लेकर कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील सौरभ पाण्डेय ने बताया था कि शराब घोटाले का जो इन्वेस्टिगेशन चल रहा था उसमें एविडेंस मिले हैं, जिसमें चैतन्य बघेल ने बहुत सारे पैसे को लेयरिंग की है। 1000 करोड़ का लेनदेन किया है। पप्पू बंसल ने अपने बयान में खुलासा किया है।

शराब के घोटालों के पैसों को चैनलाइज्ड करके चैतन्य बघेल तक पहुंचाया जाता था। लिकर स्कैम का पैसा अनवर ढेबर के जरिए दीपेंद्र चावड़ा फिर वह पैसा केके श्रीवास्तव और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल औ उसके बाद चैतन्य बघेल के पास यह पैसा पहुंचता था।

टाटा जू में 10 काले हिरणों की मौत

बैक्टीरियल संक्रमण की आशंका, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार, अब जू में बचे 8 ब्लैकबक

जमशेदपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में काले हिरणों की मौत प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है।

एक दिसंबर से छह दिसंबर के बीच कुल 10 ब्लैकबक की मौत दर्ज की गई है। जू में पहले 18 काले हिरण थे, जिनमें से अब केवल 8 ही जीवित बचे हैं।

जू प्रबंधन शेष हिरणों की सुरक्षा और उपचार में पूरी तरह जुटा हुआ है। मरने वाले हिरणों के नमूने रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजे गए हैं और शवों का पोस्टमॉर्टम भी कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चलेगा।

प्रारंभिक जांच में मृतकों के बैक्टीरियल संक्रमण से मरने की संभावना जताई जा रही है। जू के उप निदेशक डॉ. नइम अख्तर ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और जू की पशुचिकित्सा टीम लगातार कार्रवाई कर रही है।

इस प्रयास में एनिमल हसबैंड्री विभाग और रांची वेटरिनरी कॉलेज के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

सभी आवश्यक नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और शेष ब्लैकबक की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। जू प्रशासन ने शेष हिरणों की बेहतर देखभाल और उपचार के लिए सभी आवश्यक उपाय किए हैं।

उनके इलाज और देखभाल में सुधार के सकारात्मक प्रभाव भी दिख रहे हैं।

इसके अलावा सभी शाकाहारी प्राणियों की सुरक्षा के लिए बायोसेक्योरिटी उपाय कड़े कर दिए गए हैं और बाड़ों के प्रबंधन को मजबूत किया गया है।

केंदुआडीह गैस रिसाव मामला, विस्थापन प्रस्ताव खारिज

ग्रामीण बोले- पुश्तैनी जमीन नहीं छोड़ेंगे खतरनाक स्थिति पर पहुंचा गैस का स्तर

धनबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद के केंदुआडीह में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस रिसाव से प्रभावित ग्रामीणों ने बीसीसीएल के विस्थापन प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है। सोमवार को ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे अपनी पुश्तैनी जमीन छोड़कर बेलगड़िया या करमाटांड नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, मर जाएंगे, लेकिन जमीन नहीं छोड़ेंगे।

केंदुआडीह बस्ती के लोगों का कहना है कि यह जमीन उनकी पीढ़ियों की विरासत है और इसे छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता।

ग्रामीणों के अनुसार, गैस रिसाव की घटना के बाद बीसीसीएल उन्हें बेलगड़िया या करमाटांड में स्थानांतरित करने की बात कर रहा है, लेकिन यह उनके जीवन-यापन के लिए यह संभव नहीं है। इधर, गैस का स्तर खतरनाक स्थिति पर पहुंच चुका है।

इधर, बीसीसीएल प्रबंधन ने

सोमवार को गैस प्रभावित बस्ती के सभी घरों में नोटिस चिपकाकर क्षेत्र को असुरक्षित घोषित कर दिया है। नोटिस में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि यह क्षेत्र असुरक्षित है। वर्तमान स्थिति में यहां रहना खतरनाक है। गैस की वजह से जान का खतरा है।

प्रबंधन के काफी प्रयासों के बावजूद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसलिए लोग फिलहाल इस क्षेत्र में न रहें। बीसीसीएल की ओर से लगाए जा रहे ये नोटिस प्रभावित क्षेत्र के घर-घर चिपकाए जा रहे हैं ताकि लोगों को संभावित खतरे से अवगत कराया जा सके।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से इसी बस्ती में रहते आए हैं। उनका मानना है कि बीसीसीएल प्रबंधन को उन्हें विस्थापित करने के बजाय गैस निकालने और समस्या का तकनीकी समाधान खोजने पर ध्यान देना चाहिए। लोगों का कहना है कि दूसरी जगह जाने पर उन्हें न तो रोजगार मिलेगा और न ही आवश्यक सुविधाएं, जिससे उनके लिए बसेरा बदलना असंभव होगा। ग्रामीण मो. साजिद नामक ने कहा, हमारी रोजी-रोटी, हमारा काम-काज, सब कुछ इसी क्षेत्र से जुड़ा है। दूसरी जगह जाकर हम क्या करेंगे? बीसीसीएल को समस्या का समाधान करना चाहिए, विस्थापन कोई समाधान नहीं है। गैस रिसाव की घटना को छह दिन से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम न उठाए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से भूमिगत खदान का पंखा चालू करने और ड्रिलिंग कर गैस निकालने जैसी मांगें बीसीसीएल के सामने रख रहे हैं।

झारखंड शीतलहर की चपेट में

गुमला 3 .5C और कांके 4 .4C के साथ सबसे ठंडा, आईएमडी का 'येलो अलर्ट'

रांची, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में शीतलहर का प्रकोप जारी है और गुमला में राज्य का न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने राजधानी रांची समेत गढ़वा, पलामू , चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, रामगढ़, बोकारो और खूंटी सहित 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र के अनुसार तापमान में गिरावट उत्तर-पश्चिमी हवा के निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर सक्रिय रहने से हो रही है। रांची स्थित मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को गुमला का न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रांची समेत कई जिलों का पारा 10 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन

7721 करोड़ रुपए का द्वितीय अनुपूरक बजट हुआ पेश, वेल में घुसा विपक्ष

रांची, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन रहा। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 7721 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट सदन पटल पर रखा। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पूर्व सोमवार को दिन के 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सदन की कार्यवाही की शुरुआत हंगामेदार हुई। विपक्ष पहले सदन के बाहर सीढ़ियों पर नारेबाजी करता रहा।

सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी विधायक वेल तक पहुंच गए। यहां भी वे लगातार नारेबाजी करते रहे। विपक्ष ने सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। प्रश्नकाल के दौरान लगातार हंगामा होने पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि अगर सदस्यों को हंगामा करना ही है, तो सर्वदलीय और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

उन्होंने बताया कि इस तरह का आचरण सदन की कार्यवाही को प्रभावित करता है। इसके बाद भी विधायक नहीं माने। जिसके बाद कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू हुई तब नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धान खरीदी के मामले को उठाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विपक्ष ने राज्य सरकार की नीतियों और हाल के फैसलों पर संयुक्त रणनीति तय की है। भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन कुमार के अनुसार विपक्ष सदन के दौरान राज्य में छात्रवृत्ति रोकने, परीक्षा शुल्क बढ़ाने और धान की खरीद में हो रही देरी जैसे मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरेगी।

परीक्षा शुल्क में असामान्य वृद्धि कर सरकार ने छात्रों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है, जबकि छात्रवृत्ति रोकने से लाखों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। धान खरीद को लेकर किसानों में भारी नाराजगी है।

बैठक में यह भी तय किया गया कि केंद्र सरकार पिछले वर्षों में राज्य को 12 लाख पीएफसी ब्लॉक आवंटित कर चुकी है, लेकिन राज्य सरकार के उदासीन रवैये के कारण इनका उपयोग नहीं हो सका। भाजपा नेताओं का आरोप है कि सरकार केवल घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर योजनाएं लागू करने में विफल है।

फल व्यापारी विश्वनाथ गुप्ता हत्याकांड का खुलासा

साहेबगंज, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। यहां एक सप्ताह पहले हुई फल व्यापारी की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में दो आईआरबी जवान और एक साइबर अपराधी शामिल है। पुलिस ने एक दिसंबर को हुए फल व्यापारी विश्वनाथ गुप्ता हत्याकांड का सोमवार को खुलासा किया।

एक दिसंबर को रात्रि में साहेबगंज नगर थाना क्षेत्र के तलबाना मोहल्ला में विश्वनाथ गुप्ता के घर में घुसकर अपराधियों ने लूटपाट की थी। उन्होंने विश्वनाथ गुप्त की हत्या भी कर दी थी। सुबह गुप्ता के परिजनो ने नगर थाना पुलिस को वारदात की सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने विश्वनाथ गुप्ता की बेटी ज्योति गुप्ता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने घटना की जांच के लिए विशेष अनुसंधान दल का गठन किया। जांच में पाया गया कि मृतक पैतृक संपत्ति में अपने हिस्से के मकान में दूसरे तल्ले में रहते थे। ज्योति गुप्ता ने बताया कि उसके पिताजी के पास सोने के गहने और नगद रुपये, बैंक के कागजात, मोबाइल, बैंक के एटीएम, जमीन के कागजात थे जो लूट के बाद कमरे में नहीं थे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और हर संभावना का विश्लेषण किया। जांच में तकनीकी टीम,फॉरेंसिक टीम, डॉग स्कॉड का सहयोग लिया गया।

तकनीकी टीम के सहयोग से दुमका जिले के जरमुंडी के साइबर अपराधी रोहित कुमार राउत को उसके घर से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि रोहित कुमार राउत को सुमित कुमार गुप्ता द्वारा विश्वनाथ गुप्ता की हत्या व लूट के बाद दो मोबाइल, दस्तावेज, एटीएम कार्ड आदि उपलब्ध कराया था। उससे कहा गया था कि इसमें काफी पैसा है, जिसको निकालना है। इसमें रोहित की हिस्सेदारी तय कर दी गई थी। रोहित कुमार राउत के बयान के बाद 30 साल के सुमित कुमार गुप्ता पिता राजेश कुमार गुप्ता को उसके घर से हिरासत में लिया गया। सुमित कुमार गुप्ता ने अपना अपराध स्वीकार किया।

बढ़ते विरोध के बाद सरकार का यू-टर्न

नई कलेक्टर गाइडलाइन के कई नियम बदले, अब जनता को सीधे मिलेगा लाभ

रायपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइडलाइंस को लेकर सरकार बैकफुट पर आ गई है। 20 नवंबर को लागू की गई नई कलेक्टर गाइडलाइंस से जमीन के दामों में दामों में वृद्धि हुई थी। इसके विरोध में राज्यभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। अब सोमवार को सरकार ने नई कलेक्टर गाइडलाइन के कुछ प्रावधानों में बदलाव का फैसला किया है। जमीनों की बढ़ी कीमतों के बीच सरकार ने यू-टर्न ले लिया है।

नई कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार, रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने

शहरों में लागू की गई नई दरों और वैल्यूएशन के प्रावधानों की समीक्षा करने का फैसला किया है। सेंट्रल वैल्यूएशन बोर्ड ने सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी है। सेंट्रल वैल्यूएशन बोर्ड की मीटिंग के बाद इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन और सुपरिटेंडेंट ऑफ स्टैंप्स, छत्तीसगढ़, रायपुर ने नई रिवाइज्ड गाइडलाइंस जारी की है। इन गाइडलाइंस में 6 बड़े बदलाव किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण के संबंध में प्राप्त सुझावों, ज्ञापनों और प्रस्तावों पर व्यापक परीक्षण करने के बाद केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के नगरीय विकास, रियल एस्टेट सेक्टर और आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

बैठक में निर्णय लिया गया कि नगरीय क्षेत्रों में 1400 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की इंक्रीमेंटल आधार पर गणना की वर्तमान प्रणाली को समाप्त कर दिया जाए। अब पुनः पूर्व प्रचलित उपबंध लागू होंगे, जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन किया जाएगा।

संसद में वंदे मातरम लेकिन बंकिमचंद्र चटर्जी का घर खंडहर

20 साल पहले आखिरी बार मरम्मत, वंशज बोले- ममता सरकार ने हमें भुला दिया

कोलकाता, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। 'पश्चिम बंगाल में जब लेफ्ट की सरकार थी और बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री थे, तब उस मकान को लाइब्रेरी बना दिया गया। तभी उसकी मरम्मत भी की गई थी और लाइब्रेरी भी रेगुलर चलती थी। ममता सरकार के आने के बाद से हालत बदतर हो गई है। लाइब्रेरी बंद पड़ी है। हम आज तक वहां जब भी गए, बंद ही मिली। इस सरकार में न हमें कोई पूछने वाला है और न हमारी विरासत को।'

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' लिखने वाले बंकिम चंद्र चटोपाध्याय की पांचवीं पीढ़ी से आने वाले सजल चट्टोपाध्याय सरकार की बेरुखी से नाराज हैं। वो कोलकाता में मौजूद बंकिम चंद्र के घर की जर्जर हालत के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। उन्होंने 9 नवंबर को इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा था कि सरकार ने जिस मकान को धरोहर मानकर लिया, उसे ही बदहाल छोड़ दिया।

7 नवंबर को वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर भाजपा ने देशभर में प्रोग्राम किए थे। इसी दौरान कोलकाता में बंकिम चंद्र के लाइब्रेरी बन चुके मकान के रखरखाव के मामले ने भी तूल पकड़ा। अब 8 दिसंबर यानी आज संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम पर विशेष चर्चा हो रही है।

मकान को धरोहर बनाया लेकिन मरम्मत और साफ-सफाई भूले

सबसे पहले हम कोलकाता में बंकिम चंद्र के मकान पहुंचे, जिसके रखरखाव को लेकर सारा विवाद है। सड़क के एक तरफ मेडिकल कॉलेज और दूसरी ओर गली है। पश्चिम बंगाल में रही लेफ्ट की सरकार ने मकान का अधिग्रहण कर लिया था। इसे लाइब्रेरी में तब्दील कर 2006 में शुभारंभ भी कर दिया गया था। इसके बाहर लगे बोर्ड में लिखा है- 'साहित्य सम्राट स्मृति लाइब्रेरी' पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित।

रविवार होने के कारण लाइब्रेरी बंद मिली। साफ-सफाई भी नहीं दिखी। गेट के बाहर कचरे का ढेर लगा था। गेट पर ही मुलाकात पास में रहने वाले धर्मेंद्र यादव से हुई। वे बताते हैं कि इस गली में बंगाली और बिहारी दोनों रहते हैं। लाइब्रेरी के साथ ही आसपास की बिल्डिंग काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी है।

लाइब्रेरी की हालत के बारे में पूछने पर धर्मेंद्र कहते हैं, 'यहां साफ-सफाई का हाल आप खुद ही देख लीजिए। सोमवार से शनिवार तक एक शख्स आकर लाइब्रेरी खोल देता है। हालांकि ज्यादा कोई आता-जाता नहीं है। बाहर की हालात देखकर ही समझ आता है कि अंदर क्या हाल होगा। सरकार की तरफ से तो कोई नहीं आता, लेकिन आसपास के लोग इसे मौका पड़ने पर साफ कर देते हैं।'

इसे लेकर हो रही सियासत के बारे में पूछने पर धर्मेंद्र कहते हैं, 'हां, 'वंदे मातरम' को 150 साल पूरे होने पर कुछ दिन पहले भाजपा ने यहां प्रोग्राम रखा था। उस दिन उन्हें लाइब्रेरी का गेट नहीं खोलने दिया गया था।'

मकान को लेकर हो रही सियासत पर एक लोकल शख्स नाम न लिखने की शर्त पर बताते हैं, 'यहां आस-पास ज्यादातर टीएमसी समर्थक रहते हैं। ये ज्यादातर बंगाली हैं। जिस दिन शुभेंदु अधिकारी को आना था, उससे एक रात पहले जानबूझकर ये सड़क तोड़ दी गई। उसके बाद से ये अभी एक रात पहले ही बनी है।'

चुनाव के वक्त बंकिम बाबू याद आए

इसी गली में नरेंद्र बारिक दुकान चलाते हैं। बंकिम चंद्र के मकान को लेकर हो रही सियासत पर वे कहते हैं, 'बंकिम बाबू का

पैतृक घर नैहाटी में था। यहां प्रताप चटर्जी रोड में वो पढ़ने आते थे। मैं यहां लंबे समय से रह रहा हूं। 2005 में लेफ्ट की सरकार के वक्त इसे रेनोवेट किया गया।'

'तब मोहम्मद सलीम सांसद थे। उन्होंने सांसद निधि से खर्च कर इसकी मरम्मत कराई थी। मुझे आज भी याद है, तब मुख्यमंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य यहां बनी लाइब्रेरी का उद्घाटन करने आए थे। उसके बाद से इस भवन में कोई काम नहीं हुआ। भवन की हालत देखकर भी इसका अंदाजा आप भी लगा सकते हैं। आस-पास के लोग ही थोड़ी बहुत साफ-सफाई करते हैं। इस लाइब्रेरी में भी कोई आता-जाता नहीं है।'

नरेंद्र आगे बताते हैं, 'लेफ्ट की सरकार के दौरान इसमें दो लाइब्रेरियन आते थे। तब कुछ लोग पढ़ने भी आते थे। कुछ विदेशी भी आते थे, लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं है। कहने को लाइब्रेरी है और सोमवार से शुक्रवार तक खुलती भी है लेकिन कोई आता-जाता नहीं दिखता है। एक लाइब्रेरियन है वो भी मनमर्जी का मालिक है।'

इस मामले में बंकिम चंद्र की पांचवीं पीढ़ी से आने वाले सजल चट्टोपाध्याय से भी मुलाकात की। उनके वंशज कोलकाता के शोभा बाजार में रहते हैं। वे पिछले कई सालों से बंकिम चंद्र की धरोहर के रख-रखाव को लेकर सवाल उठा रहे हैं। सजल बताते हैं, 'बंकिम बाबू की ज्यादातर संपत्ति आजादी के बाद से ही देश की धरोहर में शामिल कर ली गई। लेकिन आज ये स्थिति है कि उनके वंशजों को कोई पूछने वाला नहीं है।'

'हम जिस राज्य में रहते हैं, वहां की सरकार न हमें जानती है और न ही हमें कभी याद किया जाता है। अगर बंकिम चंद्र के परिवार में कोई जिंदा है तो कौन है, कहां रहता है, इस सरकार ने कभी ये भी जानने की कोशिश नहीं की। ममता बनर्जी ने भी कभी हमें याद नहीं किया। हमें इस बात का बहुत दुख है।'

आस-पास के लोगों ने बताया कि हफ्ते में कुछ दिन लाइब्रेरी खुलती है। इस पर सजल कहते हैं, 'पिछले महीने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी वहां गए थे और लाइब्रेरी खुलवाने के लिए कहा था, आखिर तब क्यों नहीं खोली गई। बंकिम चंद्र देश की विरासत हैं, लेकिन फिर भी नहीं खोली।

अपनी मांगों को लेकर सजल कहते हैं, 'भाजपा कई सालों से वंदे मातरम् का मुद्दा उठा रही है, लेकिन अब ये हाईलाइट हुआ है। इस गीत का इस्तेमाल हर कोई कर रहा है। हालांकि हो सकता है कि आने वाली पीढ़ी बंकिम बाबू को न जाने। इसलिए इस पर आज ही बात होनी चाहिए।'

'हमारी मांग है कि जिस तरह देश के अलग-अलग हिस्सों में रवींद्र भवन बने हैं, उसी तरह से बंकिम भवन बनाए जाएं। देश में जैसे विद्यासागर के नाम पर विश्वविद्यालय है, वैसे ही बंकिम चंद्र के नाम पर विश्वविद्यालय क्यों नहीं, जबकि वो देश के पहले ग्रेजुएट थे। इसलिए अब मेरी केंद्र सरकार से गुजारिश है। उनके नाम पर एक विश्वविद्यालय जरूर बनाया जाए।'

यहां मजदूर सोते और आसपास के लोग कपड़े सुखाते हैं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य इस मुद्दे को लेकर कहते हैं, 'फिलहाल ये मकान कोलकाता कॉर्पोरेशन की देख-रेख में है। जहां एक लाइब्रेरी है लेकिन वहां कोई नहीं आता है। हां, बाहर कुछ मजदूर सोए मिलते हैं और आसपास के लोग कपड़े सुखाते हैं। मकान बहुत ही खराब हालात में है।

वंदे मातरम को लेकर हो रहे विवाद पर वे कहते हैं, 'भाजपा वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह के दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गई। उन इलाकों में भी गए, जहां बंकिम बाबू रहे थे। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी उनके घर जाने लगे तो पहले रास्ते तोड़ दिए गए। फिर वहां पहुंचने पर गेट में ताला लगा मिला। इन सब से साफ नजर आता है कि टीएमसी बांग्ला के इतने बड़े उपन्यासकार के साथ कैसा व्यवहार कर रही है।

इस आरोपों को लेकर हमने टीएमसी लीडर्स से भी बात करने की कोशिश की लेकिन ऑन रिकॉर्ड कोई सामने नहीं आया। एक लीडर ने नाम न लिखने की शर्त पर कहा कि भाजपा वंदे मातरम् पर सिर्फ राजनीति कर रही है। जहां तक घर की बात है, वो हमारी धरोहर है, जिसकी देखरेख हो रही है। वहीं पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने मीडिया से कहा, 'भाजपा विभाजनकारी सियासत करती है। हिंदुओं और मुसलमानों, ब्राह्मणों और दलितों के बीच विभाजन पैदा करती है। अब वो दो महान बंगालियों रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र के जरिए दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है।'

'वंदे मातरम' को 1950 में भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया था। इसे 1870 के दशक में बंकिम चंद्र ने संस्कृत निष्ठ बंगाली में लिखा था।

ये उनके बंगाली उपन्यास आनंदमठ का ही हिस्सा है, जिसे पहली बार 1882 में प्रकाशित किया गया था। इसके 150 साल पूरे होने पर केंद्र सरकार ने विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया था।

कंबोडिया में एफ-16 जेट से भीषण हवाई हमला

ट्रंप का युद्धविराम समझौता 2 महीने भी नहीं टिक पाया, थाईलैंड ने अब क्यों छेड़ी जंग?

बैंकॉक/नोम पेन्ह, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान, इजरायल-फिलीस्तीन, चीन-ताइवान, अजरबैजान-आर्मेनिया और अफगानिस्तान के बाद थाईलैंड और कंबोडिया संघर्ष का नया क्षेत्र बन गया है। इस साल जुलाई में करीब एक हफ्ते तक चले भीषण युद्ध के बाद थाईलैंड और कंबोडिया एक बार फिर युद्ध के मैदान में हैं। थाईलैंड के हवाई हमलों के बाद दोनों देशों के बीच फिर से युद्ध शुरू होने आशंका है, जबकि अक्टूबर महीने में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में दोनों देशों ने युद्धविराम के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

थाईलैंड ने कहा कि उसने सोमवार को कंबोडिया के साथ अपनी विवादित सीमा पर हवाई हमले किए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कराए गये युद्धविराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया है। दोनों देशों के बीच संघर्ष की शुरुआत 28 मई 2025 को उस समय हुई थी जब विवादित सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच गोलीबारी हुई और कंबोडिया के एक सैनिक की

मौत हो गई। इसके बाद करीब एक हफ्ते तक दोनों देश लड़े और फिर दोबारा ये युद्ध शुरू होने वाला है। इसीलिए आइये जानते हैं कि आखिर कैसे पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के बजाए और भड़का ही है।

थाईलैंड और कंबोडिया में फिर जंग के हालात

28 मई, 2025: कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि विवादित बॉर्डर एरिया में थाई सैनिकों के साथ गोलीबारी में उसका एक सैनिक मारा गया।

23 जुलाई 2025: थाईलैंड ने कंबोडिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया और कहा कि वह कंबोडिया के राजदूत को देश से निकाल रहा है। यह घटना विवादित बॉर्डर पर एक लैंडमाइन ब्लास्ट बाद हुई, जिसमें एक थाई सैनिक घायल हो गया था।

24 जुलाई 2025: बॉर्डर पर हथियारों के साथ झड़पें हुईं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाईलैंड ने F-16 जेट तैनात किए, जिनमें से एक ने कंबोडियाई मिलिट्री टारगेट पर बमबारी की।

25 जुलाई 2025: लड़ाई तेज हुई और कई फ्रंटलाइन पर भारी आर्टिलरी फायर और रॉकेट हमले किए गये। ये लड़ाई पिछले एक दशक में दोनों देशों के बीच हुई सबसे हिंसक झड़प थी। इसके बाद की लड़ाई में कम से कम 48 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे। करीब 3 लाख लोग बेघर हो गये।

26 जुलाई 2025: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के नेताओं को फोन किया और कहा कि दोनों जल्द ही युद्धविराम पर बातचीत करने के लिए मिलने के लिए तैयार हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार सीजफायर हो जाने पर ट्रेड टैरिफ पर वॉशिंगटन के साथ उनकी बातचीत फिर से शुरू हो सकती है।

28 जुलाई 2025: मलेशिया, यूनाइटेड स्टेट्स और चीन की दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिशों के बाद, दोनों देशों के नेताओं ने मलेशिया के पुत्रजया में दुश्मनी खत्म करने, सीधी बातचीत फिर से शुरू करने और युद्धविराम को लागू करने के लिए एक सिस्टम बनाने के लिए एक एग्रीमेंट पर साइन किए।

26 अक्टूबर 2025: थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने ट्रंप की मौजूदगी में एक सीजफायर डील पर साइन किए।

ट्रंप के दखल की वजह से उन्हें कंबोडिया से नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था। यह एग्रीमेंट तीन महीने पहले साइन किए गए सीजफायर पर आधारित थी।

खाड़ी के 2 सबसे ताकतवर मुस्लिम मुल्कों के रिश्तों में आया भूचाल?

सुन्नी देशों में दोस्ती से 'जंग' की कहानी

रियाद/अबू धाबी, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने अमेरिका के दौरे पर गये सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नायहान की डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत की थी। ये शिकायत उस बात को लेकर थी कि यूएई सूडान को हथियारों की सप्लाई कर रहा है, जिससे सूडान में हजारों लोगों की हत्याएं हो रही हैं। इस शिकायत के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाशिंगटन दौरे के दौरान सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कथित तौर पर डोनाल्ड ट्रंप से सूडान में पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को मदद देने के लिए अबू धाबी पर प्रेशर बनाने के लिए कहा था।

पाकिस्तान 2 यौन अपराधियों को ब्रिटेन से बुलाने को तैयार

ये 47 नाबालिग लड़कियों के शोषण में शामिल 2 राजनीतिक विरोधी भी सौंपने की शर्त

लंदन, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ब्रिटेन से अपने देश के यौन अपराधियों को वापस लेने के लिए तैयार है, बशर्ते ब्रिटेन को पाकिस्तान के दो प्रमुख राजनीतिक विरोधियों को भी सौंपना होगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान जिन अपराधियों को वापस लेने की बात कर रहा है, वे 47 नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने वाली रोचडेल ग्रूमिंग गैंग के दोषी कारी अब्दुल रऊफ और आदिल खान हैं।

वहीं पाकिस्तान जिन दो राजनीतिक विरोधियों को वापस सौंपने की मांग कर रहा है उनके नाम शहजाद अकबर और आदिल राजा है। दोनों कई साल से ब्रिटेन में रह रहे हैं। ये इमरान खान समर्थक माने जाते हैं और पाकिस्तान की मौजूदा सरकार पर लगातार सवाल उठाते हैं।

शहजाद अकबर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी और एंटी करप्शन मामलों के एक्सपर्ट है। जबकि आदिल राजा पाकिस्तान सेना में मेजर थे, वे अब यूट्यूब पर सेना के खिलाफ बोलते हैं।

ग्रूमिंग गैंग के मेंबर अब्दुल रऊफ और आदिल खान नाबालिग लड़कियों को मुफ्त खाना, शराब, सिगरेट और ड्रग्स देकर फंसाते थे। फिर इन लड़कियों के साथ मार-पीट और जबरदस्ती रेप करते थे। ये पूरा मामला 2008 से 2010 तक चला।

2012 में कोर्ट ने आदिल खान ने एक 13 साल की लड़की को प्रेग्नेंट करने और एक 15 साल की लड़की को बेचने (ट्रैफिकिंग) का दोषी पाया था। वहीं, अब्दुल रऊफ 15 साल की लड़की के साथ बार-बार यौन शोषण का दोषी ठहराया गया था।

आदिल खान को 8 साल और अब्दुल रऊफ को 6 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। दोनों ने आधी से भी कम सजा काटी और जल्दी रिहा हो गए।

रिहाई के बाद ब्रिटेन सरकार ने इन दोनों को पाकिस्तान डिपोर्ट करने की कोशिश की, क्योंकि इनके अपराध बहुत गंभीर थे।

पूर्व पीएम खालिदा जिया का स्वास्थ्य गंभीर

लंदन में होगा उपचार, कल ढाका पहुंचेगी एयर एंबुलेंस

ढाका, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को चिकित्सा उपचार के लिए लंदन ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जा रही है। यह एयर एंबुलेंस कल ढाका में उतरेगी। विमानन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बांग्लादेश के विमानन प्राधिकरण (सीएबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि इस विमान को मंगलवार सुबह आठ बजे उतरने का समय दिया गया है और यह उसी दिन रात नौ बजे लंदन के लिए उड़ान भरेगा।

समाचार पोर्टल टीबीएस न्यूज के मुताबिक, यह विमान कतर सरकार ने उपलब्ध कराया है, जिसे जर्मनी स्थित विमानन समूह एफएआई से किराए पर लिया गया है। पहले की योजना में एफएआई ने मंगलवार को उतरने और बुधवार को लंदन के लिए उड़ान भरने की मंजूरी मांगी थी।

खालिदा जिया (80 वर्षीय) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष हैं। वह ढाका में एवरकेयर अस्पताल में करीब दो हफ्ते से कई बीमारियों का उपचार करवा रही हैं।

तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी खालिदा की पहले एयर एंबुलेंस से शुक्रवार सुबह रवाना होने की उम्मीद थी। लेकिन बाद में बीएनपी ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण विमान की आगमन में देरी हुई। एयर एंबुलेंस कतर के अमीर की ओर से उपलब्ध कराई गई है।

उनकी रविवार को प्रस्थान होने की योजना में बदलाव किया गया, क्योंकि वह लंबी दूरी के लिए अभी भी अस्वस्थ हैं। उनके निजी चिकित्सक और बीएनपी की नीति निर्धारण स्थायी समिति के सदस्य डॉ. एजएम जाहिद हुसैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया था कि खालिदा जिया की लंदन यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है।

ढाका में कतर दूतावास ने कहा कि बदली गई एयर एंबुलेंस बॉम्बार्डियर चैलेंजर (सीएल-60 सीरीज) पूरी तरह से गहन उपचार उपकरणों से लैस है, जिसमें वेंटिलेटर, मॉनीटर, इन्फ्यूजन पंप और ऑक्सीजन सिस्टम शामिल हैं और इसमें डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिक्स हैं, जो हवाई यात्रा में गहन देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित हैं।

खालिदा जिया आखिरी बार जनवरी में कतर के अमीर के निजी बेड़े से एयर एंबुलेंस के जरिये लंदन गई थीं।

तुर्की ने पाकिस्तान को दिया एएनकेए-3 स्टील्थ ड्रोन का ऑफर

रडार से गायब होकर हमला करने की क्षमता! भारत को कितना खतरा?

अंकारा/इस्लामाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी अखबारों ने दावा किया है कि तुर्की ने पाकिस्तान एयरफोर्स को एएनकेए-3 स्टील्थ ड्रोन बेचने का ऑफर दिया है। टाइम्स ऑफ इस्लामाबाद की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तुर्की ने आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान को अपना अगली पीढ़ी का एएनकेए-3 स्टेल्थ अनमैन्ड कॉम्बैट एरियल व्हीकल ऑफर किया है। तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने इस ड्रोन को डेवलप किया है, जिससे पाकिस्तान एयर फोर्स को एक डीप-स्ट्राइक क्षमता मिल सकती है। हालांकि तुर्की ने अपने बायरकतार टीबी-2 ड्रोन को लेकर भी ऐसे ही दावे किए थे, लेकिन भारत के खिलाफ ये नाकाम हो गये थे। जिससे बायरकतार टीबी-2 ड्रोन की बिक्री बुरी तरह से खराब हो गई है।

आजादी की सालगिरह: एक साल पहले सत्ता छोड़ रूस भागे थे असद

दमिश्क, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में बशर अल-असद के शासन के गिरने को आज ठीक एक साल पूरा हो गया। 8 दिसंबर 2024 को विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया था और असद रूस भाग गए थे। पूरे देश में लोग इस दिन को आजादी की सालगिरह के रूप में मना रहे हैं।

तख्तापलट के बाद अहमद अल-शरा अंतरिम राष्ट्रपति बने। नवंबर में वे 78 साल में पहले सीरियाई नेता बने जो अमेरिका गए।

हालांकि, अभी भी देश के अंदर तनाव बना हुआ है। हाल ही में अलवी और दूज अल्पसंख्यकों पर हमले हुए हैं, स्वेदा शहर में दूज ने अपनी अलग व्यवस्था बना ली है, कुर्द इलाकों में तनाव है और इजराइल दक्षिण में बफर जोन पर कब्जा जमाए बैठा है।

असद के जाने के बाद से बारूदी सुरंगों से 590 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 167 बच्चे हैं। अर्थव्यवस्था अब भी कमजोर है, बड़े पुनर्निर्माण का काम शुरू नहीं हुआ।

लोग खुद अपने टूटे घर और दुकानें ठीक कर रहे हैं। दस लाख शरणार्थी लौट आए हैं, लेकिन नौकरियां न होने से कई फिर बाहर जाने की सोच रहे हैं। नई सरकार के सामने सुरक्षा, एकता और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बहुत बड़ी चुनौती है।

वहीं, सीरिया और इजराइल के रिश्ते लंबे समय से तनावपूर्ण हैं। असद के पतन के बाद इजराइल ने सीरिया पर हवाई हमले बढ़ा दिए थे।

अल-शरा ने हाल ही में कहा था की वो 1974 के डिसएंगेजमेंट समझौते को फिर शुरू करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द ही कोई डील हो सकती है। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे 'भविष्य की बात' बताकर टाल दिया।

31 मई 1974 को इजराइल और सीरिया के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (यूएनडीओएफ) की स्थापना की गई थी और दोनों देशों के बीच एक बफर जोन (हाइट्स बफर) बनाया गया था।

इसका मकसद इजराइल और सीरिया के बीच सैन्य गतिविधियों को रोकना और शांति बनाए रखना था।

पाकिस्तान बोला- जयशंकर का बयान उकसाने वाला

इस्लामाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के उस बयान की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने पाक आर्मी को भारत की कई समस्याओं की वजह बताया था। पाकिस्तान ने कहा कि है उसकी सेना राष्ट्रीय सुरक्षा का मजबूत स्तंभ हैं।

जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में हुए हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में कहा था कि पाकिस्तान की कई नीतियां उसकी सेना की वजह से प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी ज्यादातर समस्याएं वहीं से पैदा होती हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंदराबी ने इस बयान को उकसाने वाला, आधारहीन और गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार देश है और उसकी सेना किसी भी आक्रमण का जवाब देने में सक्षम है।

अंदराबी ने मई महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष का जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तानी सेना ने उस समय देश की रक्षा क्षमता को साबित किया था।

पाकिस्तान में जो रहा वो 80 साल का इतिहास

समिट के दौरान जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान में आज जो हो रहा है वो इसके 80 साल पुराने इतिहास का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में किसी न किसी तरीके से सेना ही शासन करती है, कभी सेना खुलकर ये काम करती है, कभी पर्दे के पीछे से।

पाकिस्तान ने कहा कि जयशंकर का यह बयान उसकी संस्थाओं और नेतृत्व को बदनाम करने की भारतीय कोशिशें एक दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा हैं। इसका मकसद भारत की अस्थिर करने वाली गतिविधियों और पाकिस्तान में भारत समर्थित आतंकवाद से ध्यान भटकाना है।

पाकिस्तान ने एक बार फिर चीन के अरुणाचल प्रदेश पर दावे का खुलकर समर्थन किया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने 5 दिसंबर को प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े हर मुद्दे पर पाकिस्तान का लगातार और पूरा समर्थन चीन के साथ है।'

पाकिस्तानी सेना को बांटना चाहते हैं इमरान खान

रक्षा मंत्री का बड़ा हमला, भारत और तालिबान के खिलाफ उगला जहर, दी धमकी

इस्लामाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में असीम मुनीर के सीडीएफ बनने के बाद भी इमरान खान के खिलाफ जुबानी हमले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। अदियाला जेल के अंदर इमरान खान की प्रताड़ना के बीच रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पीटीआई नेता पाकिस्तानी सेना और उसके नेतृत्व को बांटकर देश को अस्थिर करना चाहते हैं। आसिफ ने कहा कि अदियाला जेल के कैदी को देश को अस्थिर नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इमरान खान का यह कदम 'बहुत निंदनीय' है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने भारत को लेकर भी जहरीला बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को काफी नुकसान उठाना पड़ा और उसके पास रोने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि दोषी ठहराया जा चुका कैदी इस समय अदियाला जेल में बंद है और उसे किसी भी परिस्थिति में देश को अस्थिर नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की स्थिरता और अस्तित्व निजी अहंकार और राजनीति से ऊपर है। ख्वाजा ने कहा, 'अगर कोई व्यक्ति देश और उसके संस्थानों को निशाना बनाने के लिए दुश्मन ताकतों के हाथ का खिलौना बन जाता है तो ऐसे व्यक्ति को मानसिक रूप से बीमार कहना पूरी तरह से सही है।' पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने सेना के प्रेस कान्फ्रेंस को सही ठहराया और कहा कि अदियाला जेल में बंद इंसान और उसके समर्थकों के लगातार नफरत फैलाने की वजह से यह करना पड़ा जो देश में अप्रत्याशित है।

सरकार के 2 सालः बीजेपी का बड़ा प्लान तैयार

उपलब्धियां हर घर तक पहुंचाने को चलेगा विशेष अभियान

जयपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर व्यापक कार्यक्रमों की तैयारी तेज हो गई है। 15 दिसंबर से शुरू होने वाले विशेष अभियान के तहत पार्टी प्रदेशभर में डोर-टू-डोर कैंपेन चलाकर सरकार के कामकाज और विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगी। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंत्री-परिषद के सदस्यों और भाजपा विधायकों के साथ विस्तृत बैठक की।

जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़ने के निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जनप्रतिनिधि की अपनी जनता के प्रति जवाबदेही होती है और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार ने दोनों बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए विकास कार्यों का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विधायक और मंत्री अपने क्षेत्रों में नियमित प्रवास करें, जनता से फीडबैक लें और संगठन को मजबूत करने के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें।

15 दिनों तक विशेष कार्यक्रम, घर घर तक पहुंच

सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर 15 दिनों का विशेष कार्यक्रम भी तय किया गया है। इसमें जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्रों में पहुंचकर विकास कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाने, कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल बढ़ाने और विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी की योजना सरकारी योजनाओं की जानकारी घर घर तक पहुंचाने की है।

दो साल बनाम पांच साल, कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक में दावा किया कि दो वर्षों में ही भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार के पांच साल से अधिक कार्य कर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौता और रामजल सेतु लिंक परियोजना जैसे बड़े फैसलों ने प्रदेश में जल उपलब्धता की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

उन्होंने बताया कि पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। अब तक 92 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों में नियुक्तियाँ दी जा चुकी हैं और दिसंबर में 15 हजार से अधिक युवाओं को और नियुक्तियाँ मिलने जा रही हैं।

निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू करें

मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों को संगठन विस्तार पर जोर देने और अपने क्षेत्रों में नए लोगों को जोड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार के दो साल के विकास कार्यों को हर घर तक पहुंचाया जाए और आने वाले निकाय व पंचायत चुनावों के लिए बूथ स्तर तक तैयारी मजबूत की जाए। सरकार के दो साल पूरे होने पर भाजपा संगठन और सरकार मिलकर प्रदेशभर में राजनीतिक और जनसंपर्क गतिविधियों को गति देने जा रही है।

मंत्रिमंडल विस्तार से पहले मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने दिया बड़ा बयान

सियासी गलियारों में मच गई हलचल

दौसा, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पिछले कई महीनों से चल रही चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने कहा कि अभी तो मैं उप (डिप्टी सीएम) भी नहीं बना। कुछ करने लायक तो बनूं। मंत्री के इस बयान ने मंत्रिमंडल विस्तार की सियासी चर्चाओं को हवा दे दी है।

महुवा में अखिल भारतीय जाटव समाज संगठन की ओर से आयोजित समाज उत्थान समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना कहा कि क्षेत्र का विकास कराना मेरी और डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा की जिम्मेदारी है। इसी बीच लोगों ने महुवा को जिला बनाने की मांग उठा दी। जिस पर किरोड़ी मीना ने कहा कि अभी तो मैं उप (डिप्टी सीएम) भी नहीं बना। कुछ करने लायक तो बनूं।

उन्होंने कहा कि प्रेमचंद बैरवा को डिप्टी सीएम बनाया, जबकि ये दूसरी बार विधायक बने हैं और मैं छठी बार विधायक हूं। मैंने कह दिया था कि मेरा जवान भाई आगे रहना चाहिए, मैं इनके पीछे हूं और कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलूंगा। कृषि मंत्री के इस बयान ने मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच सियासी गलियारों में हलचल सी मचा दी है। माना जा रहा है कि राजस्थान में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजस्थान में भ्रष्टाचार का दुश्मन नंबर वन किरोड़ी है। कोई भ्रष्टचारी मिल जाए या आपको परेशान करे तो बताना। उसके इलाज की जिम्मेदारी मेरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ मोर्चा खोलकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

कांग्रेस पर प्रहार करते हुए डॉ मीना ने कहा कि गहलोत राज में भ्रष्टाचार चरम पर था, जहां युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। कांग्रेस राज में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जिसका परिणाम स्वरूप आज 67 थानेदार जेल की हवा खा रहे हैं। भ्रष्टाचार में लिप्त लोग भी जेल में बंद है। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों को सस्ता खाद दिलाने के लिए सरकार द्वारा जल्दी कानून बनाया जाएगा तथा खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना पहुंचे, जिनका बाईपास स्थित मीन भगवान मंदिर से अंबेडकर कॉलोनी तक करीब दो दर्जन स्थानों पर जेसीबी से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

भाजपा के दिग्गज नेता शिवराम कुशवाहा का निधन

शोक की लहर फैली, वसुंधरा राजे के थे बेहद करीब और विश्वसनीय नेता

जयपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के दिग्गज नेता शिवराम कुशवाहा (75 वर्ष) का आज सोमवार को जयपुर के एक अस्पताल में निधन हो गया। शिवराम कुशवाहा के निधन की सूचना के बाद राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर फैल गई है। शिवराम कुशवाहा, राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया के बेहद करीबी और विश्वसनीय नेता थे।

शिवराम कुशवाहा लंबे समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनका उपचार जयपुर के एक अस्पताल में चल रहा था। आज सोमवार को जयपुर के अस्पताल में शिवराम कुशवाहा ने अंतिम सांस ली। इस सूचना के बाद राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर फैल गई है। शिवराम कुशवाहा धौलपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक

थे।

कांग्रेस के दिग्गज नेता को भारी मतों से हराया था

शिवराम कुशवाहा को वसुंधरा राजे सिंधिया ने 1998 के चुनाव में टिकट दिया था। धौलपुर विधानसभा क्षेत्र से शिवराम कुशवाहा ने कांग्रेस के दिग्गज नेता और मंत्री बनवारी लाल शर्मा को भारी मतों से हराया था। कुशवाहा ने धौलपुर विधानसभा क्षेत्र से 2 बार और बाड़ी से एक बार चुनाव लड़ा था।

विरोधी भी करते थे सम्मान

राजस्थान की राजनीति में उनकी छवि हमेशा बेदाग, स्वच्छ और ईमानदार नेता के रूप में थी। उनकी सादगी व ईमानदारी की वजह से उनके विरोधी भी सम्मान करते थे। वह कुशवाहा समाज के एक बड़े चेहरे थे। उनके जाने से धौलपुर जिले की राजनीति में एक बड़ा शून्य आ गया है।

पैतृक गांव भिलगमा होगा अंतिम संस्कार

शिवराम कुशवाहा का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव भिलगमा में ही किया जाएगा। उनका जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। उनकी शुरुआती राजनीति धौलपुर की पंचायत समिति की बसई सामंता ग्राम पंचायत से शुरू हुई थी, जहां वह पहली बार 1977 में सरपंच बने और दो बार यह पद संभाला था। परिवार में उनकी पत्नी रामवती देवी, दो बेटे मनोज कुशवाहा और शिवाकांत कुशवाहा और तीन बेटियां हैं।

हनुमानगढ़ में भीषण सड़क हादसा

बाइक को बचाने के चक्कर में पलटी बस महिला टीचर सहित 3 लोगों की मौत

हनुमानगढ़, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में महिला टीचर सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 11 लोग घायल हो गए। हादसा संगरिया रोड पर पर गांव मानकसर के समीप हुआ हुआ। जहां बाइक को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर भिजवा गया है। हनुमानगढ़ जिला कलक्टर और एसपी ने मौके पर पहुंचकर ली जानकारी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं, बस को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु करवाया।

पुलिस के मुताबिक विश्वकर्मा ट्रेवल्स की बस सुबह हनुमानगढ़ से डबवाली जा रही थी। तभी बाइक को बचाने के चक्कर में बस सड़क किनारे लगे बोर्ड से टकराते हुए पलट गई। हादसे में बस सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बस के नीचे दबने से दो बाइक सवार युवकों ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में 11 लोग घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे में लखविंद्र सिंह पुत्र मंगू सिंह उम्र 40 साल निवासी नगराना, बग्गा सिंह पुत्र जगसीर सिंह उम्र 28 साल निवासी नगराना और कमलदीप कौर पुत्री बलवंत सिंह उम्र 35 साल निवासी नई आबादी हनुमानगढ़ टाउन हाल की मौत हो गई। कमलदीप सरकारी स्कूल में शारीरिक टीचर थी। वह रोजना बस से ही ड्यूटी पर जाती थी।

स्पेन से मंगवाए स्पाई कैमरे परीक्षा केंद्र के अंदर ही पेपर लीक

नकल कर सरकारी नौकरी पाने वाले 4 और अरेस्ट

जयपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने शनिवार को ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से चयनित हुए चार कनिष्ठ लिपिकों को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक गिरोह का सरगना पोरव कालेर समेत 20 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गैंग ने खासतौर पर स्पेन से मंगवाए गए स्पाई कैमरे से परीक्षा केन्द्र के अंदर से ही पेपर लीक किया था। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की ओर से आयोजित कनिष्ठ न्यायिक सहायक, लिपिक ग्रेड द्वितीय एवं सहायक लिपिक ग्रेड द्वितीय की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में हाई-टेक नकल कर चयनित इन चार अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है।

एडीजी बंसल के अनुसार ईओ-आरओ परीक्षा में अनुचित साधनों की जानकारी मिलने पर जांच शुरू हुई। इसमें खुलासा हुआ कि पेपर लीक सरगना पोरव कालेर और उसका साथी तुलसाराम कालेर लाखों रुपए लेकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से रियल टाइम उत्तर भरवा रहे थे। बाद में पता चला कि हाईकोर्ट कनिष्ठ लिपिक परीक्षा का पेपर भी इसी गिरोह ने लीक किया था।

एसओजी के मुताबिक, यूं करवाई गई नकल

-नकल करवाने के लिए दिनेश से 3 लाख, मनोज से 4 लाख, रमेश से 5 लाख और मनीष से 3 लाख रुपए लिए गए। -पोरव कालेर ने स्पेन से 90 हजार रुपए में 10 इनोवा कैम ड्रॉप बॉक्स स्पाई कैमरा मंगवाए। -परीक्षा में शामिल गैंग के सदस्यों को स्पाई कैमरे दिए गए। -प्रश्न पत्र मिलते ही कैमरे से फोटो लेकर पोरव को भेजा गया। -पोरव के एक्सपर्ट ने पेपर हल किया और उत्तर वापस भेजे। -ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये अभ्यर्थियों को रियल टाइम में सभी उत्तर पढ़ाए गए।

कलेक्ट्रेट को उड़ाने की धमकी से हड़कंप

परिसर की घेराबंदी कर सघन जांच, नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु

कोटा, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला कलेक्ट्रेट को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस में हड़कंप मच गया। यह धमकी भरा ईमेल जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया की आधिकारिक मेल आईडी पर भेजा गया था। मेल प्राप्त होने के तुरंत बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और इंटेलिजेंस टीम को मौके पर बुलाया गया।

सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। किसी को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। राहत की बात यह रही कि कई घंटे चली सर्चिंग के बावजूद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि कलेक्टर की मेल आईडी पर प्राप्त संदेश में दावा किया गया था कि कलेक्ट्रेट परिसर में छह स्थानों पर आरडीएक्स लगाया गया है। इसके बाद प्रशासन ने एहतियातन अदालतों का कामकाज भी रोक दिया और सभी कार्यालयों की जांच कराई।

पुलिस ने बताया कि धमकी भरे मेल में भेजने वाले ने खुद को केरल का निवासी बताते हुए धमकी दी थी। इसी मेल में एक कोचिंग संस्थान को उड़ाने की बात भी लिखी गई थी। दोनों स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया लेकिन कहीं से भी कोई विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई।

स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते के साथ-साथ आर्मी टीम को भी सर्च ऑपरेशन में शामिल किया गया। पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई। पुलिस ने बताया कि धमकी भेजने वाले ईमेल अकाउंट का आईपी एड्रेस ट्रेस किया जा रहा है।

एएसपी सैनी ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस तरह की धमकी भेजने में शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की साइबर स्तर पर जांच जारी है।

धमकी मिलने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में अदालतों का कामकाज बाधित हो गया। अधिवक्ताओं ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न्यायिक कार्य में बाधा डालती हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस ने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और एहतियात के तौर पर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम बापू को मिली जमानत रद्द करने की याचिका ठुकराई

राजस्थान हाई कोर्ट से किया अनुरोध

जयपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। स्वयंभू संत आसाराम बापू से जुड़े बहुचर्चित यौन-शोषण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मिली अंतरिम चिकित्सा जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया है। सोमवार को दिए गए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका खारिज करते हुए राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा दी गई राहत में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर दिया। हालांकि अदालत ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि वर्ष 2018 से लंबित आपराधिक अपील का शीघ्र निस्तारण आवश्यक है और राजस्थान हाई कोर्ट से इसे तीन माह के भीतर निपटाने का अनुरोध किया।

इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। पीठ ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में हाई कोर्ट द्वारा दी गई चिकित्सा जमानत को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता, लेकिन मामले की लंबित स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि आईपीएस और पोक्सो अधिनियम के तहत गंभीर आरोपों में दोषसिद्ध व्यक्ति को इस तरह से बार-बार अंतरिम राहत देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आसाराम ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है और चिकित्सा जमानत की अवधि के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लिया। साथ ही यह भी तर्क रखा गया कि आसाराम ऐसी 'वनस्पतिक अवस्था' में नहीं हैं, जैसा कि हाई कोर्ट के आदेशों में दर्शाया गया था। आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने पक्ष रखा। वहीं राजस्थान राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा और अधिवक्ता सोनाली गौर उपस्थित रहे। राज्य सरकार के अधिवक्ताओं ने शिकायतकर्ता की आपत्तियों का समर्थन करते हुए अपील की असामान्य देरी और पूर्व में ज़मानत शर्तों के उल्लंघन की ओर भी अदालत का ध्यान आकर्षित किया।

नाहरगढ़ लायन-सफारी में पर्यटकों से भरी बस में लगी आग

शेरों के बीच फंसे 15 टूरिस्ट, डेढ़ महीने में दूसरी लापरवाही

जयपुर, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में लॉयन सफारी के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। जंगल के बीचों-बीच, जहां शेर घूम रहे थे, 15 सैलानियों को ले जा रही एक सफारी बस में अचानक आग लग गई। इस घटना ने एक बार फिर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जंगल में मची अफरा-तफरी

यह घटना रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। बस जैसे ही जंगल के संवेदनशील हिस्से में पहुंची, उसमें से धुआं निकलने लगा। धुआं बढ़ता देख सैलानी घबरा उठे, क्योंकि उसी समय शेर 'शक्ति' पास ही घूम रहा था। दहशत के कारण कुछ सैलानियों ने उतरने की कोशिश भी की, लेकिन स्टाफ ने उन्हें रोक दिया।

त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन

बस ड्राइवर ने तुरंत वायरलेस से कंट्रोल रूम को सूचना दी। वन विभाग की टीम और रेंजर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने पर्यटकों को शांत कराया और तत्काल दूसरी बस अंदर भेजकर सभी 15 सैलानियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

सैलानियों के निकलते ही बस में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। पार्क के दमकल प्रयासों के विफल होने पर आमेर से दमकल बुलानी पड़ी, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल

यह घटना डेढ़ महीने के भीतर नाहरगढ़ पार्क में दूसरी बड़ी लापरवाही है। इससे पहले टाइगर सफारी के दौरान एक बस कीचड़ में फंस गई थी, जबकि टाइगर पास ही था।

इस घटना ने उजागर किया है कि पार्क में अभी भी पुरानी बसें चल रही हैं और फायर फाइटिंग सिस्टम का अभाव है। अधिकारियों ने कहा कि किसी पर्यटक या वन्यजीव को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन भविष्य में वाहनों की नियमित जांच और सुरक्षा मानकों को कड़ा किया जाएगा।

दिल दहला देने वाला हादसा, मदद करने गए चार लोगों की मौत, सात घायल

चित्तौड़गढ़, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। बेगूं उपखंड के पास कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। एक दुर्घटना में मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार कारों ने कुचल दिया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों को बेगूं व कार्टूदा में प्राथमिक उपचार के बाद चित्तौड़गढ़, कोटा और उदयपुर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, रात में गलत दिशा से आ रही एक कार ने मांडना के पास सामने से आ रहे बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार शंभूलाल और उनकी पत्नी काली बाई सड़क पर गिर गए। पास ही स्थित एक ढाबे से लोग उनकी मदद के लिए दौड़कर पहुंचे। इसी बीच, टक्कर मारने वाला कार चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। कुछ देर बाद पीछे से आ रही दूसरी कार ने सड़क पर मौजूद मददगारों को कुचल दिया। इस अफरा-तफरी के बीच घायलों की हालत देखने के लिए एक और कार रुकी, जिसे पीछे से आई एक अन्य कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार पलट गई और पीछे से टक्कर मारने वाली कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। थानाधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालों में हेमराज गुर्जर (35) पुत्र किशनलाल निवासी मांडना, राजेश मीणा (29) पुत्र भंवर लाल मीणा निवासी धानमंडी, बूंदी की मौके पर ही मौत हो गई। फोरूलाल गुर्जर (33) पुत्र बागाजी गुर्जर निवासी गुलिंडा, बेगूं और सोनू गुर्जर (40) पुत्र चंद्रा गुर्जर निवासी मोई, मांडलगढ़ जिला भीलवाड़ा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

गांव की लड़की से शादी का सपना देख बुरा फंसा झुंझुनूं का युवक

हैरत भरे मामले में 6 लाख रुपये की लगी चपत

झुंझुनूं, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शेखावाटी में झुंझुनूं जिले के मेहाड़ा थाना क्षेत्र में शादी कराने के नाम पर युवक से करीब छह लाख रुपये ठगने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिसे 'कोटा की लड़की' बताकर दिखाया गया, वह असल में उसी पीड़ित के गांव की लड़की निकली। पुलिस ने चार माह से फरार चल रहे आरोपियों में उस महिला और दो साथियों को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

शिकायतकर्ता राजकुमार ने 21 अगस्त को रिपोर्ट दी थी कि होशियार सिंह नामक व्यक्ति ने उसे कोटा की एक सुंदरी से शादी दिलाने का भरोसा दिया। शादी के लिए लड़की के पिता की इलाज की बातें कर अलग-अलग किस्तों में लगभग छह लाख रुपये वसूले गए। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की, तब पता चला कि दिखायी गई फोटो उसी गांव की लड़की की थी और वह योजनाबद्ध ठगी में सक्रिय सहयोगी थी।

पुलिस का कहना है कि रचाई गई साजिश में महिला ने होशियार सिंह के साथ मिलकर युवक को प्रेम और शादी का जाल बुन दिया। ठगी के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए और चार माह तक पुलिस को चकमा देते रहे। विशेष पुलिस टीम ने लगातार छापेमारी के बाद जयपुर के जगतपुरा से महिला सहित दो आरोपियों को धर दबोचा।

थानाधिकारी राममनोहर ठोलिया ने बताया कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। ठगी की रकम और गिरोह के नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि क्या वे पहले भी ऐसे अपराध कर चुके हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से आगाह करते हुए कहा कि शादी के नाम पर ठगी के कई मामले सामने आ रहे हैं; अनजान एजेंटों पर भरोसा न करें। किसी संदेह की स्थिति में तुरंत स्थानीय थाने को सूचित करें ताकि ऐसे गिरोहों को रोका जा सके।

तेलंगाना भविष्य का इंतजार नहीं कर रहा बल्कि उसे बना रहा है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भविष्य का इंतजार नहीं कर रहा, बल्कि उसे सक्रिय रूप से बना रहा है, यह बात आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने सोमवार को तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025 का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाया गया हर बड़ा नीतिगत कदम आने वाली पीढ़ियों की दीर्घकालीन आकांक्षाओं के अनुरूप है। फीनिक्स के प्रतीक का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग विज़न का उद्देश्य राज्य को नवाचार, मानव पूंजी, सतत विकास और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों, तेज़ तकनीकी बदलावों और जलवायु अनिश्चितताओं के दौर में तेलंगाना उभरती चुनौतियों को अवसरों में बदलना चाहता है।

श्रीधर बाबू ने बताया कि राज्य का दीर्घकालिक लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत की 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान करना है। भौगोलिक आकार और जनसंख्या के मामले में अन्य कई राज्यों की तुलना में छोटा होने के बावजूद, तेलंगाना भारत के जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में तेलंगाना की जीएसडीपी वृद्धि दर 10.1 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 9.9 प्रतिशत से अधिक है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय 3.79 लाख तक पहुंच गई, जो राष्ट्रीय औसत का लगभग 1.8 गुना है। औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 7.6 प्रतिशत रही, जबकि राष्ट्रीय औसत 6.6 प्रतिशत था। सेवाक्षेत्र में 11.9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत 10.7 प्रतिशत से अधिक है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के औद्योगिक जीएसवीए में वृद्धि होकर यह 2.46 लाख करोड़ से 2.77 लाख करोड़ हो गया, जो 12.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि विनिर्माण, निर्माण, खनन एवं उत्खनन, बिजली, गैस, जल एवं उपयोगिताओं सहित विभिन्न प्रमुख उप-क्षेत्रों में वृद्धि राष्ट्रीय मानकों से अधिक रही है, जो औद्योगिक आधार को मजबूत करने में सरकार के प्रदर्शन को दर्शाती है। तकनीकी विकास को रेखांकित करते हुए, श्रीधर बाबू ने मंथनी निर्वाचन क्षेत्र के एक दूरस्थ गांव का उल्लेख किया, जो हाल ही में देश का पहला एआई-संचालित गांव बना है। उन्होंने इसे भविष्य के तेलंगाना का मॉडल बताया।

जापान में 7.6 तीव्रता का भूकंप

सुनामी की छोटी लहरें आनी शुरू, 50 किमी की गहराई में केंद्र था

टोक्यो, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। जापान में आओमोरी प्रान्त के पास 7.6 तीव्रता का भूंकप आया है। देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने आओमोरी, इवाते और होक्काइडो प्रान्तों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है।

आओमोरी में सुनामी की छोटी लहरें आनी शुरू हो गई हैं। फिलहाल इनकी ऊंचाई 40 सेमी तक है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि बाद में और भी ऊंची सुनामी जापान के उत्तर-पूर्वी तटों तक पहुंच सकती है। यहां 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। भूकंप का केंद्र जापान के तट से 70 किमी दूर समुद्र में 50 किमी की गहराई में था। फिलहाल किसी के तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं है।

आरजीआईए आउटपोस्ट की त्वरित कार्रवाई

एक ही दिन में तीन खोई हुई वस्तुएं खोजकर लौटाईं

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए आउटपोस्ट में प्राप्त तीन अलग-अलग शिकायतों का तुरंत समाधान किया गया, जिससे साइबराबाद पुलिस की दक्षता और तत्परता प्रदर्शित हुई। पहली घटना में जेद्दा से आए मोहम्मद मक्सूद अली ने शिकायत दर्ज करवाई कि उनका बैग खो गया है, जिसमें 20 ग्राम सोना, 10,000 नकद, पासपोर्ट और मोबाइल फोन थे। समन्वित प्रयासों, तकनीकी सहायता और जमीनी स्तर पर सत्यापन के माध्यम से आरजीआईए आउटपोस्ट स्टाफ ने बैग को खोज निकाला और उन्हें वापस कर दिया। उन्होंने खुशी व्यक्त की और साइबराबाद पुलिस की सराहना की। दूसरे मामले में शिकायतकर्ता राहुल ने बताया कि उन्होंने हवाई अड्डे पर अपना पासपोर्ट गुम कर दिया था। तकनीकी इनपुट और ग्राउंड-लेवल वेरिफिकेशन की मदद से स्टाफ ने पासपोर्ट को ढूंढकर उन्हें सौंप दिया। तीसरी घटना में धूपाठी गोपी ने शिकायत की कि उन्होंने एक टैक्सी में अपना बैग खो दिया, जिसमें उनके मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र थे। तुरंत कार्रवाई करते हुए आरजीआईए आउटपोस्ट टीम ने तकनीकी सहायता और जमीनी सत्यापन का उपयोग कर बैग का पता लगाया और उसे उन्हें लौटा दिया।तीनों शिकायतकर्ताओं ने आरजीआईए आउटपोस्ट टीम की त्वरित प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। डीसीपी शमशाबाद बी. राजेश ने आरजीआईए आउटपोस्ट एसएचओ कनकैयाह समपथी और स्टाफ के समय पर और प्रभावी प्रयासों की सराहना की।

भारतीय नौसेना बैंड ने हैदराबाद में बिखेरा समा

1971 की विजय को संगीतमय श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापट्टनम के प्रतिष्ठित भारतीय नौसेना बैंड द्वारा 8 दिसंबर 2025 को हैदराबाद के कोंडापुर स्थित सरथ सिटी मॉल में एक बैंड कंसर्ट आयोजित किया गया। अवसर यादगार बन गया जब बैंड के 26 कुशल संगीतकारों ने बहुभाषी रचनाओं और लोकप्रिय तेलुगु गीतों की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह प्रस्तुति भारतीय नौसेना की वार्षिक परंपरा के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य 1971 के भारत-पाक युद्ध में मिली निर्णायक विजय का स्मरण करना और सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और अदम्य जज़्बे को श्रद्धांजलि देना है। इस आयोजन को परिवारों, युवाओं और संगीत प्रेमियों सहित विविध दर्शकों से अभूतपूर्व उत्साह मिला। उनकी उत्साही तालियों और हार्दिक प्रशंसा ने उस भावनात्मक जुड़ाव और गर्व को दर्शाया, जिसे भारतीय नौसेना निरंतर प्रेरित करती रही है। मन को छू लेने वाली धुनों, बेहतरीन तालमेल और ऊर्जावान प्रस्तुति ने इस शाम को देशभक्ति और सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। कंसर्ट का समापन स्टैंडिंग ओवेशन के साथ हुआ, जिसने इसे संगीत, विरासत और राष्ट्रीय गौरव के एक अविस्मरणीय उत्सव के रूप में चिह्नित कर दिया।

एनएफबीएस योजना से लाभ कम

संगारेड्डी, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवार के मुख्य कमाने वाले की मृत्यु पर मिलने वाली आर्थिक सहायता शोक संतप्त परिवारों के लिए बहुत मददगार होती है। हालांकि राज्य में राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस) के तहत हर पात्र परिवार 20,000 रुपये पाने का हकदार है, लेकिन संगारेड्डी, मेदक और सिद्दीपेट जिले जागरूकता और वितरण में पिछड़े हुए हैं। केंद्र हर साल तेलंगाना में 7,794 लाभार्थियों के लिए धनराशि आवंटित करता है, फिर भी अधिकांश लाभार्थी इससे अछूते रहते हैं।

कवाल टाइगर रिज़र्व में दिखा प्रवासी बाघ

वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी, ग्रामीणों में जागरूकता अभियान

निर्मल, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिज़र्व के मुख्य क्षेत्र में दाखिल हुआ एक प्रवासी बाघ अब जिले के पड़ोसी खानपुर डिवीजन की ओर बढ़ गया है। महाराष्ट्र से आने की आशंका वाली यह बाघिन पिछले कुछ दिनों से वन विभाग की कड़ी निगरानी में है।

नवंबर के चौथे सप्ताह में यह बाघिन कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के केरामेरी और सिरपुर (यू) मंडलों को पार करते हुए कवाल के कोर ज़ोन में पहुँची थी। चार वर्षों से अधिक समय बाद किसी बाघ के मुख्य क्षेत्र में प्रवेश से वन अधिकारियों में उत्साह फैल गया था।

कोर क्षेत्र में प्रवेश के बाद बाघिन ने जन्नाराम मंडल के इंदनपल्ली गांव के पास राजस्व भूमि पर स्थित एक आम के बगीचे में एक गाय का शिकार किया। इसके बाद यह करीब 10 दिनों तक कवाल के जंगलों में रही और हाल ही में जन्नाराम-उंटूर-खानपुर रोड पार करते हुए दिखाई दी। बीते कुछ दिनों से यह बाघिन दस्तूराबाद के जंगलों में घूम रही है। वन विभाग ने उसकी गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए एनिमल ट्रैकर्स तैनात किए हैं और कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाघ को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने के साथ ही ग्रामीणों को उसकी मौजूदगी के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

वन अधिकारियों का मानना है कि वनभूमि पर अतिक्रमण और अन्य गड़बड़ियों के कारण बाघिन कवाल के कोर क्षेत्र से बाहर निकलकर खानपुर डिवीजन के कद्दमपेद्दुर रेंज की ओर बढ़ी है। उनका कहना है कि यह फिर से मुख्य क्षेत्र में लौट सकती है या आसपास के उपयुक्त इलाकों की तलाश जारी रख सकती है। यदि यह किसी नर बाघ को आकर्षित करती है, तो यहां प्रजनन की संभावना भी बढ़ सकती है।

वारसीगुडा में इंटरमीडिएट छात्रा की हत्या

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के वारसीगुडा में सोमवार दोपहर एक दुखद घटना में लगभग 16 वर्षीय इंटरमीडिएट छात्रा की हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, पीड़िता अपने घर पर थी, तभी एक व्यक्ति, जिसे उसका परिचित बताया जा रहा है, घर में घुस आया और उसने छात्रा पर हमला कर दिया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण छात्रा बेहोश हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में और विवरण का इंतजार किया जा रहा है।

मंचेरियल में बाइक दुर्घटना, एक की मौत

मंचेरियल, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल शहर में रविवार रात एक फ्लाईओवर पर दोपहिया वाहन डिवाइडर से टकराने के बाद फिसल गया, जिसमें कोत्तापल्ली मंडल के 26 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसके रिश्तेदार को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि नक्कलपल्ली गांव के रहने वाले कोंडापर्थी संदीप वाहन पर नियंत्रण खो देने के कारण डिवाइडर से टकरा गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। संदीप के रिश्तेदार सुमन (ओडेला) भी घायल हुए और उन्हें तुरंत कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, संदीप और सुमन श्रीरामपुर से मंचेरियल जा रहे थे। संदीप श्रीरामपुर में इंटक के एक नेता के यहां ड्राइवर का काम करता था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन सपमाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित श्री आईमाताजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिवस प्रात: वेला में अखण्ड ज्योत की पूजा-अर्चना, महिला मंडल द्वारा कलश यात्रा, रंगारंग नृत्य, पंडित ललित महाराज ओझा के मंत्रोच्चारण से हवन-यज्ञ के मुख्य यजमान पुष्पादेवी-हरीशकुमार काग एवं समाज बन्धुओं द्वारा हवन-यज्ञ, भोजन प्रसादी, जागरण व बोलियों के कार्यक्रम में उपस्थित मंच संचालक शैतानसिंह राजपुरोहित, अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु। चौथे दिवस प्रात: वेला में अखण्ड ज्योत की पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ एवं रात्रि संगीतमय भजन संध्या का कार्यक्रम होगा।

इंडिगो की 112 उड़ानें रद्द, यात्रियों में हड़कंप

आरजीआईए पर दिनभर रहा भारी व्यवधान

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सोमवार को इंडिगो एयरलाइंस की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइन ने कुल 112 उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे विभिन्न राज्यों से आने-जाने वाले सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए।

एयरलाइन अधिकारियों के अनुसार, आरजीआईए से विभिन्न राज्यों के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की 54 उड़ानें रद्द की गईं, जबकि अन्य राज्यों से हैदराबाद आने वाली 58 उड़ानें भी रद्द कर दी गईं।

अचानक रद्दीकरण के चलते हवाई अड्डे पर जानकारी लेने के लिए यात्रियों की भीड़ जुट गई। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति अवश्य जांच लें और परिचालन संबंधी बाधाओं को देखते हुए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। यात्रियों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे आवश्यक जानकारी और अद्यतन समय-सारिणी के लिए एयरलाइन के आधिकारिक चैनलों या ग्राहक सहायता से संपर्क करें।

तेलंगाना में बिजली संकट

कांग्रेस शासन के दो साल बाद फिर लौट रही कटौती और अनिश्चितता

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के बाद तेलंगाना का विद्युत क्षेत्र पिछले दौर की अराजकता की ओर लौटता दिख रहा है। राज्य में बिजली कटौती, बढ़ती मांग, ठहराव वाली क्षमता वृद्धि और विवादास्पद निर्णयों ने एक संकट पैदा कर दिया है, जिसे रोका जा सकता था। दिसंबर 2023 में सत्ता संभालने पर कांग्रेस को बीआरएस शासन द्वारा निर्मित स्थिर अधिशेष प्रणाली विरासत में मिली थी। बावजूद इसके, शहरों में घंटों तक बिजली कटौती जारी है और ग्रामीण क्षेत्रों में वोल्टेज उतार-चढ़ाव और कृषि पंप सेटों की क्षति की खबरें मिल रही हैं।

तेलंगाना की अधिकतम मांग 2014-15 में 6,755 मेगावाट से बढ़कर 17,162 मेगावाट (2024-25) हो गई है। बीआरएस द्वारा चालू किए गए यदाद्री थर्मल पावर प्लांट की पाँच इकाइयों में से केवल दो चालू हैं, जबकि कांग्रेस ने नई इकाइयों की शुरुआत नहीं की। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने हाल ही में मंजूरी मिली 2,400 मेगावाट क्षमता वाले तीन ताप विद्युत संयंत्रों पर 50,000 करोड़ रुपये के महंगे प्रस्ताव के आरोप लगाए। उन्होंने पूछा, प्रति मेगावाट अतिरिक्त 2 करोड़ रुपये कौन अपनी जेब में डालता है?

बीआरएस शासनकाल में राज्य की स्थापित क्षमता 7,778 मेगावाट से बढ़कर 2024 में 19,475 मेगावाट हो गई थी। पिछले समय में 38,000 करोड़ रुपये का निवेश ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क में किया गया। इसके बावजूद, वर्तमान कांग्रेस सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति नहीं की और अधिक ऋण जुटाने के लिए डिस्कॉम का उपयोग करने की योजना बनाई है। राज्य सरकार नई नवीकरणीय ऊर्जा नीति का वादा कर रही है, लेकिन असली चुनौती यह है कि बिजली कटौती और अनिश्चितता की स्थिति को जल्द ही नियंत्रित किया जाए, अन्यथा तेलंगाना की ठोस बिजली स्थिरता खतरे में पड़ सकती है।

गांधी अस्पताल में मरीज ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान एक पुरुष मरीज ने सोमवार को तीसरी मंजिल की खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वंगापल्ली, यादगिरिगुट्टा निवासी 37 वर्षीय नरेंद्र के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, नरेंद्र ने 1 दिसंबर को बढ़ते कर्ज से परेशान होकर कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन किया था। उसके परिवार ने उसे तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां वह एएमसी वार्ड के इमरजेंसी ब्लॉक में इलाज कर रहा था।

सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे, इलाज के दौरान वह वार्ड के बाथरूम में गया और तीसरी मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गया। उसे गंभीर चोटें आईं और अस्पताल कर्मचारियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। चिलकलगुडा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि आत्महत्या के कारणों और घटना के तथ्यों की पूरी तरह से छानबीन की जा रही है।

अल्पसंख्यक वर्ग के नेता बीजेपी में शामिल

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को बीजेपी के स्टेट प्रेसिडेंट एन रामचंदर राव ने माइनॉरिटी कम्युनिटी के लोगों का बीजेपी में गर्मजोशी से स्वागत किया। आज आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ.टी.पी. सिंह आहूजा, साजिदा ज़रीन, महेंद्र जैन और कई अन्य लोग भाजपा में शामिल हुए। एन रामचंदर राव ने बीजेपी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत पर चलने की बात दोहराई। इस मौके पर बीजेपी के स्टेट प्रेसिडेंट माइनॉरिटी मोर्चा जगमोहन सिंह, मीर फिरासत अली बाकरी, रजनीश जैन और सीनियर लीडर भी मौजूद थे। यह डेवलपमेंट पार्टी की ताकत और समाज के सभी वर्गों में भरोसा जगाने की उसकी काबिलियत का एक और सबूत है। यह इवेंट स्टेट हेडक्वार्टर डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी भवन नामपल्ली, हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ धनुमास में भक्तों में बांटने हेतु कडे, स्टीकर आदि प्रचार सामग्री का विमोचन करते हुए जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी रामनिवास आचार्य, साथ में महंत जगद्गुरू अच्युत रामानुजाचार्य, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, देवी स्वीकृति रामानुजाचार्य एवं अन्य।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 में सिकंदराबाद क्लब चेंपियन

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग खेलों का समापन मुख्य प्रायोजकों व समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाज बंधुओं व टीमों के खिलाड़ियों की उपस्थिति में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड में हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि पहला सेमीफाइनल मैच आईजी फ्रेंड्स क्लब व सिकंदराबाद के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद 4 विकेट से विजयी रही। नमन चौधरी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा सेमीफाइनल मैच करमनघाट वारियार व अस्टिक मेडचल के बीच खेला गया जीसमे अस्टिक मेडचल 23 रनों विजयी रहीं गौतम को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मुकाबला अस्टिक मेडचल व सिकंदराबाद के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद की टीम 8 विकेट से विजयी रही। मनीष को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। सिकंदराबाद चैंपियन बना। उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 8 के समापन समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ महिला वर्ग खेलों में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर राजाराम, बिरमगुड़ा के बुधाराम, मल्लापुर बडेर अध्यक्ष तुलसाराम सिंदड़ा, अशोक पाण्डे, परसराम बर्फा, जसाराम सोलंकी, सी ए जसाराम बर्फा, पारसिगुट्टा बडेर के उपाध्यक्ष रमेश पंवार, कोषाध्यक्ष खागर सिंह चोयल, शिक्षा समिति के अध्यक्ष लाबुराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, खेलमंत्री हिम्मताराम हाम्बड़, सीरवी शिक्षा कमेटी शमशाबाद सचिव भीकाराम काग, सीरवी समाज बडेर मनिकोडा अध्यक्ष बाबूलाल भायल, सचिव मोतीलाल मदावत, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सर्व समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि समाज के गणमान्य बन्धु, मौजूद रहे।

भूमिगत केबल कार्य से यातायात बाधित

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूसुफगुडा-बोराबांडा मार्ग पर श्री राम नगर में भूमिगत बिजली केबल बिछाने के काम के कारण रविवार को यातायात में काफी व्यवधान उत्पन्न हुआ। यह मार्ग कई कॉलोनियों और बस रूट के लिए एकमात्र प्रमुख मार्ग है। यातायात पुलिस ने कल्याण नगर वेंचर-III पर बैरिकेडिंग कर सिटी बसों का वैकल्पिक मार्गों से संचालन सुनिश्चित किया। यात्री यूसुफगुड़ा बस्ती, कृष्णकांत पार्क, जीटीएस कॉलोनी, राजीव नगर और कल्याण नगर वेंचर-III के रास्ते बसों तक पहुंच रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आरसीबी और विराट कोहली फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी

वेंकटेश प्रसाद ने केएससीए अध्यक्ष बनते ही फैंस को दिया 'तोहफा'

बेंगलुरु, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को केएससीए के नए प्रेसिडेंट के रूप में चुना गया है। आपको बता दें कि काफी समय से कर्नाटक स्टेट क्रिकेट असोसिएशन के नए अध्यक्ष का चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ था। 7 दिसंबर 2025 को आखिर ये चुनाव हुआ और वेंकटेश प्रसाद ने बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने जीत के बाद आरसीबी और विराट कोहली के बेंगलुरु में मौजूद सभी फैंस को बहुत बड़ी खुशखबरी दे दी।

वेंकटेश प्रसाद चुने गए नए केएससीए अध्यक्ष

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट असोसिएशन के प्रेसिडेंट चुनाव में वेंकटेश प्रसाद को सबसे ज्यादा, 749 वोट मिले। उन्होंने 588 वोट प्राप्त करने वाले केएन शांति कुमार को पीछे छोड़ा और नए अध्यक्ष बन गए। बता दें कि इसके पहले भी वेंकटेश प्रसाद ने केएससीए के साथ काम किया था, जहां वो 2010 से 2013 तक उपाध्यक्ष रहे थे। वेंकटेश प्रसाद पर अब और बड़ी जिम्मेदारी आ चुकी है। नीचे नई केएससीए टीम की पूरी लिस्ट है:

आरसीबी फैंस से वेंकटेश प्रसाद ने किया बड़ा वादा

आईपीएल 2025 की ट्रॉफी आरसीबी ने जीती थी और सेलिब्रेशन के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई। इसी वजह से कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई मैच नहीं हुआ है। वेंकटेश प्रसाद ने केएससीए अध्यक्ष बनने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हुए आरसीबी फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने बताया कि वो आईपीएल को दोबारा चिन्नास्वामी में वापस लाएंगे।

उन्होंने कहा, 'केएससीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर बहुत खुशनसीब महसूस कर रहा हूं। मैं आईपीएल और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को चिन्नास्वामी स्टेडियम में वापस लाने की कोशिश करूंगा और कर्नाटक क्रिकेट को हर स्तर पर आगे बढ़ाने पर ध्यान दूंगा। टीमवर्क, पारदर्शिता और मेहनत से हम वहां पहुंच जाएंगे। हर उस सदस्य को धन्यवाद, जिसने मुझ पर भरोसा दिखाया।'

वेंकटेश प्रसाद के अंतर्राष्ट्रीय स्टैट्स

वेंकटेश प्रसाद ने अप्रैल 1994 में भारत के लिए डेब्यू किया था। इसके बाद वो टीम इंडिया का अहम हिस्सा बन गए। उन्होंने 161 वनडे मैचों में 196 विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी करियर इकोनॉमी 4.67 की रही और वो 1 बार 5 विकेट हॉल लेने में सफल हुए। टेस्ट में वेंकटेश प्रसाद ने 33 मैच खेले और कुल 96 विकेट लेने में सफल हुए।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025: पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज, पत्रकार से खिलाड़ी तक

पुरस्कार चयन समिति में कई हस्तियां

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने साल 2025 के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति के गठन की घोषणा कर दी है। यह समिति खिलाड़ियों और कोचों के नामों की अनुशंसा संबंधित पुरस्कार योजनाओं के अनुसार करेगी। जारी आदेश के अनुसार, समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा करेंगे। समिति में खेल जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों, खिलाड़ियों, कोचों और खेल पत्रकारों को शामिल किया गया है।

समिति के प्रमुख सदस्य इस प्रकार हैं

जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा (अध्यक्ष)

झूलन गोस्वामी (क्रिकेट)

एम. एम. सोमैया (हॉकी)

अपर्णा पोपट (बैडमिंटन)

विजय लोकपल्ली (खेल पत्रकार)

हेमंत रस्तोगी (खेल पत्रकार, अमर उजाला)

एच. एन. गिरीशा (पैरा स्पोर्ट्स विशेषज्ञ)

गगन नारंग (निशानेबाज, ओलंपियन)

देवेंद्र कुमार राठौर (जिम्नास्टिक्स, द्रोणाचार्य अवार्डी)

सीईओ, टॉप्स – स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया

ईडी (टीम्स) – स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया

डॉ. शभित जैन, संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (सदस्य सचिव)

खेल मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में बताया गया कि समिति के सदस्यों को यात्रा भत्ता, डियरनेस अलाउंस और आवास की सुविधाएं केंद्र सरकार के ग्रुप 'ए' अधिकारियों के नियमों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएंगी। यह आदेश युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किया गया है, जिन्हें पुरस्कार योजनाओं के किसी भी प्रावधान में आवश्यकतानुसार शिथिलता प्रदान करने का अधिकार है। इस निर्णय के साथ वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों के लिए चयन प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को तीन मेडल

सिमरनप्रीत कौर ने 25 मीटर पिस्टल में गोल्ड जीता; ऐश्वर्य तोमर को सिल्वर

दोहा, , 8 दिसंबर (एजेंसियां)। दोहा में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का मान बढ़ाया है। हुए मुकाबलों में भारत के खाते में तीन बड़े मेडल आए, जिनमें सबसे बड़ी उपलब्धि रही युवा शूटर सिमरनप्रीत कौर का गोल्ड मेडल। सिमरनप्रीत ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में 41 में से 50 का बेहतरीन स्कोर कर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर डाली। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड कप फाइनल मेडल है, जिसने उन्हें रातोंरात देश की नई शूटिंग स्टार बना दिया है।

महज 21 साल की उम्र में सिमरनप्रीत का यह प्रदर्शन ऐतिहासिक माना जा रहा है। उनके स्कोर ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया की पेरिस ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दिलचस्प बात यह रही कि यांग इस मुकाबले में चौथे स्थान पर रहीं। चीन की याओ कियानशुन को सिल्वर जबकि जर्मनी की डोरीन वेनकैंप को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। सिमरनप्रीत की इस जीत से भारत का झंडा फाइनल स्टेज पर गर्व के साथ लहराया।

इस इवेंट में भारत को हालांकि एक झटका भी लगा, जब ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में नौवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले वह 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में भी पांचवें स्थान पर रह चुकी थीं। इसके बावजूद भारतीय फैंस के लिए राहत की बात यह रही कि बाकी इवेंट्स में देश के निशानेबाजों ने शानदार वापसी की।

पुरुषों के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड कप फाइनल मेडल है। ऐश्वर्य 414.12 के नए वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीतने वाले चेक शूटर जीरी प्रिवरात्स्की से महज 0.19 अंक पीछे रह गए। वहीं चीन के पेरिस ओलिंपिक चैंपियन लियू युकुन को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

भारत के लिए तीसरी बड़ी खुशी 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल इवेंट में अनीश भानवाला के सिल्वर मेडल के रूप में सामने आई। अनीश ने फाइनल में 31 हिट लगाए और चीन के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन ली युएहोंग से केवल दो हिट पीछे रह गए। यह अनीश का वर्ल्ड कप फाइनल में दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने दो साल पहले इसी वेन्यू पर ब्रॉन्ज जीता था। फ्रांस के क्लेमेंट बेसागुए को इस इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल मिला।

इन तीन पदकों के साथ भारत के खाते में अब कुल छह मेडल हो चुके हैं और पॉइंट टेबल में भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो गोल्ड, तीन सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। मेडल टेबल में चीन आठ पदकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि चेक रिपब्लिक एक गोल्ड के साथ तीसरे स्थान पर है। भारतीय शूटिंग टीम का यह प्रदर्शन आने वाले ओलिंपिक और वर्ल्ड इवेंट्स के लिए बेहद सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

रिंकू सिंह की टीम देखती रह गई

वैभव सूर्यवंशी के बिना ही बिहार ने 6 विकेट से रौंद डाला

अहमदाबाद, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में बिहार ने उत्तर प्रदेश को रौंद डाला है। उत्तर प्रदेश की टीम रिंकू सिंह की कप्तानी में खेल रही थी। जबकि बिहार की टीम अपने स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के बगैर। बावजूद इसके बिहार ने उत्तर प्रदेश को 8 दिसंबर को खेले मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ 2025 के पहले 6 मुकाबले हारने के बाद टूर्नामेंट में बिहार को मिली ये पहली जीत है।

नहीं चले रिंकू, प्रशांत रहे टॉप स्कोरर, यूपी ने बनाए इतने रन

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के आखिरी ग्रुप मैच में बिहार ने टॉस जीतकर उत्तर प्रदेश को पहले बल्लेबाजी पर उतारा। बिहार की कसी गेंदबाजी के आगे उत्तर प्रदेश के टॉप से लेकर मिडिल ऑर्डर विकेट पर जमने में नाकाम रहा, जिसमें उसके कप्तान और इंटरनेशनल प्लेयर रिंकू सिंह भी शामिल रहे।

रिंकू सिंह बल्ले से इस कदर फेल दिखे कि उनका स्ट्राइक रेट 100 से काफी नीचे दिखा। उन्होंने 25 गेंदों का सामना कर 76 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 19 रन बनाए। समीर रिज्वी 22 रन बनाकर टॉप ऑर्डर में यूपी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। लेकिन, जिस खिलाड़ी की भूमिका यूपी की टीम को 20 ओवर में 6 विकेट पर 144 रन तक पहुंचाने में रही, वो रहे प्रशांत वीर, जिन्होंने 7वें नंबर पर उतरकर 40 रन की पारी खेली।

अब बिना वैभव सूर्यवंशी के खेल रही बिहार की टीम के सामने 145 रन का लक्ष्य था। इस लक्ष्य का पीछा करने बिहार की टीम जब उतरी तो सबसे अच्छी चीज ये हुई कि उसकी ओपनिंग जोड़ी ने दमदार शुरुआत दिलाई। आयुष लोहारुका और पीयूष कुमार सिंह की नई ओपनिंग जोड़ी ने 83 रन की पार्टनरशिप की। बिहार ने उस बेजोड़ शुरुआत को सही अंजाम तक पहुंचाने का काम बहुत खूब किया। नतीजा ये हुआ कि टीम ने 4 गेंद पहले ही 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बिहार की ओर से सबसे ज्यादा रन उसके ओपनर पीयूष कुमार सिंह ने बनाए। उन्होंने 54 गेंदों का सामना कर 57 रन बनाए।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप: सेमीफाइनल में भारत 1-5 से हारा

जर्मनी फाइनल में, कल अर्जेंटीना से ब्रॉन्ज मेडल मुकाबला

मदुरै, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप दोबारा जीतने का सपना सेमीफाइनल में ही टूट गया। नौ साल बाद खिताब दोबारा हासिल करने की उम्मीदें जर्मनी ने 5-1 की करारी हार देकर समाप्त कर दीं। सात बार की चैंपियन और मौजूदा खिताबधारी जर्मनी ने खेले गए मुकाबले में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में यह खिताब जीता था।

जर्मनी की ओर से लुकास कॉसेल (14वें, 30वें मिनट), टाइटस वेक्स (15वां), जोनास वॉन जर्सम (40वां) और बेन हासबाख (49वां) ने गोल किए। भारत की ओर से एकमात्र गोल 51वें मिनट में अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इस हार के साथ अब भारत बुधवार को अर्जेंटीना से ब्रॉन्ज मेडल के लिए भिड़ेगा। वहीं जर्मनी फाइनल में स्पेन से मुकाबला करेगा। स्पेन ने पहले सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को 2-1 से हराया था।

भारत ने शुरुआत आक्रामक की, लेकिन मैच के साथ जर्मनी ने खेल पर पकड़ मजबूत कर ली। भारतीय गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शुरुआती मिनटों में कुछ अच्छे बचाव किए, लेकिन 13वें मिनट में जर्मनी को मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर लुकास कॉसेल ने गोल दाग दिया। पहले क्वार्टर के अंत से ठीक पहले टाइटस वेक्स ने कॉसेल के क्रॉस पर गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे क्वार्टर के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर कॉसेल ने अपना दूसरा गोल करते हुए हाफ टाइम में टीम को 3-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत को गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन सौरभ आनंद कुशवाहा खुले गोल के सामने गेंद फंसाकर चूक गए।

इसके बाद जर्मनी ने लगातार दबदबा दिखाया और 40वें मिनट में जोनास वॉन जर्सम ने चौथा गोल किया। 49वें मिनट में बेन हासबाख ने शानदार डाइव लगाकर पांचवां गोल दाग दिया। 51वें मिनट में भारत को दो लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से एक पर अनमोल एक्का ने गोल कर स्कोर 5-1 किया। हालांकि तब तक मैच पूरी तरह जर्मनी के पक्ष में जा चुका था। भारत ने अंत तक कोशिश की, लेकिन जर्मनी की मजबूत रक्षा को भेदना आसान नहीं था। अब टीम की निगाहें कांस्य पदक जीतने पर होंगी।

शास्त्री बोले- हार की जिम्मेदारी सिर्फ कोच की नहीं

खिलाड़ियों को भी आगे आना होगा; दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट हार के बाद गंभीर पर सवाल उठे

मुंबई, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के मुख्य कोच पद को संभालने के बाद से जो कुछ भी टीम में हुआ है उससे यह कहना गलत नहीं होगा कि गौतम गंभीर पर दबाव है। खासकर हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार के बाद तो मामला और भी बिगड़ गया है। गंभीर को फैंस और विशेषज्ञों से काफी आलोचना मिली है। वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसे कोच बन गए हैं जिनके कार्यकाल में दो घरेलू टेस्ट सीरीज में टीम को क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। पूर्व भारतीय कोच ने माना कि गंभीर को बर्खास्त भी किया जा सकता है, लेकिन उन्होंने गंभीर को संयम और धैर्य के साथ मामले को संभालने की सलाह दी है।

शास्त्री ने प्रभात खबर को दिए इंटरव्यू में कहा, "अगर आपका प्रदर्शन खराब है, तो आपको बाहर किया जा सकता है। इसलिए आपको धैर्य बनाए रखना चाहिए। यहां बातचीत और मैनेजमेंट स्किल्स बहुत जरूरी हैं। तभी आप खिलाड़ियों को जीतने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात है कि आप जो भी करें, उसका भरपूर मजा उठाएं, इसे दबाव के रूप में न लें।"

गंभीर के डेढ़ साल के कार्यकाल में भारत के मुख्य कोच के रूप में उन्हें कई बड़ी उपलब्धियां और कुछ बड़ी नाकामियां देखने को मिली हैं। इस दौरान टीम इंडिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और एशिया कप 2025 के खिताब जीते हैं, और दोनों टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। रेड-बॉल क्रिकेट में भारत का प्रदर्शन काफी गिर गया है। गंभीर के नेतृत्व में भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है, और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टीम हार गई है।

इसी बीच गंभीर के स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ रिश्तों पर भी सवाल उठे हैं। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कोच का इन दोनों दिग्गजों के साथ तालमेल समय के साथ बिगड़ गया है। गंभीर का अगला बड़ा चैलेंज भारत के मुख्य कोच के रूप में टी20 वर्ल्ड कप 2026 है, जो घरेलू मैदान पर खेला जाएगा और इसमें मेजबान टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

215 रन से टी20 मुकाबला हारी टीम, 17 छक्के मारने वाला अकेले पड़ा 11 खिलाड़ियों पर भारी

खेल डेस्क, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट के जिस फॉर्मेट यानी कि T20 क्रिकेट में 200 प्लस रन को विनिंग टोटल समझा जाता है। उसमें एक टीम 215 रन से मुकाबला हार गई। अब जरा सोचिए कि सामने वाली टीम ने उसे टारगेट कितने रनों का दिया होगा? और, ये नतीजा किसी लीग के मुकाबले का नहीं बल्कि टी20 इंटरनेशनल मैच का है। हम बात कर रहे हैं स्पेन और क्रोएशिया के बीच खेले टी20 इंटरनेशनल मैच की। 7 दिसंबर को दोनों टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें स्पेन ने क्रोएशिया को 215 रन से हरा दिया। अब ये हुआ कैसा, आइए जानते हैं।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पेन ने रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया। उसने 20 ओवर में 3 विकेट पर 290 रन बनाए, जो कि T20 इंटरनेशनल में किसी टीम का बनाया 5वां सबसे बड़ा स्कोर है। स्पेन की टीम को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचाने में उसके ओपनर मोहम्मद इहसान का बड़ा रोल रहा, जो अकेले ही क्रोएशिया के 11 खिलाड़ियों पर भारी पड़ गए।

मोहम्मद इहसान ने क्रोएशिया के खिलाफ 253.96 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए ना सिर्फ 17 छक्के लगाए बल्कि 5 चौके भी मारे। इन 22 बाउंड्रीज के दम पर उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में ही 160 रन जड़ दिए। अब जब अकेला बल्लेबाज इतने रन मारेगा तो टीम के स्कोर बोर्ड में तो आग लगेगी ही। कुछ वैसा ही क्रोएशिया के खिलाफ स्पेन का स्कोर बोर्ड भी रहा।

अब जब क्रोएशिया की टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो उसके लिए स्पेन के दिए लक्ष्य को छू पाना तो बहुत दूर की बात, 17 छक्के मारने वाले मोहम्मद इहसान के स्कोर से भी पार पाना मुश्किल हो गया। सीधे शब्दों में कहें तो क्रोएशियाई टीम ने 20 ओवर में जितने रन बनाए, वो मोहम्मद इहसान के बनाए 160 रन से भी 85 रन कम ही रहे।

क्रोएशिया की टीम ने 291 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर सिर्फ 75 रन ही बनाए। नतीजा ये हुआ कि वो 215 रन से मुकाबला हार गए, जो कि रनों के लिहाज से क्रोएशिया को मिली सबसे बड़ी हार है। वहीं T20 इंटरनेशनल में किसी टीम को रनों के लिहाज से मिली ये 5वीं सबसे बड़ी हार है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल का फॉर्मेट भी बेहद कड़ा और चयन प्रक्रिया काफी कठिन होती है। इसमें कुल दस शूटरों को ही जगह मिलती है, जिनमें डिफेंडिंग चैंपियन को सीधा प्रवेश मिलता है। इसके अलावा चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेता, वर्ल्ड कप रैंकिंग के आधार पर चुने गए दो शूटर और वर्ल्ड चैंपियनशिप के तीन मेडलिस्ट इस फाइनल में क्वालिफाई करते हैं। टूर्नामेंट में कुल 12 इंडिविजुअल ओलिंपिक इवेंट्स खेले जाते हैं, जिनमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन शामिल हैं।

शाकिब ने रिटायरमेंट वापस लिया: कहा-घरेलू सीरीज खेलकर एक साथ अलविदा कहूंगा

ढाका, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने अपने टेस्ट और टी20I संन्यास वापस लेने का एलान किया है। उन्होंने मोईन अली के पॉडकास्ट बियर्ड बिफोर विकेट में साफ कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों फॉर्मेट से आधिकारिक संन्यास नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि मैं अभी अपने सभी फॉर्मेट से रिटायर नहीं हुआ हूं। मेरा प्लान है कि बांग्लादेश लौटकर में एक पूरी घरेलू सीरीज (टी20आई, वनडे और टेस्ट) खेलूं और उसके बाद तीनों फॉर्मेट से एक साथ संन्यास ले लूं। उन्होंने अपने आखिरी ख्वाहिश ये बताई कि वह बस एक पूरी सीरीज खेलना चाहते हैं और फैंस को अलविदा कहना चाहते हैं।

दरअसल, शाकिब अल हसन इंटरनेशनल क्रिकेट से करीब एक साल से बाहर चल रहे हैं और उन्होंने पिछले साल अपने टेस्ट और टी20i से संन्यास का एलान किया, लेकिन मोईन अली के पॉडकास्ट पर उन्होंने हैरान कर देने वाला खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों फॉर्मेट से रिटायर नहीं हुआ हूं। ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरा प्लान है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी वनडे, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायर हो जाऊं। शाकिब ने आगे कहा कि मेरा मतलब कि मैं तीनों फॉर्मेट से रिटायर हो सकता हूं। फिर उसकी शुरुआत टी20आई, वनडे, टेस्ट या फिर टेस्ट, वनडे और टी20आई से हो इससे फर्क नहीं पड़ता। मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर रिटायर होना है, मैं बस ये चाहता हूं। बता दें कि शाकिब अल हसन मई 2024 से बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं। 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के हटने के बाद से वे देश से बाहर ही हैं। अवामी लीग के पूर्व सांसद रहे शाकिब का नाम एक हत्या के मामले में दर्ज FIR में शामिल किया गया था, जबकि उस समय वे देश में मौजूद भी नहीं थे।

दो दिवसीय तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट भव्य समारोह के साथ प्रारंभ

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का सोमवार को रंगारेड्डी जिले के कंदुकुर मंडल स्थित भारत फ्यूचर सिटी में भव्य पैमाने पर शुभारंभ हुआ। समिट का औपचारिक उद्घाटन तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, कई मंत्री, जनप्रतिनिधि, फ़िल्म अभिनेता नागार्जुन, विभिन्न क्षेत्रों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अतिथि तथा कई संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह दो दिवसीय कार्यक्रम फ्यूचर सिटी के 100 एकड़ क्षेत्र में आयोजित हो रहा है, जिसमें 44 देशों से 154 प्रतिनिधि पहुंचे हैं। समिट शुरू होने से पहले, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्थल का दौरा कर विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कई सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना तल्लि की एक डिजिटल प्रतिमा का अनावरण किया। राज्य सरकार इस समिट के माध्यम से वैश्विक स्तर पर तेलंगाना की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने की मजबूत इच्छा रखती है। करीब 2,000 स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है। आगंतुकों के लिए स्थल पर अत्याधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

तेलंगाना की जनसंख्या वृद्धि लगभग रुकने की ओर

2031-35 तक कुल प्रजनन दर घटकर 1.5 होने का अनुमान

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भारत के सबसे जनसांख्यिकीय रूप से परिपक्व राज्यों में से एक बनने की ओर बढ़ रहा है। भारत की हालिया जनगणना रिपोर्ट 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमान 2011-35' के अनुसार, राज्य की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2031-35 तक घटकर 1.5 हो जाएगी। यह प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत 1.9 से कम है और इसे प्रतिस्थापन प्रजनन दर से नीचे लाकर तेलंगाना को अग्रणी बनाती है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि राज्य में सामाजिक-आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा तक बेहतर पहुंच के कारण जनसंख्या वृद्धि लगभग स्थिर हो गई है।

2011-15 में राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर 7.1 प्रति हजार थी, जो 2031-35 में घटकर लगभग 0.3 प्रति हजार रह जाएगी। पिछले वर्षों में यह दर 5.4 (2016-20) से घटकर 3.5 (2021-23) हो गई है और 2026-30 तक यह 1.7 होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रजनन दर में गिरावट केवल अधिक या कम जनसंख्या की चिंता नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि लोग कम बच्चे पैदा करना चाहते हैं या बच्चे पैदा करने में देरी कर रहे हैं। आने वाले दशकों में तेलंगाना की जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर से नीचे आ जाएगी, जिसका अर्थ है कि वर्तमान पीढ़ी अपनी जगह लेने के लिए पर्याप्त बच्चे पैदा नहीं करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे क्षेत्रों को वृद्ध जनसंख्या के स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की नीतियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

तीन उड़ानों को बम की धमकी

हैदराबाद एयरपोर्ट पर बढ़ाई गई सुरक्षा

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रविवार को उस समय तनावग्रस्त हो गया जब अधिकारियों को तीन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को निशाना बनाकर बम की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत अलर्ट पर ला दिया गया। धमकी जिन उड़ानों को मिली, उनमें कन्नूर से हैदराबाद आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-7178, फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आने वाली लुफ्थांसा की उड़ान एलएच-752 और लंदन से हैदराबाद आने वाली ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान शामिल थीं। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा स्तर बढ़ा दिया गया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, तीनों विमानों को शमशाबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की अनुमति दी गई। मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत यात्रियों को तुरंत बाहर निकालकर आइसोलेशन वार्ड में भेजा गया। बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वॉड ने तीनों विमानों की गहन तलाशी ली। साथ ही सीआईएसएफ के अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर एयरपोर्ट को घेराबंदी में ले लिया गया। हालांकि विस्तृत जांच के बाद धमकी अफवाह साबित हुई। इसके बावजूद अधिकारी ई-मेल भेजने वाले की पहचान की पुष्टि करने में जुटे हुए हैं।

आदिलाबाद में कड़ाके की ठंड जारी

कई गांवों में तापमान 8 डिग्री के आसपास, लोगों ने अलाव का सहारा लिया

आदिलाबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में सोमवार को भी कड़ाके की ठंड का असर जारी रहा। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट से आमजन, खासकर बुजुर्ग और बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीडीपीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तिरयानी मंडल के गिन्नधारी गांव में तापमान 8.2 डिग्री और निर्मल जिले के पेम्बी मंडल केंद्र में 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को भी अरली में तापमान 8 डिग्री और गिन्नधारी में 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा था।

तेजी से बढ़ती ठंड के चलते स्थानीय लोग स्वेटर, मफलर और ऊनी वस्त्रों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कई जगहों पर लोगों ने अलाव जलाकर खुद को गर्म रखा। सुबह के समय ठंड इतनी अधिक रही कि अधिकांश लोग 8 बजे तक घरों से बाहर नहीं निकले।

तेलंगाना में शीत लहर का अलर्ट जारी

अगले 48 घंटों में तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट का अनुमान

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तेलंगाना के कई जिलों में शीत लहर की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। इसके चलते आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, संगारेड्डी, मेदक और कामारेड्डी जिलों के लिए 8 से 12 दिसंबर तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य भर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, लेकिन अगले दो-तीन दिनों के दौरान तापमान सामान्य से काफी नीचे रहेगा। हैदराबाद और ग्रेटर हैदराबाद के परिधीय क्षेत्रों जैसे रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद और भोंगीर में न्यूनतम तापमान 11 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटों में भी राज्य के कई जिलों में तापमान गिरकर एक अंक तक पहुंच गया। संगारेड्डी और कोमाराम भीम आसिफाबाद में 6.6 डिग्री, आदिलाबाद में 6.8, विकाराबाद में 7.8, कामारेड्डी में 8.2, निजामाबाद में 8.4 और निर्मल में 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने लोगों से अपील की है कि वे ठंड से बचाव के उपाय अपनाएं, बुजुर्गों और बच्चों की विशेष देखभाल करें और सड़क पर निकलते समय सतर्क रहें। मौसम विभाग का कहना है कि शीत लहर की स्थिति अगले 48 घंटों में लगातार बनी रहेगी, इसलिए सावधानी बरतना आवश्यक है।

हैदराबाद की रित्विका ने दुबई में चमक बिखेरी

स्पीडो शॉर्ट कोर्स चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीता

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की युवा तैराक मित्तपल्ली रित्विका ने दुबई में आयोजित 28वीं स्पीडो आमंत्रण शॉर्ट कोर्स तैराकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके इस प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ा है।

भारतीय खेल प्राधिकरण के ग्लेनमार्क एक्वेटिक फाउंडेशन के बैनर तले भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रित्विका ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 33.26 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। वहीं 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में उन्होंने 1:15.69 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक हासिल किया। तेलंगाना तैराकी संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर रेड्डी, महासचिव जी. उमेश और उपाध्यक्ष महिपाल रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रित्विका को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निम्स में नर्सों ने शुरू किया रोजाना एक घंटे का विरोध

प्रबंधन से लंबित समस्याओं के समाधान की मांग

हैदराबाद, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) की नर्सों ने सोमवार से रोजाना एक घंटे का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

नर्सों का कहना है कि उनकी कई समस्याएँ लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन उनकी बात नहीं सुन रहा है। नर्सिंग यूनियन ने बताया कि नर्सें अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हुए काले बैज पहनकर विरोध कर रही हैं। यूनियन का कहना है कि नर्सिंग अधिकारियों के स्वास्थ्य और सुविधाओं से जुड़ी कई शिकायतें हैं, जिन पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नर्सिंग अधिकारियों की प्रमुख मांगों में अनुबंध नर्सों के माता-पिता को एनआईएमएस में मेडिकल सुविधा फिर से लागू करना, नर्सों के खाली पदों को भरना, अर्जित अवकाश (ईएल) का नकदीकरण, कैडर समीक्षा, और एनआईएमएस नर्सिंग कॉलेज के शिक्षकों को एम्स के मानदंडों के अनुसार वेतन देना शामिल है। यूनियन ने प्रशासन से अपील की है कि वह इन लंबित समस्याओं का जल्द समाधान करे।

उनका कहना है कि जब तक उचित कार्रवाई नहीं होती, उनका शांतिपूर्ण विरोध प्रतिदिन जारी रहेगा।

आनन्द परिवार की ओर से परमपूज्य श्री आनन्दस्वरुपजी के पुण्यतिथि के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि - नमन

।। जय श्री राम ।।

SINCE 1957

आनन्द स्पाईसेस

a quality product from A.P. PRODUCTS PVT. LTD

हमारे आदर्श परम पूज्यनीय

श्रद्धेय स्व. श्री आनन्दस्वरुपजी अग्रवाल

आदर्शों के लिए जिये, धर्म हेतु अर्पित जीवन।
सदा सत्य का मार्ग चुना, स्वीकारों पावन वंदन ।।
आपकी स्मृति सदैव संस्कारों को प्रोत्साहन करती है।

जन्मदिन : कलयुग संवत् 5038,
विक्रम संवत् 1993, शुक्रवार, दि. 31 जुलाई 1936
माह-श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी
वैकुण्ठवास : कलयुग संवत् 5121,
विक्रम संवत् 2076, सोमवार, दि. 9 दिसम्बर 2019
माह-मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी

ANAND MASALA WARNING

It is hereby made known to all whom it may concern that the trade mark represented above had been invented, devised, originated and adopted by the predecessor-in-title of our clients, now known as **A P PRODUCTS PRIVATE LIMITED**, having their Registered Office at, Ground Floor, 8-2-293/82/J111/216/A, PH-3, Road No.78, Jubilee Hills, **HYDERABAD - 500 033**. Our Clients, by virtue of succession, are now the absolute proprietor of the trade marks duly Registered under the provisions of the Trade Marks Act, 1999 on all India basis in Class-30 starting with Registration Nos. 386785 & 386786, followed by many other registered adaptations of the same, in respect of **SPICES OF ALL KINDS**. All these registrations are valid and subsisting.

While so, it has come to our client's notice that **UNSCRUPULOUS** manufacturer and trader has been infringing, imitating and passing off the various adaptions of their registered trademarks and they accordingly filed relevant proceedings on the file of the VIII additional District Judge, Rangareddy, T.S. As a result one **YAGYANAND AGARWAL**, trading as **A P PRODUCTS**, of 18-7-445/1, 445/1A, 445/2, 445/6,7,8 & 9 Saraswati Nagar, Lalitabagh Road, Gowlipura Hyderabad - 500 053, **has by way of an INTERIM INJUNCTION ORDER** dated 11th November 2020 on IA No.447 in O.S. No. 283 of 2020, has been RESTRAINED from manufacturing, and selling and offering for sale. **SPICES OF ALL KINDS** either by himself, his servants, agents, under any identical, deceptively/phonetically similar to and/or a colourable imitation of clients' above REGISTERED TRADE MARKS and other registrations associated therewith. The said interim Injunction Order was RESTORED by the Hon'able HIGH COURT FOR THE STATE OF TELANGANA, HYDERABAD, after brief legal skirmishes, vide an Order dated 25/06/2021 on IA No.1 of 2021 in CRP NO.380 of 2021. The said Order is valid and subsisting as on date and the said **YAGYANAND / A P PRODUCTS** and his accomplices remain RESTRAINED from infringing and imitating and /or passing off the said Registered Trade Marks.

MANUFACTURERS, DISTRIBUTORS, STOCKISTS, RETAILERS & PRINTERS (PRESS OWNERS) dealing in such and cognate goods UNDER THE TRADE MARK "ANAND MASALA" IN ANY ADAPTATION are hereby **WARNED** that any disobedience of the above INJUNCTION ORDERS issued by HON'ABLE HIGH COURT FOR THE STATE OF TELANGANA, HYDERABAD shall amount to violation of the Injunction Orders leading for CRIMINAL PROCEEDINGS, **resulting in Police Raids, Arrests, Injunctions, Damages and Compensatory Damages.** **Let all persons govern themselves accordingly.**

Dated: December 22, 2021
Place: Hyderabad

Sd/- (V.K.SINHA) Advocate & Attorney
THE GLOBE TRADING COMPANY Trade Mark Attorneys & Advocates,
#5-9-93, No.208, 2nd Floor, Shakti Chambers, Chapel Road, HYDERABD - 500 001. T.S
Phone : 040 23232385, 23300342, Mobile 98480-34051

CAUTION !!! TAKE CARE
ORIGINAL PACK
A.P. PRODUCTS PVT. LTD.
ఇదే ఒరిజినల్

డూప్లికేట్ ప్యాక్ కొని మోసపోకండి

DUPLICATE PACK BY A.P. PRODUCTS

వేదప్రకాష్ అగ్రవాల్ - 9849655105 వివేకానంద్ అగ్రవాల్ - 9848053144 విపులానంద్ అగ్రవాల్ - 9848885325 శివానంద్ అగ్రవాల్ - 9246351879 పియుషానంద్ అగ్రవాల్ : 7036228855

Registered Office
A.P. PRODUCTS PVT. LTD.
Jubilee Hills, BHAGYA NAGAR,
Hyderabad - 500 033 - TS, BHARAT (INDIA).

BHARATIYA ANAND G FOOD PRODUCTS
#18-7-445/10, Saraswathi Nagar,
Gowlipura, Bhagyanagar (Hyd) 500 053, T.S.,

A.P. PRODUCTS
18-6-445/1, 445/2, 445/7, Saraswati Nagar,
Lalitha Bagh Road, Gowlipura, Hyderabad.
GST No. 36ABQFA8812MIZU
Managing Partner : Vedprakash Agarwal, Vivekanand Agarwal, Vipulanand Agarwal

approducts1957@gmail.com
Customer Care: 1800-121-2139
www.anandmasala.com

श्री आनन्द मसाला भंडार
15-7-407-411, बेगमबाजार, हैदराबाद-12.
फोन : 9848053144, 9848885325

REQUIRED DISTRIBUTORS AND MARKETING PERSONS. INTERESTED PERSON PLEASE MAIL TO : anandmasalaappltd@gmail.com, WITH ALL DETAILS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.